खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 03 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-243

अमेरिका के दो-दो पूर्व सुरक्षा सलाहकारों ने खोली डोनाल्ड ट्रंप की पोल

पाकिस्तान में क्रिप्टो धंधे से अरबों कमा रहा ट्रंप परिवार

भारत को नकारने और पाकिस्तान को पुचकारने का राज उजागर

वॉशिंगटन, 02 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में फैले क्रिप्टो कारोबार का धंधा चमकाए रखने के लिए भारत के नजदीकी संबधों को ताक पर रख दिया। पाकिस्तान में क्रिप्टो कारोबार के जरिए अरबों रुपए का मुनाफा लूटने वाले डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के लोग हैं। यानि, पाकिस्तान में फैला क्रिप्टो कारोबार ट्रंप परिवार का है। इसके लिए ट्रंप ने पाकिस्तान को अपने सिर पर बैठाया और भारत की उपेक्षा की। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक का पर्दाफाश किया और भारत के साथ संबंधों में खटास को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर करारा हमला किया। सुलिवन ने साफ-साफ कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने परिवार के क्रिप्टो कारोबार के लिए भारत जैसे रणनीतिक साझेदार को दरकिनार कर दिया।

अमेरिका के पूर्व एनएसए जेक सुलिवन ने तो डोनाल्ड ट्रंप के पाकिस्तान में फैले पारिवारिक धंधे की जानकारी देकर पूरे प्रकरण की अंतरकथा ही खोल कर रख दी। जेक सुलिवन ने कहा, भारत के साथ हमें तकनीक, टैलेंट, अर्थव्यवस्था और कई अन्य क्षेत्रों में साथ काम करना चाहिए था, खासकर चीन से रणनीतिक खतरे का मुकाबला करने के लिए यह अत्यंत जरूरी था। लेकिन ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ अपने फैमिली बिजनेस को बढ़ाने के लिए भारत के साथ रिश्तों को दरकिनार कर दिया। सुलिवन ने इसे अमेरिका के लिए बड़ा रणनीतिक नुकसान बताया।

डोनाल्ड ट्रंप के साथ काम कर चुके अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भी ट्रंप को भारत से रिश्ते खराब करने और भारत पर लगाए गए टैरिफ को लेकर कठघरे में खड़ा किया। बोल्टन ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति ने भारत को रूस से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। जॉन बोल्टन ने डोनाल्ट ट्रंप की टैरिफ नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को गहरा करने के अमेरिका के दशकों के प्रयासों को झटका लगा है जबकि चीन को एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर मिल गया है। जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिका की टैरिफ नीति ने भारत को रूस से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। साथ ही चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है। ▶10पर

पीएम मोदी के भावुक भाषण ने गाली-पॉलिटिक्स की बाजी पलट दी

मेरी मां को गाली, पूरे देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है

नई दिल्ली/पटना, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए विकास योजनाओं की घोषणा करते हुए अपनी दिवंगत माता जी को लेकर जो भावुक भाषण दिया, उसने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का बदतमीजी से भरा नैरेटिव पलट कर रख दिया है। अब बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-राजद की गाली-पॉलिटिक्स चुनावी मुद्दा बनेगी, यह तय हो गया है। राहुल गांधी की अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां स्व. हीराबेन मोदी पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 4 सितंबर को पांच घंटे के लिए बिहार बंद का आह्वान किया है। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिहार बंद रहेगा। बिहार बंद की घोषणा पीएम मोदी के भावुक भाषण के बाद ही की गई। दिवंगत मां को गाली और राहुल-तेजस्वी की 16 दिन की अराजक

राहुल गांधी के सामने कांग्रेस के मंच से दी गई थी गाली

गाली-पॉलिटिक्स के खिलाफ चार को बिहार बंद : एनडीए

उछलकूद को पीएम मोदी ने 29 मिनट में पलट दिया। पीएम मोदी के भाषण ने राहुल-तेजस्वी के अरमान पर कुल्हाड़ी चलाने का काम कर दिया है।

बिहार चुनाव 2025 की एक तरह से आज से ही असली शुरुआत हुई है। अपनी दिवंगत मां के सम्मान में पीएम मोदी मैदान में उतर आए हैं। मां की गाली पर पीएम मोदी के आंसू राहुल-तेजस्वी की राजनीति पर भारी पड़ गए। बिहार चुनाव का पूरा नैरेटिव, जिसे 16 दिन की जद्दोजहद से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने सेट किया था, पीएम मोदी के 29 मिनट के भाषण ने उसे बदलकर रख दिया। अब बिहार चुनाव 2025 में गाली पॉलिटिक्स की ही गूंज सुनाई देगी, यह तय हो गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की गहमा-गहमी के बीच राजनीति का रंगमंच गर्म हो उठा। ▶10पर

पीएम मोदी ने किया सेमीकॉन इंडिया 2025 का उद्घाटन

तेल है काला सोना तो सेमी कंडक्टर चिप है हीरा : मोदी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया-2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था ने सभी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल काला सोना था, लेकिन अब सेमीकंडक्टर चिप हीरे के समान हैं। इस मौके पर भारत का पहला स्वदेशी स्पेस प्रोसेसर विक्रम 32-बिट लॉन्च हुआ। इससे अंतरिक्ष को लेकर हो रहे अध्ययनों और प्रयोगों को मजबूती मिलेगी।

सेमीकॉन इंडिया 2025 के सम्मेलन में दुनियाभर के सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में अपने भाषण की शुरुआत में पीएम मोदी ने कुछ ऐसा कहा कि पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा। ▶10पर

भारत का पहला स्वदेशी स्पेस प्रोसेसर विक्रम 32-बिट लॉन्च

सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर किया महत्वपूर्ण मंतव्य

अल्पसंख्यक संस्थाओं पर भी लागू होगा आरटीई

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार देने वाला कानून (आरटीई एक्ट, 2009) सभी अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू होना चाहिए, चाहे वे सरकारी सहायता प्राप्त हों या न हों। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 के संविधान पीठ के उस फैसले पर दोबारा विचार करने की जरूरत बताई, जिसमें ऐसे संस्थानों को इस कानून से पूरी तरह छूट दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब इस पर पुनर्विचार लगभग टाला नहीं जा सकता।

साल 2014 में प्रमाती एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने कहा था कि आरटीई एक्ट को अल्पसंख्यक स्कूलों

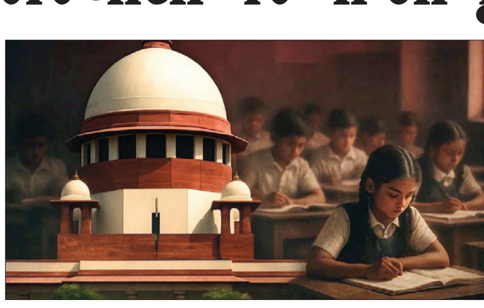

पूर्व का फैसला बदलेगा सुप्रीम कोर्ट

(जो अनुच्छेद 30 (1) के तहत आते हैं और जिन्हें धार्मिक तथा भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित और चलाने का अधिकार देता है), चाहे वे सहायता प्राप्त हों या न हों, पर लागू करना संविधान के खिलाफ है। सोमवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 2014 के फैसले पर विचार किया। यह मामला कई अपीलों से जुड़ा था, जिनमें सवाल उठाया गया था कि क्या टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू होता है या नहीं। बेंच ने कहा, हमें इस पर गंभीर संदेह है कि क्या प्रमाती एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट (फैसला) सही था, जिसने अनुच्छेद 30 (1) के तहत आने वाले अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीई एक्ट से पूरी तरह छूट दे दी थी? बेंच ने निर्देश दिया कि इस मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा जाए ताकि वे ▶10पर

बीआरएस की अनुशासन समिति का फैसला

एमएलसी के कविता बीआरएस से निलंबित

हैदराबाद, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) की एमएलसी और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को मंगलवार दोपहर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया। यह फैसला के. कविता द्वारा तेलंगाना के पूर्व मंत्री टी. हरीश राव और बीआरएस राज्यसभा सांसद संतोष कुमार के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए जाने के बाद लिया गया। कुछ अर्सा पहले के कविता ने बिना नाम लिए अपने भाई केटीआर पर भी निशाना साधा था। बीआरएस की अनुशासन समिति (जिसके अध्यक्ष सोमा भारत कुमार और टी. रविंदर राव हैं) की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि हाल के दिनों में कविता के आचरण और पार्टी-विरोधी गतिविधियों से पार्टी को नुकसान हुआ है। नोटिस में लिखा है, पार्टी नेतृत्व ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। ▶10पर

सरकार ने विदेशियों की आमद के नियम सख्त किए

भारत नहीं आ पाएंगे अवैध गतिविधियों वाले विदेशी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने देश में आने वाले विदेशियों के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। इसके तहत गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त विदेशियों के भारत आने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही राज्यों को भी निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे लोगों को रखने के लिए डिटेंशन कैंप बनाएं।भारत सरकार ने विदेशी नागरिकों के प्रवेश और ठहरने को लेकर सख्त प्रावधान लागू कर दिए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी कर कहा है कि अब ऐसे विदेशी नागरिक जिन्हें राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, जासूसी, दुष्कर्म, हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता जैसे गंभीर अपराधों में दोषी पाया गया है, उन्हें भारत में प्रवेश या ठहरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ▶10पर

|| हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे || राम राम हरे हरे ||

पगड़ी

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

पगड़ी की रस्म

बुधवार दि. 03-09-2025 को सांय 5.00 बजे से हमारे निवास स्थान पर रहेगी।

- शोकाकुल -

सुरेश कुमार (भ्राता), रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), मयूर, पियूष, मृदुल (पुत्र), नरेश, बजरंग, रवि, दिलीप, अनिल, अनूप, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे), कमल, नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र)

एवं समस्त प्राणसुख बसईवाला परिवार

फर्म : BASAI STEEL & POWER Pvt. Ltd.
RN METALS Pvt. Ltd.
DAILY SHUBH LABH (Hindi Daily)

निवास स्थान : मोती कुंज प्लॉट नं. 22, रोड नं. 5, महेन्द्रा हिल्स, सत्यनारायण मंदिर के समीप, नेहरु नगर, ईस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद 98490 30471,77993 33333

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर बीजिंग रवाना, विक्ट्री डे परेड में जिनपिंग व पुतिन के साथ दिखेंगे

प्योंगयांग,02 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपनी विशेष बख्तरबंद ट्रेन में सवार होकर प्योंगयांग से चीन के लिए मंगलवार को रवाना हो गए। वे बीजिंग में बुधवार को होने वाली विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लेंगे। चीन के इस परेड में किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक मंच पर नजर आएंगे।

उत्तर कोरिया स्टेट मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक कोरियाई वर्कर्स पार्टी के महासचिव और कोरियाई लोकतांत्रिक जनवादी गणराज्य के राज्य मामलों के अध्यक्ष किम जोंग उन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर विक्ट्री डे की 80वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए 1 सितंबर को अपनी ट्रेन से प्योंगयांग से रवाना हुए। उनकी ट्रेन 2 सितंबर की सुबह सीमा पार कर गई। किम जोंग के साथ कोरियाई पीपुल्स पार्टी की केंद्रीय समिति और डीपीआरके सरकार के प्रमुख अधिकारी यात्रा कर रहे हैं। उनकी यात्रा में 24 घंटे तक का समय लग सकता है और वे मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने बीजिंग की यात्रा के लिए एक घंटे की उड़ान के विकल्प को छोड़कर प्योंगयांग से बीजिंग तक ट्रेन में लगभग 24 घंटे के सफर को चुना। किम जोंग उन की इस विशेष ट्रेन का आधिकारिक नाम- तायांग-हो- है। जिसमें अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के साथ शाही सुविधाएं हैं।

खास है किम जोंग उन की बख्तरबंद ट्रेन

दक्षिण कोरियाई खुफिया एजेंसियों का मानना है कि किम की निजी ट्रेन बुलेटप्रूफ खिड़कियों, अभेद्य आवरण, रडार से बचने के लिए डिजाइन किए गए विशेष जालीदार आवरण और मोर्टार से लैस है। कवच और उपकरणों से लदी, तायांग-हो लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलती है। शाही सुविधाएं और अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था है। इसकी रफ्तार 50-60 किमी/घंटा तक है।

साल 2011 में उत्तर कोरिया की सत्ता पर काबिज हुए किम जोंग उन ने मार्च 2018 से सितंबर 2023 तक 8 विदेशी यात्राएं की (इनमें उनकी मौजूदा बीजिंग यात्रा शामिल नहीं है) किम ने इनमें से पाँच यात्राओं के लिए अपनी इस विशेष बख्तरबंद ट्रेन का इस्तेमाल किया है। इनमें मार्च 2018 और जनवरी 2019 में बीजिंग यात्रा और साल 2019 में हनोई, वियतनाम शिखर सम्मेलन की यात्रा शामिल है। केवल तीन विदेश यात्राओं में किम ने विमानों का इस्तेमाल किया।

न्यूज ब्रीफ

सैन्य परेड में शामिल होने बुलेट ट्रेन में बैठकर बीजिंग पहुंचे प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली टियांजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) प्लस शिखर

सम्मेलन के बाद बीजिंग पहुंचे हैं। सैन्य परेड में शामिल होने के लिए नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने बुलेट ट्रेन का सफर किया है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बुलेट ट्रेन के जरिए टियांजिन से बीजिंग की यात्रा करने की जानकारी दी है। बीजिंग पहुंचने पर चीनी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मुलाकात चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से होनी है। उपराष्ट्रपति की ओर से आयोजित राजकीय रात्रिभोज में भी नेपाली प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा। इससे पहले टियांजिन में प्रधानमंत्री ओली ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। अपनी यात्रा के अंतिम कार्यक्रम के रूप में नेपाली प्रतिनिधिमंडल 3 सितंबर को बीजिंग में फासीवाद और जापानी आक्रामकता के खिलाफ युद्ध में चीन की जीत के 80वीं वर्षगांठ समारोह में वैश्विक नेताओं के साथ शामिल होगा। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल उसी दिन नेपाल लौटेगा ।

कुदरत का कहर : कहीं भूकंप कहीं भूस्खलन, चली गई 2100 की जान

काबुल। अफगान से लेकर सुडान तक कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया है कि यहां देखते ही देखते 2100 लोगों की जान चली गई। अफगानिस्तान में आए भूकंप में 11 सौ लोगों की मौत हो गई जबकि सुडान में भूस्खलन से 1 हजार लोगों ने जान गंवाई है। अफगानिस्तान और सुडान में आई तबाही को मिलाकर अब तक 2,100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों घायल और बेघर हो गए हैं। यह कुदरत का कहर ऐसा है कि मानवता कराह रही है। अफगानिस्तान में 6.0 तीव्रता का भूकंप पूर्वी इलाके में काबुल के पास आया, जबकि सुडान के दारफुर क्षेत्र में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड ने एक पूरा गांव ही मिटा दिया। इन आपदाओं ने न केवल जान-माल का नुकसान किया, बल्कि पहले से संकटग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय संकट को और गहरा कर दिया है। सुडान में स्थिति और भी दिल दहला देने वाली है। सुडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि पश्चिमी सुडान के मार्रा माउंटेंस इलाके में एक गांव पर लैंडस्लाइड गिरा, जिसमें कम से कम 1,000 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में केवल एक व्यक्ति ही जिंदा बचा है। लैंडस्लाइड की घटना 31 अगस्त को हुई, जब लगातार कई दिनों की भारी बारिश के बाद पहाड़ी इलाके में मिट्टी खिसक गई। सुडानी आर्मी का कहना है कि पूरा गांव ही मिट्टी में दफन हो गया है, और अब वहां कुछ भी नहीं बचा। पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी इसकी चपेट में आए।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बाढ़ को आशीर्वाद बताया

इस्लामाबाद,02 सितंबर। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत भीषण बाढ़ से जूझ रहा है और वहां के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अजीबोगरीब बयान से चर्चा बटोर रहे हैं। पाकिस्तान में एक स्थानीय चैनल से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने लोगों से कहा कि बाढ़ को एक आशीर्वाद के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले नागरिकों को सुझाव दिया कि बाढ़ के पानी को अपने घरों में बाल्टियों और टबों में भरकर रखना चाहिए।

रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा, जिन लोगों ने सड़कें रोक कर दी हैं और बाढ़ जैसी स्थिति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें बाढ़ का पानी अपने घर ले जाना चाहिए। उन्हें इस पानी को अपने घरों में, टबों में, झीलों में संग्रहित करना चाहिए। हमें इस जल को एक वरदान के रूप में देखना चाहिए और इसलिए इसे संग्रहित करना चाहिए। आसिफ के बयान की पाकिस्तान में आलोचना हो रही है, जबकि भारत में मजाक बन रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब प्रांत में बारिश के दौरान 33 लोगों की जान गई है। बाढ़ से 2,200 गांव प्रभावित हुए हैं और 7 लाख से अधिक निवासियों को घर खाली करने पर मजबूर होना पड़ा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पंजाब के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने बताया कि प्रांत अपने इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। सिंध के 1,657 गांवों के 16 लाख से अधिक लोग भी बाढ़ से प्रभावित हैं।

अफगानिस्तान के कुनार में विनाशकारी भूकंप से 800 से अधिक मौतें, राहत कार्य बाधित, भारत-चीन से मदद शुरू

काबुल,02 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अब तक मृतकों की संख्या 800 से अधिक हो गई है, जबकि 2800 से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप का केंद्र जलालाबाद से करीब 27 किलोमीटर दूर था। इसके बाद 5.2 तीव्रता के दो झटके भी महसूस किए गए। सरकारी प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के अनुसार, पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में कम से कम 812 लोग मारे गए और 2,817 घायल हो गए।

पूरी बस्तियां हुईं तबाह, बचाव कार्य में मुश्किलें

तालिबान सरकार के अनुसार, नुर्गल, सावकी, वाटपुर, मनोगी, चौके और चापा दारा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई गांव पूरी तरह मिट्टी में समा गए हैं। एक वरिष्ठ तालिबान अधिकारी ने बीबीसी को बताया, तबाही की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारी प्राथमिकता मलबे से शव निकालना नहीं, बल्कि जिंदा बचे लोगों तक पहुंचना है। भूस्खलन और लगातार बारिश ने अधिकांश सड़कों को बंद कर दिया है, जिससे बचाव दलों को हवाई मार्ग पर निर्भर रहना पड़ रहा है। अब तक लगभग 420 घायलों और मृतकों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया है।

मानव संकट गहराया, अंतरराष्ट्रीय मदद धीमी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान पहले से ही गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है, जहां आधी से ज्यादा आबादी को तुरंत मदद की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी विदेशी सरकार ने सीधे तौर पर बड़ी मदद नहीं भेजी है। हालांकि, भारत ने 1,000 फैमिली टेंट काबुल भेज दिए हैं और 15 टन खाद्य सामग्री कुनार पहुंचाने की प्रक्रिया में है। साथ ही भारत ने कहा है कि मंगलवार से और अधिक राहत सामग्री भेजी जाएगी। जबकि चीन ने जरूरत के अनुसार मदद देने की घोषणा की है।

अफगान सरकार ने किया 14.6 लाख डॉलर देने का वादा

अफगान सरकार ने भूकंप से निपटने के लिए तत्काल 14.6 लाख डॉलर देने का वादा किया है। टोलोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने घोषणा की है कि सरकार ने भूकंप पीड़ितों की सहायता के लिए तत्काल सेवाओं हेतु 10 करोड़ अफगान डॉलर (14.6 लाख डॉलर) आवंटित किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जरूरत पड़ने पर यह राशि बढ़ाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय दानदाताओं से भूकंप से निपटने के लिए समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है।

दुर्गम इलाके में खतरा बढ़ा, महामारी की आशंका

यूएन के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (यूएनओसीएचए) की अधिकारी केट कैरी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र पिछले 48 घंटों से भारी बारिश से जूझ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। मोबाइल नेटवर्क ठप होने और सड़कों के टूटने से दूरदराज के गांवों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है।

गंजे हुए ट्रंप सोशल मीडिया पर अटकलों का दौर शुरू, लोग पूछ रहे मेडिकल ट्रीटमेंट या कुछ और

वाशिंगटन,02 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ नीति के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चित हो रहे हैं। इस बार टैरिफ के लिए नहीं बल्कि सुबह व्हाइट हाउस से बाहर निकलते वक्त उनकी कुछ नई तस्वीरें सामने आईं, जिनमें वे बेहद बदले-बदले नजर आए। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों ने बहस छेड़ दी है। कुछ लोग कह रहे हैं कि वे पहचान में नहीं आ रहे हैं तो कुछ ने दावा किया कि उनका सिर लगभग पूरी तरह गंजा दिख रहा है। कुछ दिनों पहले ट्रंप के हाथ पर एक काला धब्बा नजर आया था, जिसे लेकर भी ऐसे ही सवाल उठे थे। हालांकि, ट्रंप या व्हाइट हाउस की ओर से इस पर कुछ नहीं कहा गया।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर ट्रंप की सेहत को लेकर अटकलें लगती रही हैं। कुछ यूजर्स पहले ही अफवाह फैला चुके थे कि राष्ट्रपति का निधन हो चुका है। अब उनकी ताजा तस्वीरों ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी है। एक्स और इंस्टाग्राम पर कई यूजर्स ने लिखा कि ट्रंप शायद किसी गंभीर बीमारी से गुजर रहे हैं और उनका इलाज चल रहा है। एक यूजर ने लिखा, वो बिल्कुल अलग इंसान लग रहे हैं। ये वही ट्रंप हैं या कोई और दूसरे ने कहा, उनके सारे बाल एक रात में कैसे चले गए यह सामान्य नहीं है।

कई राजनीतिक विश्लेषक और डॉक्टरों ने अनुमान जताया है कि बाल झड़ने, चेहरे में बदलाव और हाथ पर काले धब्बे जैसे लक्षण किसी मेडिकल ट्रीटमेंट जैसे कैंसर थेरैपी या अन्य गंभीर इलाज का नतीजा हो सकते हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से अब तक राष्ट्रपति की सेहत पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। गौर करने वाली बात यह भी है कि कुछ दिन पहले ही ट्रंप के हाथ पर एक काला धब्बा नजर आया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। उस समय भी लोगों ने यह सवाल उठाया था कि कहीं यह किसी मेडिकल कंडीशन या इलाज का नतीजा तो नहीं। अब बालों के अचानक गायब होने और चेहरे में आए बदलाव ने इन दोनों घटनाओं को आपस में जोड़कर नई अटकलों को जन्म दे दिया है। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने इन अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। न तो उन्होंने अपनी सेहत को लेकर कोई खुलासा किया और न ही अफवाहों का खंडन किया। इस खामोशी ने ही चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को हुए 1286 दिन, फिलहाल नहीं दिख रहे शांति के आसार

तेल अवीव। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को 1286 दिन पूरे हो गए हैं। दुनिया के कई देशों ने शांति के प्रयास किए हैं लेकिन बात नहीं बन पा रही है। इसी बीच अमेरिका ने प्रतिबंध बढ़ाने की धमकी दी है। चीन में हुए एससीओ समिट में भी ये मुद्दा उठा और एक बार फिर रूस ने इसका जिम्मेदार पश्चिमी देशों को बताया, जिन्होंने यूक्रेन को उकसाकर ये युद्ध भड़काया। एक तरफ शांति को लेकर बातें हो रही थीं, वहीं दूसरी ओर फ्रंटलाइन पर दोनों देशों का बीच युद्ध जारी रहा। रूस ने यूक्रेन के कुछ इलाकों पर हमला किया तो यूक्रेन ने कुछ गांवों को रूस के कब्जे से छुड़ाने का दावा किया। यूक्रेन के सूमी इलाके को रूस ने अपना निशाना बनाया, जिसकी वजह से यहां पर पानी और बिजली की सप्लाई भी प्रभावित हुई। सूमी के गवर्नर ओले राइहोरोव ने इस बात की जानकारी दी कि रूसी सेनाएं बड़े हमले कर रही हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिया कि रूस के यूक्रेन पर हालिया हमलों के बाद वाशिंगटन उस पर कड़े प्रतिबंध लगाने के सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई को घिनौना बताया।

नहीं रहे हॉलीवुड के मशहूर एक्टर ग्राहम ग्रीन

टोरंटो,02 सितंबर (एजेंसियां)।

हॉलीवुड से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके एजेंट माइकल ग्रीन ने इस बात की पुष्टि की है। ग्राहम लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। बीते कुछ महीनों से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी और वह कनाडा के टोरंटो स्थित एक निजी अस्पताल में उपचाररत थे। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से न केवल उनके परिवार और चाहने वाले बल्कि पूरा हॉलीवुड शोक की लहर में डूब गया है।

ग्राहम ग्रीन का फिल्मी करियर कई दशकों तक फैला रहा। हालांकि, उनके अभिनय को असली पहचान और वैश्विक स्तर पर उड़ान 1990 में मिली, जब उन्होंने केविन कॉस्टनर की बहुचर्चित फिल्म डांस विद वोल्व्स में किकिंग बर्ड का किरदार निभाया। इस फिल्म को कुल 12 ऑस्कर नामांकन मिले थे और ग्राहम को इसमें उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता की श्रेणी में नामांकित किया गया था। यही वह फिल्म थी, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाई और दुनिया भर के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके बाद ग्राहम ग्रीन ने कई यादगार फिल्मों में काम किया और अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को साबित किया। उन्होंने मैवरिक, डाई हार्ड विद अ वेंजेंस और द ग्रीन माइल जैसी बड़ी फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उनकी सधी हुई अदाकारी और स्क्रीन प्रेज़ेंस ने हर बार दर्शकों को प्रभावित किया। ग्राहम न केवल फिल्मों में बल्कि टेलीविजन और थिएटर में भी सक्रिय रहे। उनकी सरलता, मेहनत और अपने काम के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास पहचान दिलाई। जब वह इस दुनिया को छोड़कर चले गए हैं, तो उनके प्रशंसक और सहकर्मी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग उनके बेहतरीन किरदारों और फिल्मों को याद करते हुए शोक जता रहे हैं। ग्राहम ग्रीन का जाना हॉलीवुड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने शानदार अभिनय से जो छाप छोड़ी है, वह हमेशा कायम रहेगी। आने वाली पीढ़ियां उन्हें एक ऐसे अभिनेता के रूप में याद रखेंगी, जिन्होंने सिनेमा की दुनिया को अपनी अदाकारी से और भी समृद्ध बनाया।

टैरिफ पर टकरार के बीच भारतीय सेना के 450 जवानों ने दी अमेरिका में दस्तक

वाशिंगटन,02 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर तनातनी चल रही है। दोनों देशों की तरफ से कूटनीतिक कदम उठाए जा रहे हैं। इसी बीच भारतीय सेना के 450 जवानों ने अमेरिका में दस्तक दे दी है। इस तनाव के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग की डोर अब भी मजबूत बनी हुई है। इसी कड़ी में दोनों देशों ने सोमवार को अलास्का में अपने सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों में से एक 'युद्ध अभ्यास' की शुरुआत की।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 'भारतीय सेना का एक दल युद्ध अभ्यास 2025 (01 - 14 सितंबर) के 21वें संस्करण के लिए फोर्ट वेनराइट, अलास्का पहुंच गया है। अमेरिकी 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों के साथ, वे हेलीबोर्न ऑपरेशन,पर्वतीय युद्ध, यूएएस/ काउंटर-यूएएस और संयुक्त सामरिक अभ्यासों का प्रशिक्षण लेंगे-जिससे

संयुक्त राष्ट्र पीकेओ और बहु-क्षेत्रीय तत्परता को बढ़ावा मिलेगा। यह अभ्यास अलास्का के फोर्ट वैनराइट की बर्फीली जलवायु में किया जा रहा है, जहां मद्रास रेजीमेंट के 450 से अधिक भारतीय सैनिक अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिविजन के आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम की 5वीं इन्फेंट्री रेजीमेंट 'बॉबकैट्स' के जवानों के साथ 14 सितंबर तक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में युद्धाभ्यास और सामरिक अभ्यास करेंगे।

हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि अगर मौजूदा हालात में भारत-अमेरिका रिश्तों की गिरावट जारी रही, तो आने वाले समय में रक्षा सौदों पर पुनर्विचार संभव है। फिलहाल भारत ने अपने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को जारी रखते हुए चीन के साथ भी संवाद बढ़ाया है और रूस के साथ पारंपरिक रक्षा संबंधों को मजबूती से निभा रहा है।

उधर रक्षा अधिकारियों का कहना है कि रणनीतिक साझेदारी पर फिलहाल कोई संकट नहीं है। एक अधिकारी ने कहा,भरोसा जरूर कमजोर हुआ है, लेकिन दांव पर इतना कुछ लगा है कि यह साझेदारी इतनी आसानी से नहीं टूट सकती। पिछले दो दशकों में अमेरिका ने भारत को 25 अरब डॉलर से ज्यादा के रक्षा सौदे दिए हैं। हाल ही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अमेरिका की कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक से 99 जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की पहली खेप मिलनी शुरू हुई है। इन इंजनों को स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान में लगाया जाएगा। यह सौदा अगस्त 2021 में 716 मिलियन डॉलर का हुआ था। इसके अलावा भारत एक और समझौते के तहत 113 और इंजन खरीदने की तैयारी में है, जिसकी कीमत लगभग 1 अरब डॉलर होगी। सिर्फ इतना ही नहीं, भारत ने अमेरिका से 'प्रिडेटर' ड्रोन भी 3.8 अरब डॉलर में ऑर्डर किए हैं, जो 2029-30 के बीच मिलने शुरू होंगे। वहीं, समुद्री मोर्चे पर भी सहयोग जारी है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया नवंबर में पश्चिमी प्रशांत महासागर के गुआम तट पर होने वाले मालाबार नौसैनिक अभ्यास के लिए तैयारी कर रहे हैं। मालाबार अभ्यास की शुरुआत 1992 में भारत-अमेरिका के बीच हुई थी, लेकिन अब इसमें सभी क्वाड देश शामिल हैं।

अमेरिकी टैरिफ और दबाव का भारत पर कोई असर नहीं

रूस से कच्चा तेल खरीद कर हुई 1,05,000 करोड़ की बचत

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी बढ़ा दिया है और इसका सीधा फायदा भारतीय रिफाइनरियों और देश की तेल खरीद पर पड़ा है। 2022-23 से लेकर अब तक भारत ने रूसी तेल से कम से कम 12.6 बिलियन डॉलर (1.046 लाख करोड़ रुपए) की बचत की है। यह बचत केवल रूसी तेल की कीमतों में मिलने वाली छूट से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि अगर भारत ने रूस से तेल नहीं खरीदा होता, तो वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें और अधिक बढ़ जातीं और देश का तेल आयात बिल और भारी हो जाता।

शुरू में रूसी तेल पर मिलने वाली छूट काफी अधिक थी, जो 2022-23 में लगभग 13.6 प्रतिशत थी और इसने भारत को 4.87 अरब डॉलर (40,421 करोड़ रुपए) की बचत करने में मदद की। हालांकि समय के साथ यह छूट कम हुई और वित्त वर्ष 2024-25 में यह केवल 2.8 प्रतिशत रह गई। इसके बावजूद यह भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। रूसी तेल की खरीद का भारत में सबसे बड़ा फायदा रिफाइनरी कंपनियों को हुआ, जिसे सस्ते कच्चे तेल मिले। 2023-24 में रूस से तेल की मात्रा 373 मिलियन बैरल (59.3 बिलियन लीटर) से बढ़कर 609 मिलियन बैरल (96.83 बिलियन लीटर) हो गई, जिससे बचत भी बढ़ी और कुल 5.41 अरब डॉलर (44,903 करोड़ रुपए) की बचत दर्ज हुई।

इस दौरान रूसी तेल की औसत पहुंच मूल्य 76.39 डॉलर (6,340 रुपए) प्रति बैरल रही, जबकि अन्य आपूर्तिकर्ताओं से तेल की औसत पहुंच मूल्य 8.89 डॉलर (738 रुपए) अधिक थी।

रिफाइनरियों को मिला फायदा और तेल कीमतें रहीं काबू में

2024-25 में छूट घटने के बावजूद, भारत की रिफाइनरियों ने रूसी तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि यह आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद था। वास्तविक लाभ केवल कीमत में छूट तक सीमित नहीं है, भारत की तेजी से बढ़ती मांग ने वैश्विक तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखने में मदद की, जिससे तेल पर देश का कुल खर्च कम हुआ।

इस पूरे मुद्दे में अमेरिकी दबाव भी एक अहम पहलू है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल आयात पर भारत को दबाव में लाने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाए। अगस्त में ट्रंप ने भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह कदम अमेरिकी नीति का हिस्सा था, ताकि भारत रूस से तेल खरीदना कम करे और मास्को को यूक्रेन युद्ध में दबाव में लाया जा सके।

भारत ने इस दबाव के आगे झुकने का कोई संकेत नहीं दिया। भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि देश अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा और अमेरिका यह तय नहीं करेगा कि भारत किस देश से व्यापार करे। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने कहा कि वे रूसी तेल खरीदना जारी रखेंगे। रूस के लिए भारत का महत्व भी लगातार बढ़ा है। फरवरी 2022 में, जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया, भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी। पश्चिमी देशों ने रूसी तेल से दूरी बनानी शुरू की और रूस ने इच्छुक खरीदारों को छूट देना शुरू कर दी।

भारतीय रिफाइनरियों ने इस मौके का तुरंत लाभ उठाया और रूस कुछ ही महीनों में भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बन गया। पारंपरिक पश्चिम एशियाई आपूर्तिकर्ताओं भी इस दौर में पीछे छूट गए। अब भारत के कुल तेल आयात में रूस का हिस्सा एक तिहाई से अधिक है और यह दुनिया में रूस का दूसरा सबसे बड़ा ग्राहक बन गया है। इसके अलावा, रूसी तेल मास्को के लिए राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत है और भारत की लगातार बढ़ती खरीद ने क्रेमलिन को वित्तीय मदद भी दी।

रूसी तेल खरीद में समय के साथ छूट घटने के पीछे कई कारण हैं। इसमें मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में सामान्य गिरावट और माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि शामिल है। पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की ढुलाई और बीमा महंगा हुआ है, जिससे वास्तविक लैंडेड कीमत पर छूट कम हो गई है। भारत के लिए लैंडेड मूल्य ही मायने रखता है, क्योंकि यही वह राशि है जो रिफाइनिंग कंपनियां वास्तव में चुकाती हैं। व्यापारियों के अनुसार, रूस से तेल की बढ़ती खरीद ने न केवल भारतीय रिफाइनरियों को सस्ता तेल उपलब्ध कराया, बल्कि वैश्विक आपूर्ति को स्थिर रखने में भी मदद की, जिससे भारत को अन्य स्रोतों से महंगा तेल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ी।

सप्लाई की स्थिति और भविष्य की संभावनाओं की बात करें, तो सितंबर में भारत की रूसी तेल की खरीद अगस्त से 10-20 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है, यानी प्रतिदिन लगभग 1.5 लाख से 3 लाख बैरल तक। रूस ने यूरोप और अमेरिका की खरीद सीमित होने के कारण अपनी आपूर्ति बढ़ाई है।

▶10 पर

शिक्षकों के नौकरी में बने रहने के लिए टीईटी जरूरी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किया कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से कम शेष है, उन्हें टीईटी उत्तीर्ण किए बिना सेवा जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, प्रोन्नति के लिए उन्हें टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। इसमें विफल रहने पर सेवा छोड़नी होगी या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होना होगा व सेवांत लाभ का भुगतान करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिक्षण सेवा में बने रहने या पदोन्नति पाने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य है। शीर्ष कोर्ट ने टीईटी की अनिवार्यता से जुड़े कानून के लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने संवैधानिक संदर्भ के साथ अंजुमन इशात-ए-तालीम ट्रस्ट बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य समेत कई दीवानी अपीलों में शिक्षक पात्रता के मुद्दों पर भी विचार किया। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने 29 जुलाई, 2011 से टीईटी अनिवार्य कर दी थी। मुख्य प्रश्न यह था कि ऐसे में क्या इससे पहले नियुक्त शिक्षकों को सेवा में बने रहने या पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना जरूरी है?

यह प्रश्न विशेष रूप से अल्पसंख्यक संस्थानों में शिक्षकों के लिए उठाया गया। शीर्ष कोर्ट ने निर्देश जारी किया कि जिन शिक्षकों की सेवा अवधि पांच वर्ष से कम शेष है, उन्हें टीईटी उत्तीर्ण किए बिना सेवा जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, प्रोन्नति के लिए उन्हें टीईटी उत्तीर्ण करना होगा।

▶10 पर

एसआईआर पर आपत्तियां नामांकन तक जारी रहेंगी

नई दिल्ली, 02 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि मतदाता सूची को लेकर दावे और आपत्तियां तय समय सीमा (एक सितंबर) के बाद भी दाखिल की जा सकती हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि समय सीमा को औपचारिक रूप से बढ़ाने का आदेश पारित नहीं होगा, लेकिन नामांकन की अंतिम तिथि तक दाखिल आपत्तियों पर विचार किया जा सकता है।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि सभी जिलों में पैरा-लीगल वालंटियर तैनात किए जाएं, जो मतदाताओं और राजनीतिक दलों को ऑनलाइन दावे और आपत्तियां दर्ज करने में मदद करेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल सूची से नाम हटाने की आपत्तियां दर्ज कर रहे हैं, न कि नए नाम जोड़ने के दावे। 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 प्रतिशत ने फॉर्म जमा कर दिए हैं, जबकि 65 लाख बहिष्कृत मतदाताओं में से अब तक केवल कुछ हजार दावे ही आए हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को तय की है।

दूसरी तरफ चुनाव आयोग ने कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के दो पहचान पत्र नंबर को लेकर नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। नई दिल्ली के जिला निर्वाचन कार्यालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराने के लिए नोटिस भेजा है। पवन खेड़ा ने दो निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकृत करा रखा है। इनमें एक नंबर जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में है और दूसरा नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में, जो क्रमश: पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं।

जम्मू कश्मीर पर अभी भी दो दिन भारी, सघन बारिश की चेतावनी

15 तक रेल रद्द, वैष्णो देवी यात्रा 8 दिन से बंद, अधिकतर सड़कें बह गईं

जम्मू, 02 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर की दशा अभी भी नाजुक बनी हुई है। आज भी भारी बारिश के कारण नदी नाले उफान पर थे तो अगले दो दिना खतरे भरे बताए जा रहे हैं। भारी बारिश क चेतावनी जारी की गई है। रेलें फिलहाल 15 सितम्बर तक बंद रहने की आधिकारिक घोषणा की गई है। वैष्णो देवी यात्रा 8वें दिन भी स्थगित रही क्योंकि प्रदेश में अधिकतर सड़कें बह चुकी हैं।

प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है कहीं भूस्खलन तो कहीं नदियों का रौद्र रूप लोगों को भय के साये में डाल दिया है। इतना ही नहीं राजौरी और सांबा जिलों में जमीन धंसने की घटना भी सामने आई। सोमवार को जमीन धंसने की घटनाओं के बाद प्रशासन ने 19 परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इसमें राजौरी के 11 और सांबा के 8 घर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन इलाकों को जोखिम क्षेत्र घोषित कर दिया गया है ताकि किसी बड़ी त्रासदी को टाला जा सके।

भारी बारिश से सांबा जिले का एक छोटा गांव भी गंभीर खतरे में आ गया है। यहां जमीन धंसने से कई घर ढहने की कगार पर हैं। अधिकारियों ने समय रहते आठ परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते जमीन कमजोर हो गई है। कई घर दरारों के चलते रहने लायक नहीं बचे। प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों में रखा गया। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन दल को सतर्क मोड पर रखा है। जबकि अर्धकुंवारी मंदिर क्षेत्र में भीषण हादसे के बाद वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा लगातार 8 दिन से स्थगित है। यात्रा के जल्द सुचारू होने की उम्मीद में आधार शिविर कटड़ा में लगभग 700 श्रद्धालु रुके हुए हैं। श्रद्धालु श्राइन बोर्ड के पंजीकरण और सूचना केंद्रों पर यात्रा शुरू होने की जानकारी ले रहे हैं। कई श्रद्धालु दिनभर प्रवेश द्वार दर्शनी ड्योढ़ी परिसर में भी बैठे हैं, ताकि यात्रा शुरू होने पर वे तुरंत भवन की ओर प्रस्थान कर सकें। वैष्णो देवी भवन मार्ग पर गत मंगलवार को भीषण हादसे में 35 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी, जबकि 22 श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों का इलाज श्राइन बोर्ड के नारायणा अस्पताल में जारी है। मार्ग से मलबा हटाने का कार्य युद्धस्तर परभूस्खलन के बाद मलबा, पत्थर और चट्टानें हटाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

अधिकारियों का कहना है कि मार्ग को पूरी तरह साफ करने में अभी दो दिन लग सकते हैं। यात्रा मार्ग को सुचारु बनाने के लिए आपदा प्रबंधन दल के साथ श्राइन बोर्ड के कर्मचारी दिन-रात जुटे हैं। मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए टिन शेडों को भी काफी नुकसान पहुंचा है, जिनकी मरम्मत की जा रही है।

इस बीच जम्मू कश्मीर में बाढ़-भूस्खलन से लोक निर्माण विभाग को भारी नुकसान पहुंचा है। 2500 सड़कें प्रभावित हुई हैं। इनमें से 60 फीसदी को बहाल कर दिया गया है। करीब एक हजार सड़कें अभी बंद हैं। ज्यादातर सड़कें ग्रामीण इलाकों में हैं। पीडब्ल्यूडी के अनुसार 200 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान का अनुमान है। हालांकि विभाग अभी आकलन कर रहा है।

भयानक मौसम में भी कश्मीर को मटन की चिंता

जम्मू, 02 सितंबर (ब्यूरो)। भयानक मौसम में भी कश्मीरियों को मटन की चिंता सतान रही है। कश्मीर मटन डीलर्स एसोसिएशन ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के बार-बार बंद होने के बाद घाटी में मटन की बाधित आपूर्ति पर चिंता व्यक्त की है और आने वाले दिनों में इसकी भारी कमी की चेतावनी दी है। एसोसिएशन के महासचिव मेहराजुद्दीन गनई ने बताया कि राजमार्ग लगभग एक सप्ताह से बंद था और यातायात के लिए केवल आंशिक रूप से ही बहाल किया गया था, जिससे पशुओं की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। मेहराज ने बताया कि अगस्त के अंत, सितंबर और अक्टूबर के ये महीने कश्मीर में शादी के चरम सीजन होते हैं। कई वाहन समय पर नहीं पहुंच पाए और अगर यही स्थिति बनी रही तो घाटी में मटन की भारी कमी हो सकती है।

वे कहते हैं कि डीलर आपूर्ति का आंशिक प्रबंधन कर रहे हैं, लेकिन व्यवधान का मतलब है कि लोगों को कभी भी अचानक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी पशुपालकों के वाहनों को एक घंटे के लिए आने देते हैं और फिर उसे दो घंटे कर देते हैं। यहां पूरी तरह से कुप्रबंधन है और कभी-कभी ट्रकों को पुंछ, नौशहरा और अन्य जगहों पर रोक दिया जाता है। मेहराज ने सरकार से फलों से लदे और पशुपालकों के ट्रकों को बिना किसी बाधा के आने-जाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया और उन्हें आवश्यक आपूर्ति बताया।

झारखंड में वामपंथी आतंकवाद की टूट रही कमर

23 लाख से ज्यादा के इनामी 9 नक्सलियों ने डाले हथियार

लातेहार, 02 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद के 9 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से 5 पर सरकार ने कुल 23 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

आत्मसमर्पण करने वालों में जोनल कमांडर रवींद्र यादव भी शामिल है, जिस पर 5 लाख का इनाम था। रवींद्र यादव 14 मामलों में वांछित था और उसने पुलिस को दो एके-47 राइफल, तीन अन्य राइफल और 1241 जिंदा कारतूस सौंपे। उसके अलावा, 4 सब-जोनल कमांडर और 4 एरिया कमांडर भी शामिल थे। इन पर भी 3-3 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस का कहना है कि इस आत्मसमर्पण से लातेहार में नक्सलियों का नेटवर्क कमजोर हो जाएगा। पुलिस ने इस कार्रवाई को केवल एक जीत नहीं, बल्कि शांति की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। सुरक्षा बलों ने इससे पहले भी कई नक्सलियों को गिरफ्तार किया है और लगातार इस क्षेत्र में शांति लाने की कोशिश कर रहे हैं।

मैत्रीनगर, कुकटपल्ली के श्याम निवास में, मनोज कुमार बंग ने इस गणेश चतुर्थी पर 'गणपति गढ़' की अनूठी थीम पर गणेश की सुंदर सजावट की है। मनोज कुमार पिछले 16 वर्षों से हर साल अलग-अलग तरह की झांकियाँ बनाते आ रहे हैं।

ॐ 10 वीं पुण्यतिथि ॐ
स्व. श्रीमती पुष्पलता सरायवाला
(धर्मपत्नी : स्व. श्री ओमप्रकाशजी सरायवाला)
स्वर्गवास : दि. 3-9-2015

आपने सबको दिया दुलार,
आपकी स्मृतियाँ है अब आधार ।
आपके कर्म प्रेरणा है हमारी,
आपका व्यवहार हमारा सूत्रधार ।।

किरण कुमार-आशा, परमेश्वर-अर्चना, सरिता,
सत्यप्रकाश-स्वरूपा, उमेश-रेखा (पुत्र - पुत्रवधु)
भरत-रानी, भावेश-तृप्ति, सिद्धांत-सलोनी, सर्वेश-विदिशा (पौत्र-पौत्रवधु),
वेदांत, तनिष्क, कपिश (पौत्र), सांची, चाहत, लहर (पौत्रियाँ),
आस्था (पड़पौत्री), रुद्र, आरव, धर्व, अथर्व (पड़पौत्र) एवं परिवार
सुमनलता-जितेन्द्रजी अग्रवाल (बेटी-दामाद), तनुशी-अक्षयजी अग्रवाल (पौत्री-दामाद),
हर्ष-मानवी (दोयता-बहू), हर्षिका (दोयती) युग, मैरव (पड़दोयता)

फर्म : केशवप्रसाद ओमप्रकाश सरायवाला | प्रतिष्ठान : तायल ज्वेलर्स घांसी बाजार, हैदराबाद

ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर हूं, 12वीं पास तान्या मित्तल का दो करोड़ का सालाना बिजनेस, कहा- अच्छी बहू बनना था

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में एक कंटेस्टेंट, जिसकी चर्चा न सिर्फ घर में, बल्कि बाहरी दुनिया में भी हो रही है, वह हैं तान्या मित्तल। पेशे से एक मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। खुद को बिजनेसवुमन बताती हैं। उनका तीन साल पुराना एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने सफर के बारे में बता रही हैं कि कैसे यहां तक पहुंचीं। वह कहां से हैं और कहां तक पढ़ी लिखी हैं। साथ ही उन्होंने अपने अजीबो-गरीब सपने के बारे में भी बताया, जिस पर यकीन करना शायद थोड़ा मुश्किल भी होगा।

तान्या मित्तल ने साल 2022 में 'जोश टॉक्स' के यूट्यूब चैनल पर अपनी जर्नी के बारे में खुलकर बात की थी। वह 29 साल की हैं और मध्य प्रदेश के ग्वालियर की रहने वाली हैं। उन्होंने वीडियो में बताया था, 'आज मैं मिलेनियर ऑफ इंडिया हूं, मैं अपनी कंपनी चलाती हूं, जिसमें 350 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। 400 से ऊपर अवॉर्ड्स जीत चुकी हूं। और आगे बढ़ती ही जा रही हूं। आज जहां हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की। और एक भी दिन मैंने छुट्टी नहीं ली। कोई संडे भी नहीं।'

तान्या मित्तल ने कहा- ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर मैं हूं!

तान्या मित्तल ने बताया कि उनको अजीब सपने आते थे, 'मुझे अजीब से सपने आते थे। जैसे मैंने अंबानी का बिजनेस टेकओवर कर लिया हो। सुष्मिता सेन ने अपना क्राउन मुझे दे दिया। ऐश्वर्या राय से ज्यादा सुंदर मैं हूं। लेकिन ऐसा कैसे हो सकता था। अजीब सा सवाल था लेकिन लोगों को बताती थी। मम्मी-पापा के पास जाती थी। तो मम्मी श्योर थीं कि कुछ तो प्रॉब्लम है दिमाग में। मेरा मन था पापा की तरह बिजनेस करने का और उनसे जैसे बिजनेसवुमन बनने का। लेकिन बनिया फैमिली में लड़कियां कहां बिजनेस कर सकती थी। 13-14 भाई थे मेरे। सारे कजिन्स और उन सबमें मैं इकलौती हूं। तो और ज्यादा प्रेशर था। वो सारे सबकुछ कर सकते थे लेकिन मुझे सिर्फ अच्छी बहू बनना था।

तान्या मित्तल हैं 12वीं पास, नहीं किया ग्रेजुएशन

तान्या ने आगे अपनी पढ़ाई और बिजनेस के बारे में बताया, 'जबरदस्ती झउच् (फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ्स) करा दिया, स्कूल तो जैसे तैसे घिस पिट कर पास किया। और कॉलेज छोड़ा है। कॉलेज के गेट पर हॉस्टल का वह दिन था, बाहर खड़ी थी और पापा ने कहा कि या तो अंदर चली जाओ या फिर सड़क पर रहना। उस वक्त कोई चॉइस नहीं थी। अंदर गई। दो साल आर्किटेक्चर में बहुत स्ट्रगल किया। वहां भी मुझे अजीब सपने आते थे कि मैं अपने चांसलर से पूरी यूनिवर्सिटी खरीदने जा रही हूं। मम्मी को रोज फोन करके कहती कि यहां से ले जाओ। लेकिन किसी ने नहीं सुनी। एक दिन भगवान से इतनी दुआ की कि मेरी जान ले लो। लेकिन किस्मत खराब थी कि जिंदगी जा नहीं रही थी। फिर बैग पैक करके घर गई और वहां एक थप्पड़ पड़ा और पापा ने कहा कि 6 महीने में खाना बनाना सीख लो फिर तुम्हारी शादी कर देंगे। इसके बाद कमरे में बंद किया खुद को और इंस्टाग्राम पर पेज बनाया। 50-50 रुपये के कार्ड्स बेचती थी मैं। और रात में 3 साल छोटे भाई के साथ रात के 12 से 4 बजे तक, लोगों को फॉलो रिक्वेस्ट भेजते थे। मैंने पैसे कमाने शुरू कर दिया था। खाना भी बनाना सीख रही थी क्योंकि लगा कि फेल हो गई तो शादी तो पक्का है हो ही जाएगी।

तान्या मित्तल ने सीखी इंग्लिश

तान्या ने बताया कि वह मां से झूठ बोलकर ग्वालियर से दिल्ली आतीं और सदर बाजार से क्राफ्ट का सामान खरीदती थीं। फिर शाम को घर वापस जाती थीं। फिर इंस्टाग्राम पर उन सामानों की फोटो डालकर उसे बेचती थीं। 'तब भी मेरी इंग्लिश अच्छी नहीं थी। कॉन्फिडेंस नहीं था लोगों से बात करने का। लेकिन घसीटामारकर जिंदगी चल रही थी। उस वक्त 20-21 साल की थी।'

तान्या मित्तल का है 2 करोड़ का बिजनेस

तान्या ने बताया कि उन्होंने घर बैठकर यूट्यूब से इंग्लिश सीखी। अपने स्कूल की किताबें पढ़ीं। इसके बाद खुद को सुंदर भी बनाया। अपना 18-20 किलो वजन कम किया और इंडिया को रिप्रेजेंट किया। 'मिस एशिया' का खिताब अपने नाम किया, जो भारत को 12 सालों से नहीं मिला था। 'मैं 12वीं पास हूं। मैंने ग्रेजुएशन नहीं किया है और मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा बिजनेस 1.5 से 2 करोड़ साल के कमाता है। साथ ही 26,000 स्क्वेयर फीट की फैक्ट्री भी खरीदी है। 300 से ऊपर कर्मचारी हैं और 200 से ऊपर बच्चों की एजुकेशन मैं खुद स्पॉन्सर करती हूं।

डिजाइनर साड़ी पहने लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंची जान्हवी कपूर

बॉलीवुड में भी गणपति बप्पा की धूम चारों ओर छाई हुई है। हर साल की तरह इस बार भी सितारे बप्पा के दर्शन के लिए अलग-अलग मंदिरों में पहुंच रहे हैं। बड़े-बड़े सेलेब्स लालबागचा राजा के दरबार में दर्शन के लिए आ रहे हैं, और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

इसी बीच गुरुवार को एक खास नजारा देखने को मिला, जब बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा जान्हवी कपूर और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लालबागचा राजा के दरबार में हाजिरी लगाई। दोनों ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' की सफलता की कामना करते हुए गणपति बप्पा से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर जान्हवी कपूर के लुक ने सबका ध्यान खींचा।

जान्हवी कपूर ने इस खास मौके की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर भी साझा की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी बेहद खूबसूरत रेड कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। इस साड़ी का चौड़ा गोल्डन बॉर्डर और उस पर बने सुंदर फूलों के प्रिंट उनकी खूबसूरती को और निखार रहे हैं। यह खास साड़ी किसी और ने नहीं बल्कि बॉलीवुड के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की है। जान्हवी ने इस साड़ी के साथ डीप राउंड नेक वाला ट्रेडिशनल ब्लाउज पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए नगों से जड़े ईयररिंग्स पहने, साथ ही मराठी स्टाइल की नथ भी पहनी। माथे पर लाल रंग की बिंदी और हाथों में सजे कंगनों के साथ उन्होंने पारंपरिक अंदाज में बालों की मोटी चोटी बनाई। इन तस्वीरों में जान्हवी सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ लालबागचा राजा की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'गणपति बप्पा मोरया।'₹उनके पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें 'देवी जान्हवी' कह रहा है, तो कोई उनके साड़ी लुक की तारीफ करते हुए लिख रहा है कि आप साड़ी में बहुत सुंदर लगती हो। वहीं, कुछ फैंस ने लिखा कि बप्पा का आशीर्वाद है, अब फिल्म जरूर हिट होगी।

दीपिका कक्कड़ का बुरा हाल, ट्यूमर के इलाज के बाद अब वायरल इंफेक्शन, कहा- इम्युनिटी घट गई

दीपिका कक्कड़ को पिछले काफी लंबे समय से बहुत ही मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। लिवर कैंसर का पता चलने के बाद से दीपिका एक तरफ साइड इफेक्ट्स से जूझ रही हैं, और अब उन्हें वायरल इंफेक्शन भी हो गया है। दीपिका कक्कड़ ने अपने नए व्लॉग में इसकी जानकारी दी। साथ ही बताया कि वह बहुत ही कमजोर हो गई हैं। उनकी इम्युनिटी भी बहुत कम हो गई है। दीपिका कक्कड़ की जून 2025 में लिवर कैंसर की सर्जरी हुई थी। इसके बाद जुलाई से उनकी टारगेटेड थैरेपी शुरू हो गई थी। दीपिका ने अपने एक व्लॉग में बताया था कि इस थैरेपी के कारण वह साइड इफेक्ट्स से जूझ रही हैं। और अब उन्हें वायरल इंफेक्शन भी हो गया है। इसे कारण उनकी हालत बहुत बुरी हो गई है। दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'मेरी हालत काफी खराब है। मुझे भी रुहान जैसा वायरल इंफेक्शन हो गया है। और मेरे मामले में यह ज्यादा गंभीर हो गया है। वो इसलिए क्योंकि मेरा ट्रीटमेंट चल रहा है, जिससे मेरी इम्युनिटी काफी कम हो गई है।'

दीपिका ने आगे कहा, डॉक्टर सोमनाथ ने हमें पहले ही बता दिया था कि अगर मुझे कोई वायरल इंफेक्शन या बुखार हो जाए, तो उनसे संपर्क करना जरूरी है। मुझे एंटीबायोटिक्स और एंटी-एलर्जी दवाओं का हेवी डोज दिया जा रहा है, जिसका मुझ पर असर हो रहा है। उम्मीद है मैं जल्द ही ठीक हो जाऊंगी। कल मुझे बहुत कमजोरी महसूस हुई थी।

इससे पहले दीपिका ने बताया था कि उन्हें टारगेटेड थेरेपी की गोलियां लेते हुए एक महीने से ज्यादा हो गया है। इसके कारण उन्हें अल्सर, हथेली पर चकते, नाक और गले में दिक्कतें होने लगीं। उनके बाल भी काफी झड़ रहे हैं। दीपिका कक्कड़ ने मई 2025 में ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर है। वह 'सिलेब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा थीं। शो में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बीच में ही क्विट करना पड़ा था। इसके बाद डॉक्टर से चेकअप करवाया तो लिवर कैंसर डिटेक्ट हुआ।

ओणम के खास मौके पर श्रेनु पारिख का साउथ इंडियन अवतार, फैंस बोले- याद आ गईं साई पल्लवी

हर साल आने वाला ओणम का त्यौहार न सिर्फ केरल की संस्कृति का प्रतीक होता है, बल्कि इसकी रौनक देशभर में दिखाई देती है। इस बीच टीवी अभिनेत्री श्रेनु पारिख ने सोशल मीडिया पर ओणम के खास मौके पर एक साउथ इंडियन अवतार में अपनी झलक दिखाई, तो फैंस उनकी सादगी और खूबसूरती पर फिदा हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह केरल की पारंपरिक साड़ी में नजर आ रही हैं।

वीडियो की शुरुआत में श्रेनु एक सुंदर सी नाव पर बैठी दिखाई देती हैं, जो पानी के ऊपर तैर रही है। उन्होंने सफेद रंग की केरल की पारंपरिक साड़ी कसावु पहनी है, जिसमें सुनहरे बॉर्डर का सुंदर काम किया गया है। साथ ही उन्होंने गहरे हरे रंग का सिंपल ब्लाउज पहना हुआ है। बाल खुले हैं और कानों में छोटे-से झुमके उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रहे हैं।वीडियो में कभी वह नाव पर हवा के साथ अपना पल्लू को लहराती नजर आ रही हैं, तो कभी फूलों की खूशबू को

महसूस करते हुए अपने चेहरे पर हल्की सी मुस्कान बिखेर रही हैं। बैकग्राउंड में नीला आसमान और पानी में झलकता सूरज का अक्स, इस पूरे वीडियो को किसी फिल्म के सीन जैसा बना रहा है।वीडियो के साथ श्रेनु पारिख ने जो कैप्शन लिखा, वो भी लोगों को काफी पसंद आया। उन्होंने लिखा, ओणम मेरे लिए आ गया है!! सभी को हैप्पी ओणम! मुझे केरल की साड़ी पहननी पड़ी... मुझे मल्लारिक्कल कुमुदिनी तालाब देखने का मौका मिला क्योंकि यही उनका खिलने का मौसम था! तो फिर क्या था, सुबह पांच बजे पूरी साई पल्लवी मोड में साड़ी पहनकर निकल गए। यह कुमुदिनी तालाब अब धान के खेतों में बदल जाएगा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें उनका खिलने का यह मौसम देखने को मिला!

मुंजया 2 में अभय वर्मा के साथ लापता लेडीज की प्रतिभा रांटा करेंगी रोमांस?

अभय वर्मा और शरवरी वाघ स्टारर 'मुंजया' सुपरहिट हुई थी। अब इसका सीक्वल आने वाला है। मेकर्स ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। फैंस भी इस मूवी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। लेकिन उड़ती-उड़ती खबरें आ रही हैं कि इस बार 'मुंजया 2' में शरवरी नजर नहीं आएंगी। वह इसका हिस्सा नहीं होंगी। उनकी जगह प्रतिभा रांटा लेंगी। अब इसमें कितनी सच्चाई है, आइए बताते हैं।

प्रतिभा रांटा को 'लापता लेडीज' में देखआ गया था। इसमें उन्होंने अपने करिदार से सबका दिल जीत लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस ही 'मुंजया 2' का हिस्सा होंगी। वह लीड रोल प्ले करेंगी। 'बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड' के मुताबिक, प्रतिभा रांटा फिल्म में एक अहम किरदार निभाएंगी। हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि वह शरवरी की जगह ले रही हैं।

प्रतिभा रांटा का 'मुंजया 2' में होने की वजह

'मुंजया 2' की कहानी को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिभा रांटा के किरदार को जोड़ा गया है। फिलहाल इस बारे में और डिटेल नहीं दी गई है। मगर बताया यही जा रहा है कि उनका पहले पार्ट से कुछ कनेक्शन हो सकता है। मेकर्स ने कुछ भी इस बारे में ऑफिशियली कंफर्मेशन नहीं दी है। मगर शरवरी और अभय दोनों ही दूसरे पार्ट का हिस्सा होंगे और अपने किरदार में नजर आएंगे।

'मुंजया' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

बता दें कि 'मुंजया' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था। इसमें मोना सिंह, भाग्यश्री लिमये, सुहास जोशी और अन्य कलाकार नजर आए थे। मूवी ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी। अब फैंस इस हॉरर-कॉमेडी मूवी के आगे की कहानी देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पितृपक्ष आने से पहले घर से बाहर कर दें ये पांच वस्तुएं

पितृपक्ष का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। इस दौरान लोगों द्वारा अपने पूर्वजों को याद किया जाता है और विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस साल पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर, रविवार के दिन हो रहा है। मान्यता है कि इस अवधि में पितर स्वर्ग लोक से धरती पर आते हैं और अपने परिवार के सदस्यों को आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान भूलकर भी घर में कुछ चीजें नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति का बुरा समय शुरू हो सकता है। इसलिए आज ही अपने घर से इन वस्तुओं को जरूर हटा लें।

पितृ पक्ष से पहले जरूर हटा लें ऐसे बर्तन

अगर आपके घर में ऐसे बर्तन रखे हैं, जो टूट या चटक चुके हैं तो उन्हें पितृ पक्ष से पहले अपने घर से जरूर निकाल लें। मान्यता है कि ऐसे बर्तन घर सुख-समृद्धि में बाधा डालते हैं और जातक को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अपने घर में हमेशा सुख-समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने के लिए टूटे हुए बर्तन पितृ पक्ष से पहले जरूर हटा दें।

घर में खंडित मूर्तियां रखना होता है अशुभ

भूलकर भी घर में खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करना बेहद अशुभ माना गया है। अगर आप खंडित मूर्तियों की पूजा करते हैं, तो इससे भगवान रुष्ट हो सकते हैं और आपको जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में गलती से भी यह काम नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि घर में खंडित मूर्ति रखने से वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में पितृपक्ष आने से पहले ये काम जरूर कर लें, अन्यथा आपके जीवन में परेशानियां आ सकती हैं।

घर में नकारात्मकता फैलाता है यह सामान

पितृपक्ष शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अपने घर का कबाड़ जरूर निकाल लें। मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान घर को एकदम साफ-सुथरा

रखना चाहिए। ऐसा करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन अगर पितृपक्ष के दौरान घर में कबाड़ फैला रहे, तो इससे सकारात्मक की बजाए नकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है।

इस वस्तु की मौजूदगी से घर में आ सकती है दरिद्रता

अगर आपके घर में ऐसे पौधे रखे हैं जो खरा ब हो गए हैं या पूरी तरह से सूख गए हैं, तो उन्हें तुरंत वहां से हटा दें। मान्यता है कि घर में सूखे पौधे रखने से आसपास के वातावरण में नकारात्मकता फैलने लगती है। घर में विशेष रूप से सूखी तुलसी नहीं रखनी चाहिए। ऐसे में पितृपक्ष शुरू होने से इस काम को जरूर कर लें, अन्यथा घर में दरिद्रता आ सकती है।

मुख्य द्वार पर बिल्कुल भी न हो गंदगी

पितृपक्ष के दौरान घर के सामने बिल्कुल भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर गंदगी रखने से देवी-देवता और पूर्वज नाराज हो सकते हैं। ऐसे में अगर आपने कोई भी ऐसा सामान घर के सामने रखा है जो उपयोगी नहीं है और खराब पड़ा है, तो उसे तुरंत हटा दें और पितृपक्ष के दौरान अपने घर के आंगन और मुख्य द्वार पर साफ-सफाई बनाए रखें।

चंद्रग्रहण पर राहु चंद्रमा की युति से बनेगा ग्रहण योग

जानें किन-किन राशियों की खुशियों पर लगेगा ग्रहण का साया

साल का अंतिम चंद्रग्रहण 7 सितंबर को लग रहा है। यह चंद्रग्रहण पूर्ण चंद्रग्रहण होगा यानी चंद्रमा इस समय पूरी तरह से ढक जाएगा। यह ग्रहण ज्योतिषीय दृष्टि से भी कई मायनों में खास होने जा रहा है। दरअसल, इस चंद्रग्रहण के दौरान ग्रहों के बहुत ही विचित्र संयोग बन रहा है। सूर्य और केतु की युति सिंह राशि में रहेगी। वहीं, राहु और चंद्रमा की युति इस दिन कुंभ राशि में होगा। ऐसे में राहु और चंद्रमा की युति होने से ग्रहण योग बनेगा। वहीं, सूर्य और केतु की युति से भी ग्रहण योग बना है। ऐसे में डबल ग्रहण योग का प्रतिकूल प्रभाव देश, दुनिया और राशियों पर दिखाई देगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों की ऐसी स्थिति के बीच पहाड़ी क्षेत्रों में इस दौरान भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाएं घटित हो सकती हैं। वहीं, वृषभ सहित 5 राशियों पर भी चंद्रग्रहण का प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिलेगा।

वृषभ राशि के बढ़ेंगे कष्ट

चंद्रग्रहण का असर वृषभ राशिवालों की सेहत और धन पर दिखाई देने वाला है। चंद्रग्रहण के दौरान वृषभ राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही इस दौरान आपके खर्चे भी काफी ज्यादा रहने वाले हैं। ऐसे में आप काफी परेशान हो सकते हैं। कोई पुरानी बीमारी फिर से घर कर सकती हैं। साथ ही आपको बेफिजूल के खर्च भी काफी ज्यादा करने पड़ेंगे जिनपर आपका कोई कंट्रोल नहीं होगा। ऐसे में आप मानसिक रूप से काफी परेशान हो सकते हैं। आपको इस अवधि में कामकाज की भी काफी परेशानी रहेगी।

मिथुन राशि को सताएंगी गुप्त चिंताएं

चंद्रग्रहण के प्रभाव से मिथुन राशि के जातकों को संतान संबंधी गुप्त चिंताएं सता सकती हैं। संतान के कारण आप बहुत ज्यादा परेशान होंगे जिसका असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। साथ ही घर परिवार के लोगों के साथ भी आपके संबंध कुछ अच्छे नहीं रहने वाले हैं। परिवार के साथ आप भावनात्मक रूप से खुद को कनेक्ट नहीं कर पाएंगे। बात करें आपके करियर की तो इस समय आप पर काम का अधिक बोझ रहने वाला है। ऐसे में आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके अधिकारी आपके कामकाज के तरीके से खुश नहीं नजर आएंगे।

सिंह राशि वैवाहिक जीवन में होगी परेशानी

चंद्रग्रहण के बाद सिंह राशि के लोगों के पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सिंह राशि के जातकों को अपने पार्टनर के कारण काफी दिक्कतें हो सकती है। इस दौरान आपका अपने पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। वैवाहिक जीवन में काफी परेशानियां रहने वाली हैं। पार्टनर और पूरा समय नहीं दे पाएंगे जिस वजह से आपके काफी लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ भी सामंजस्य बैठाने में काफी परेशानी रहेगी। भाई बहनों के साथ रिश्तों में भी दूरियां आ सकती है। आपको इस दौरान बहुत ही धैर्य से काम करने की जरूरत है।

तुला राशिवाले उलझा महसूस करेंगे

तुला राशि के लोगों के खर्चों में काफी बढ़ोतरी होने वाली है। तुला राशि के लोगों के कामकाज में भी काफी देरी हो सकती है। साथ ही एक नहीं बल्कि एक साथ कई कार्य रहने वाले हैं। आपके कामकाज के कारण आप काफी उलझे हुए महसूस करेंगे। जो लोग आपके व्यापार करते हैं उन्हें सलाह है कि दूसरों पर भरोसा न करें आपके करीबी लोग ही आपको नुकसान पहुंचाने की साजिश कर सकते हैं। अपनी योजनाओं को भी गुप्त रखें वरना लोग आपका फायदा उठा सकते हैं।

कुंभ राशि को होगा शारीरिक कष्ट

कुंभ राशि में ही ग्रहण लगने जा रहा है। ऐसे में कुंभ राशि के जातकों को बहुत सचेत रहने की जरूरत है। आपको दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आपके शत्रु भी आप पर हावी रहेंगे वह आपके खिलाफ मिलकर षडयंत्र रच सकते हैं जिस वजह से करियर में काफी उठापटक रहने वाली हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए समय थोड़ा कष्टकारी साबित होगा। आपको सलाह है कि इस अवधि में अपनी वाणी पर थोड़े कंट्रोल करें और अपना आसपास की चीजों पर थोड़ा गौर करें। वरना भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

श्राद्ध क्यों है पितरों की तृप्ति और पितृ दोष निवारण का सबसे सरल उपाय

श्राद्ध की मूलभूत परिभाषा यह है कि दिवंगत पूर्वजों यानी पितरों के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धा पूर्वक जो अर्पित किया जाता है, वह श्राद्ध है। श्राद्ध पितरों की तृप्ति हेतु श्रद्धा पूर्वक अर्पण किया गया अनुष्ठान स्वरूप है, जिसमें पिंडदान, तर्पण और ब्राह्मण भोजन प्रमुख हैं। पितृ पक्ष में किए गए श्राद्ध से पितृ दोष निवारण होता है, श्राद्ध करने हेतु विधि, संयम का पालन अनिवार्य है। श्राद्ध प्रकाश के अनुसार पकाए हुए शुद्ध पकवान व दूध, दही, घी आदि को देश काल, पात्र के अनुसार तिल, कुश, जल के साथ दिया हुआ दान श्राद्ध है।

श्राद्ध का पितरों के साथ अटूट संबंध – दक्षिण दिशा की ओर पितरों को याद करके दान देने से जन्मकुण्डली में विद्यमान पितृ दोष का निवारण होता है। इसके तहत श्रद्धा पूर्वक ब्राह्मणों को भोजन कराना, वस्त्र, दक्षिणा सहित वह सभी वस्तुएं भी दान देनी चाहिए जो आपके पूर्वजों, पितरों को प्रिय थी। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पितरों को आहार पहुंचाने का माध्यम है। पितृ पक्ष के दिनों में दिया गया दान पितरों को प्राप्त होता है।

श्राद्धपक्ष में क्या करें, क्या न करें – श्राद्ध कर्ता को ब्रह्मचर्य का पालन अवश्य करना चाहिए, दूसरे के घर का अन्न श्राद्धकाल में ग्रहण नहीं करना चाहिए तथा श्राद्ध कर्म वाले दिन यात्रा को भी वर्जित बताया गया है। इसी प्रकार मांसभक्षण, धूम्रपान, लोहे व मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग न करें। श्राद्ध के दिन जिन कार्यों की मनाही है, उनका ध्यान रखना भी जरूरी है अन्यथा विफलता का भय रहता है।

श्राद्ध विधि-विधान – साधारण गृहस्थ श्राद्ध कर्म की विधि अनुसार तीन प्रमुख कार्य कर पितरों को संतुष्ट कर सकते हैं, पहला पिंडदान, दूसरा तर्पण और तीसरा ब्राह्मण भोजन। सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृस्थान को साफ-सुथराकर, गंगाजल से पवित्र करें, महिलाऐं शुद्ध होकर पितरों के निमित्त भोजन बनाइ। दक्षिणमुख होकर आचमन एवं मार्जन कर जनेउ को दाएं कंधे पर रखकर चावल (भात), गाय का दूध, घी, शक्कर एवं शहद को मिलाकर बने पिण्डों को श्रद्धाभाव के साथ अपने पितरों को अर्पित करना चाहिए। जल में काले तिल, जौ, कुशा, सफेद फूल मिलाकर उस जल से विधिपूर्वक तर्पण करें। श्राद्ध के अधिकारी श्रेष्ठ ब्राह्मण तथा कुल के अधिकारी जैसे जमाई, भतीजे आदि को न्यौता देकर बुलाएं। पितरों के निमित्त अग्नि में गाय का दूध, दही, घी एवं खीर अर्पित करें। गाय, कुत्ता, कौआ व अतिथि के लिए भोजन से चार ग्रास निकालें। ब्राह्मणों को आदरपूर्वक भोजन कराएं, वस्त्र, दक्षिणा आदि से सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त करें।

गजकेसरी योग में इन राशियों को मिलेगा लाभ

गणपति बप्पा व्यापार में दिलाएंगे सफलता

3 सितंबर, बुधवार के दिन चंद्रमा पर गुरु की पूर्ण सप्तम दृष्टि होगी। मिथुन राशि में गुरु और चंद्रमा धनु राशि में होंगे, जिससे गजकेसरी योग का प्रभावशाली संयोग बन रहा है। इस योग में भगवान गणेश मेष, कन्या, वृश्चिक और तुला राशि की किस्मत चमका सकते हैं। कारोबार में सफलता हासिल होगी और भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों का उत्तम फल प्राप्त होगा और लाभ कमाने के नए अवसर सामने आते जाएंगे। कार्यस्थल पर हर चुनौती का समाधान निकलेगा और आर्थिक मामलों में लाभ होगा। जीवन में नई शुरुआत हो सकती है और कारोबार का विस्तार होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

मेष : कारोबार में मिलेगी सफलता

कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको सफलता प्राप्त होगी। सौभाग्य का साथ मिलने से आप खरीदारी भी कर सकते हैं और कार्यक्षेत्र में ईमानदारी से काम करने का फल प्राप्त होगा। व्यापार के मामले में भी दिन अच्छा रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। निजी संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृषभ : भाग्य का मिलेगा साथ

आर्थिक मामलों में यह समय अनुकूल रहने वाला है वाला है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कारोबार का विस्तार होने से मन प्रसन्न रहेगा और त्रिपक्षीय साझेदारी करने की स्थिति भी बन सकती है। कुछ महत्वपूर्ण मामलों में आपके लिए सोच-समझकर फैसला लेना बेहद जरूरी होगा। निजी संबंधों में आपको रिश्ते मजबूत बनाने का प्रयास करना होगा।

मिथुन : खट्टे-मीठे रहेंगे अनुभव

नौकरी की तलाश करने वाले लोगों को कोई ऑफर या अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है और आप कुछ चीजों की खरीदारी करने भी जा सकते हैं। वहीं, कार्यक्षेत्र में जरूरत पड़ने पर सहकर्मियों की मदद न मिलने से मन निराश हो सकता है। व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना भी बनी हुई है। लेकिन परिवार के मामले में आपसी मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

कर्क : सोच-समझकर लें फैसले

कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ सकता है और आप युवा वर्ग को प्रोत्साहित करने में भी सफलता हासिल करेंगे। लेकिन कोई भी महत्वपूर्ण फैसला सोच-समझकर लेना जरूरी होगा, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। आपकी संतान अपने करियर के बारे में कोई फैसला ले सकती है। व्यापार के मामले में दिन सामान्य से मध्यम रह सकता है।

सिंह : कार्यक्षेत्र में प्रयासों से होगा लाभ

कार्यस्थल पर आपको किसी भी व्यक्ति से ज्यादा अपेक्षाएं या उम्मीदें रखने से बचना होगा। ऐसा करने से आपको नुकसान हो सकता है और संघर्ष का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक मामलों में कोई भी फैसला लेते समय जल्दबाजी न करें। सोच-समझकर ही निर्णय लेना ज्यादा बेहतर होगा। आप कार्यक्षेत्र में सहजता के साथ कई समस्याओं का समाधान आसानी से निकाल लेंगे।

कन्या : लाभ कमाने के मिलेंगे नए अवसर

आपको अपने आसपास तेजी से बदलाव देखने को मिल सकते हैं और लाभ कमाने के नए अवसर सामने आते जाएंगे। लेकिन आपको सफलता प्राप्त करने के प्रयास करने होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अपने विचारों को सभी के सामने खुलकर रखना होगा और जरूरत पड़ने पर सही निर्णय लेना जरूरी होगा। वहीं, निजी जीवन में आपको अपनी भावनाओं को समझना होगा।

तुला : कार्यक्षेत्र में नई सोच से होगा लाभ

आपके जीवन में एक नई शुरुआत हो सकती है। व्यवसाय के क्षेत्र में योजनाओं को पूरा कर लेने से आपका तनाव कम होगा और सुकून महसूस करेंगे। इसी के चलते आपको कई नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं, जिसके लिए आपको तैयार रहना होगा। कुछ संभावनाएं आपको खुद भी देखनी होंगी। कार्यक्षेत्र में नई सोच और नजरिये से रचनात्मक क्षमता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : हर चुनौती का निकलेगा समाधान

व्यवसाय के क्षेत्र में आप ऊर्जावान रहकर साहसिक निर्णय ले सकते हैं। आपके सामने कुछ संभव दिखने वाले कार्य और चुनौतियां आ सकती हैं। लेकिन अपनी समझदारी और सही निर्णय से आप इनका आसानी से समाधान निकाल लेंगे। लेकिन अपने आसपास आपको सही और गलत लोगों की पहचान करनी होगी। आर्थिक मामलों में कोई भी खर्चा अपने बजट के अनुसार ही करना बेहतर होगा।

धनु : जोखिम भरे फैसले व कार्यों से बचें

आपको किसी भी मामले में नकारात्मक विचारों से दूरी बनाए रखने की कोशिश करनी होगी। कार्यक्षेत्र में कोई भी फैसला भावुक होकर न लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। लेकिन किसी व्यक्ति की मदद से आपके जीवन में खुशी दस्तक दे सकती है। व्यापार के मामले में इस समय कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा और जोखिम भरे कार्यों से भी बचें।

मकर : चुनौतियों का करेंगे सामना

कार्यक्षेत्र में आपको नए विचारों के साथ आगे बढ़ना होगा। इससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। सोच-समझकर और धैर्य के साथ निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा। कुछ पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ें और गलतियों से सीख लेने का मौका भी मिल सकता है। स्वास्थ्य के चलते भी आप थोड़ा परेशान रह सकते हैं, जिसका प्रभाव कामकाज पर भी पड़ेगा।

कुंभ : व्यापार में नए अवसरों को पहचानें

व्यापार के मामले में आपको नए अवसरों को पहचानना होगा। सचेत न रहने से कोई सुनहरा मौका हाथ से निकल सकता है या आप किसी शानदार अनुभव से वंचित भी रह सकते हैं। आप कामकाज के सिलसिले में कुछ बदलाव भी कर सकते हैं और अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहने वाला है।

मीन : विवादों से रहें दूर

व्यावसायिक मामलों में आपको रचनात्मक कार्य करने की जरूरत हो सकती है। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर सोच-समझकर फैसले लें और कटु वाणी का प्रयोग करने से बचें। आपको विवादों से भी दूरी बनाए रखनी होगी और कार्यक्षेत्र में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करने पर ध्यान देना पड़ सकता है। परिवार के मामले में आपको शांति बनाए रखनी होगी।

संपादकीय

पीएम का ट्रंप को संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंरप का नाम नहीं लिया, लेकिन संरक्षणवाद, एकाधिकारवाद और वर्चस्ववाद के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने इनके खात्मे की बात कही, क्योंकि वैश्विक, लोकतांत्रिक, कूटनीतिक व्यवस्था में ये उचित नहीं हैं। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी का संदेश 'व्हाइट हाउस' तक पहुंच गया होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमरीका की नीतियों पर कड़े प्रहार किए थे। इसके अलावा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि अमरीका को शीत युद्ध वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। अमरीका दूसरे देशों को धमकाना भी छोड़ दे। विश्व के परिदृश्य और समीकरण बदल रहे हैं। सोमवार, 1 सितंबर, 2025 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक चित्र मोदी, पुतिन, जिनपिंग की अंतरंग मुलाकात का रहा, जिसे क्रेमलिन और बीजिंग ने भी जारी किया। भारत के टीवी चैनलों पर सुबह के प्रसारण में यह वीडियो छाया रहा। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि मोदी, पुतिन, जिनपिंग की मुलाकात संक्षिप्त थी, लेकिन 'व्हाइट हाउस' को चौंका दिया गया। बेशक भारत और रूस कई दशक पुराने 'मित्र देश' हैं, लेकिन भारत-चीन के संबंधों में कई विरोधाभास और विश्वासघात हैं। उनके बावजूद 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के मंच पर तीन शीर्ष नेताओं की दोस्ती के नए अध्याय ने बहुत कुछ कह दिया है। हालांकि 50-52 साल के राजनय का अनुभव रखने वाले कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एससीओ कभी भी नाटो का विकल्प नहीं हो सकता। नाटो में कई बड़े देश शामिल हैं और उसे अमरीका जैसी महाशक्ति का समर्थन भी हासिल है। नाटो का संकल्प है कि यदि एक सदस्य-देश पर हमला हुआ, तो उसका प्रतिकार सभी नाटो देश लेंगे। सभी सदस्य-देश युद्ध में कूद पड़ेंगे। नाटो के देश आपस में कई सूचनाएं (खुफिया भी) साझा करते हैं। आर्थिक और सामाजिक रूप से भी जुड़े रहते हैं, लेकिन एससीओ में भारत, रूस, चीन के अलावा अधिकांश देश छोटे और विकासशील हैं। कुछ देश गरीब भी हैं, जिनकी जिंदगी कर्ज के भरोसे है। एससीओ में ऐसा कोई साझा संकल्प पारित नहीं किया गया है, जैसा नाटो के देशों ने पारित किया है। राजनयिकों का मानना है कि यदि भारत, रूस, चीन का एक 'ईमानदार त्रिकोण' बनता है, तो वह अमरीका के लिए वाकई गंभीर चुनौती होगा, लेकिन इन देशों को हकीकत में संबंधों को बदलते और प्रगाढ़ होते दिखाना होगा। फिलहाल कोई बड़ी उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बहरहाल यह सबसे अधिक आश्चर्यजनक रहा, जब चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद का विरोध किया। उन्होंने आतंकवाद का तीन बार उल्लेख किया और 5000 जवानों का 'आतंकवाद निरोधी दस्ता' तैयार करने की पेशकश की। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 बार आतंकवाद का जिक्र किया। इसी मुद्दे पर एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में 'साझा बयान' तैयार नहीं किया जा सका था, क्योंकि आतंकवाद का मुद्दा गायब था और हमारे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया था। अब जिनपिंग ने आतंकवाद का मुद्दा खास तौर पर रखा है, बल्कि आतंकवाद पर भारत का सहयोग करने का आश्वासन भी दिया है। दुनिया जानती है कि चीन और पाकिस्तान के संबंध कैसे हैं? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हमारे उप सेना प्रमुख जनरल राहुल आर. सिंह ने एक सार्वजनिक मंच से कहा था कि पाकिस्तान के साथ लड़ाई दिखावटी थी। हालांकि हमें चीन से संघर्ष करना पड़ा था और हमने चीन को भी पराजित करके दिखाया। पाकिस्तान पर चीन का अरबों डॉलर का कर्ज है। इकॉनोमिक कॉरिडोर भी बनाया जा रहा है। एससीओ में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी शामिल थे। यह दीगर है कि प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें पूरी तरह अनदेखा किया। जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की लंबी बातचीत से स्पष्ट हुआ है कि भारत 'रणनीतिक स्वायत्तता' के पक्ष में है। चीन ने अपना रवैया बदल कर सहयोगात्मक करने का वायदा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश 'व्हाइट हाउस' तक पहुंच गया होगा, क्योंकि प्रधानमंत्री ने अमरीका की नीतियों पर कड़े प्रहार किए थे। इसके अलावा, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि अमरीका को शीत युद्ध वाली मानसिकता छोड़ देनी चाहिए। अमरीका दूसरे देशों को धमकाना भी छोड़ दे। विश्व के परिदृश्य और समीकरण बदल रहे हैं। सोमवार, 1 सितंबर, 2025 का सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक चित्र मोदी, पुतिन, जिनपिंग की अंतरंग मुलाकात का रहा, जिसे क्रेमलिन और बीजिंग ने भी जारी किया। भारत के टीवी चैनलों पर सुबह के प्रसारण में यह वीडियो छाया रहा। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि मोदी, पुतिन, जिनपिंग की मुलाकात संक्षिप्त थी, लेकिन 'व्हाइट हाउस' को चौंका दिया गया। बेशक भारत और रूस कई दशक पुराने 'मित्र देश' हैं, लेकिन भारत-चीन के संबंधों में कई विरोधाभास और विश्वासघात हैं। उनके बावजूद 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के मंच पर तीन शीर्ष नेताओं की दोस्ती के नए अध्याय ने बहुत कुछ कह दिया है। हालांकि 50-52 साल के राजनय का अनुभव रखने वाले कूटनीतिज्ञों का मानना है कि एससीओ कभी भी नाटो का विकल्प नहीं हो सकता। नाटो में कई बड़े देश शामिल हैं और उसे अमरीका जैसी महाशक्ति का समर्थन भी हासिल है।

कुछ अलग

एक कुत्ता प्रेमी से मुलाकात

मैं बस लेने के लिए बस अड्डे पर पहुंचा ही था कि मेरी नजर एक सज्जन पर पड़ी जो अपने सहयोगी के साथ एक बैनर टांगने की कोशिश कर रहे थे। जब बैनर टंग गया तो उनका संदेश साफ पढ़ा जा सकता था। उस पर कुत्तों को बचाने की अपील थी। मैं सोचने लगा कि जिस देश में आजकल आदमियों को बचाने की अपील की जानी चाहिए, वहां कुत्ते सौभाग्यशाली हैं कि श्वान प्रेमी उन्हें बचाने की अपील करते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए। पर आम आदमी को राजनीतिक दलों या उनके आनुषंगिक संगठनों के लोग, जैसे गौरक्षक, धर्म रक्षक, भाषा रक्षक वगैरह कहीं भी लतिया या पीट सकते हैं या गौमांस लाने-ले जाने या उसकी तस्करी के शक, धर्म या भाषा के अपमान का हवाला देकर जान से भी मार सकते हैं। लेकिन कुत्ते किस्मत वाले हैं कि कुत्ता प्रेमी उनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर संगठित हो गए। मुझे लगा कि ऐसे विकट समय में आदमी से कुत्ता होना बेहतर है, भले गली का ही क्यों न हो। फिर कहावत भी है कि हर कुत्ता अपनी गली में शेर होता है। मैं सोच रहा था कि मेरे भाग्य में किसी गली की जगह अगर बड़े घर का कुत्ता होना लिखा होता, तो मैं बस अड्डे पर बस लेने के लिए क्यों आता। किसी निजी या सरकारी गाड़ी में घूम रहा होता। सरकारी गाड़ी में घूमने पर न केवल जान की सुरक्षा की गारंटी होती, बल्कि निजता का हनन भी न होता। अगर मुख्यमंत्री की गाड़ी में घूमता और कोई शहरी मेरा वीडियो वायरल कर देता तो एसपी उसे थाने बुलाकर सूत देता और तब तक नहीं छोड़ता जब तक वह माफी मांगते हुए वीडियो डिलीट न कर देता।

भारत की तुलना पाकिस्तान से करके न सिर्फ अमेरिका ने गलती की है बल्कि अब उन्हें पश्चाताप का अवसर भी मिलने वाला नहीं

अपने ही बुने जाल में फंसे डोनाल्ड ट्रंप

सदानन्द पाण्डेय

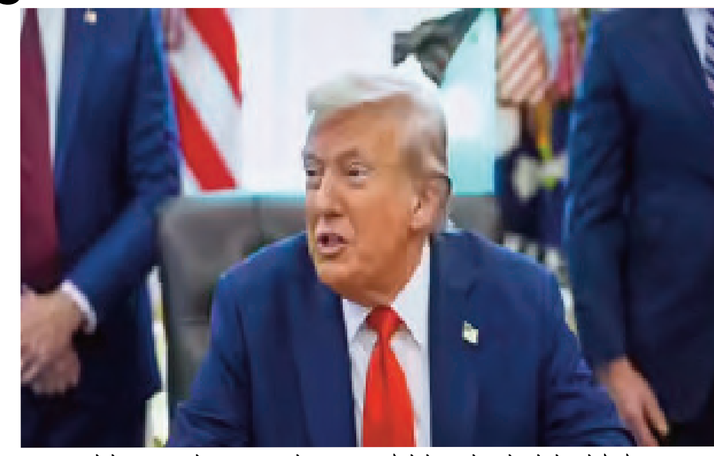

ट्रंप टैरिफ से भारतीयों को परेशान होने की जरूरत नहीं है बल्कि इस बात के लिए गर्व करने की जरूरत है कि पैर खींचने वाला कोई एक है तो हाथ पकड़कर आगे बढ़ने वालों की कतार लगी पड़ी है। विश्व की बदलती इस व्यवस्था की जब भी समीक्षा होगी तो भारत और प्राधानमंत्री मोदी का उल्लेख अवश्य होगा। अमेरिकी अर्थशास्त्री प्रोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ ने चूहे और हाथी की तुलना करके कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 50 प्रतिशत टैरिफ उस चूहे की तरह है जो भारत की हाथी जैसी अर्थव्यवस्था को मुक्का मार रही है तो इसे उतना महत्व नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए था। प्रोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ एक अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं जो आर्थिक पद्धति और वर्ग विश्लेषण पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह मेसाचुसेट्स एमहस्ट विश्वविद्यालय में प्रोपेसर एमिरेट्स हैं। प्रोपेसर वूल्फ ने इस आधार पर यह उपमा दी थी कि अमेरिका विश्व आर्थिकी में अमेरिका की अगुवाईं वाले ब्लाक जी-7 का योगदान 28 प्रातिशत रह गया है जबकि ब्रिक्स जिसमें भारत और चीन हैं उसका योगदान 35 प्रातिशत हो गया है। यही 7 प्रातिशत का अन्तर अमेरिका के लिए बहुत भारी पड़ने वाला है। क्योंकि 2026 में ब्रिक्स का नेतृत्व भारत करेगा और यदि ट्रंप का भारत, चीन, रूस और अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के साथ इसी तरह का असय व्यवहार रहा तो डालर में व्यापार का विकल्प खोज कर अमेरिकी बादशाहत को ठेंगा दिखा देगा ब्रिक्स। अर्थशास्र में अमेरिकी राष्ट्रपति कितने फिसड्डी हैं, इस बात का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वह जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बता चुके थे उसने 7.8 प्रातिशत की प्रात्याशित उछाल से साबित कर दिया कि भारत की तुलना पाकिस्तान से करके न सिर्प अमेरिका ने गलती की है बल्कि अब उन्हें पाताप का अवसर भी मिलने वाला नहीं है। 2025 में शंघाईं सहयोग संगठन की बैठक चीन में ऐसे वक्त में हो रही है जहां अमेरिका विरोधी आर्थिक नीतियों का विश्लेषण और निष्कर्ष निकालने पर जो विचार हो रहा है वह अमेरिका को ही वेंद्र में रखकर हो रहा है । अपने खिलाफ स्वरिय विश्व शक्तियों के साथ भारत को धकेल कर ट्रंप ने जो गलती की उसका लाभ उठाने में यदि भारत ने देर नहीं की तो यह भारतीय नेतृत्व की सूझबूझ का ही परिणाम है। भारत चाहे तो ट्रंप के टैरिफ का जवाब दे सकता है किन्तु वह मात्र इसलिए वुछ नहीं कर रहा है कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी है और जो लोग आज भारत के समर्थन में हैं, वे भी चाहते हैं कि भारत समय की प्रातीक्षा करे। भारत की अगुवाईं में 2026 का ब्रिक्स अमेरिका के लिए इतना घातक होगा कि ट्रंप को अमेरिकी अर्थशास्त्री उनकी ऐतिहासिक भूल के लिए सदैव स्मरण करेंगे। रूस और चीन तो ब्रिक्स मुद्रा निर्धारण के लिए पहले से ही उधेड़ बुन में लगे हुए थे किन्तु भारत, ब्राजील और दक्षिण अप्रीका के नेताओं ने ऐसा न करने के लिए सुझाव दिया था। अब डालर विमुद्रीकरण में कोईं बाधा नहीं है क्योंकि भारत खुद ही इसकी अगुवाईं करने वाला देश बन चुका है। अमेरिका भारत का शत्रु नहीं है किन्तु ट्रंप जैसा व्यवहार कर रहे हैं वह शत्रु जैसा ही है। इसलिए भारत के लिए आवश्यक है कि वह अपनी अर्थव्यवस्था के हितों के लिए फिलहाल अमेरिकी मोहपाश से निकल कर रणनीति बनाए। अमेरिका के साथ यूरोपियन यूनियन की एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत थी किन्तु भारत ने यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के साथ कर मुक्त समझौता (एफटीए) करके वह बाधा भी दूर कर दी जिसका डर ट्रंप दिखा सकते थे। सच तो यह है कि आज राष्ट्रपति ट्रंप ने जो वुछ भी वूटनीतिक फरेबी जाल बुना है वह चीन के खिलाफ है ! अमेरिकी राजनीति में जब डेमोव्रेट जीतते हैं तो वे रूस के विरोध में हो जाते हैं और चीन समर्थन करते हैं किन्तु जब रिपब्लिकन सत्ता में आते हैं तो वे रूस को अपना सहयोगी मानते हैं और चीन पर निशाना साधते हैं। एक सच्चाईं ये भी है कि भारत और चीन के बीच संबंधों में कड़वाहट का कारण पाकिस्तान है। इस समय प्राधानमंत्री मोदी ने एससीओ सम्मेलन में पाकिस्तान के सामने ही आतंकवाद के संरक्षकों की फजीहत की और पहलगाम के सूत्रधारों की फजीहत कर दी। यही नहीं जारी हुए प्रास्ताव में पहलगाम की घटना की निन्दा की गईं जिस पर चीन के भी हस्ताक्षर हैं। अमेरिका ने बड़ी चालाकी से पाकिस्तान के आमा चीफ की पीठ पर हाथ रखकर उसके देश को चीन से दूरी बनाने का संदेश दे दिया। हमेशा की तरह इस बार जब चीन ने भारत के नजदीक आना चाहा तो पाकिस्तान टांग नहीं अड़ा पाया। चीन लाइन ऑफ वंट्रोल को अंतर्राष्ट्रीय सीमा मानने को तैयार है तो इसका मतलब साफ है कि उसे इस बात का एहसास हो गया है कि ट्रंप चीन के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं इसलिए उसे उपभोक्ता आधारित अर्थव्यवस्था वाले भारत के साथ पार्टनरशिप में काम करना फायदेमंद रहेगा। असल में ट्रंप ने बहुत बड़ी गलती यह कर दी कि जो उनके मित्र देश हैं, उन्होंने उन्हें ही टैरिफ टेरर का शिकार बनाने की सोच लिया। सबसे पहले कनाडा को डराया-धमकाया तो वह छिटक गया। फिर जापान को निशाना बनाया। आस्ट्रेलिया को भी नहीं छोड़ा। लेकिन दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने तो ट्रंप को खूब जलील किया। इस तरह सभी मित्र देशों ने ट्रंप की धृष्टता को बर्दाश्त कर लिया किन्तु भारत ने ट्रंप को नसीहत देने की ठानी तो सारी पोल पट्टी खुलती चली गईं। अब जब जापान को लगा कि भारत ट्रंप टैरिफ के खिलाफ अभियान की अगुवाईं कर रहा है तो उसने भी जो वादा ट्रंप से किया था उससे पीछे हट गया। असल में जब ट्रंप ने जापान पर टैरिफ बढ़ाने की बात की तो जापान ने कहा कि वह अमेरिका में 5.5 लाख करोड़ डालर का निवेश करेगा। इसलिए उस पर टैरिफ न लगाएं। ट्रंप ने यहां भी चतुराईं दिखा दी। उन्होंने कहा ठीक है, किन्तु शुद्ध लाभ का 90 प्रातिशत अमेरिका का होगा। जापान तुरन्त पीछे हट गया और निवेश की बात को टाल दिया। ऐसा नहीं है कि भारत सहित अमेरिका के मित्र राष्ट्रों को उस देश से किसी तरह की कटुता है किन्तु ट्रंप के व्यवहार से सभी नाराज हैं और दूसरे विकल्पों पर विचार के लिए विवश हैं। अमेरिकी जनता से भारत को समर्थन मिल रहा है किन्तु 50 प्रातिशत टैरिफ का बोझ लेकर यदि विकल्पों की तलाश में भारत पीछे रह गया तो इतनी बड़ी जनसंख्या की आकांक्षाओं का क्या होगा ! ट्रंप की नासमझी का क्या होगा ! ट्रंप की नासमझी का शिकार यदि अमेरिकी नागरिक हो रहे हैं तो यह उनकी समस्या है। जिन वस्तुओं पर ट्रंप टैरिफ बढ़ा हुआ है, भारतीय निर्यातक उन्हें नहीं भेजेंगे उनके लिए भारत सरकार यूरोप, अप्रीका और खाड़ी के देशों में बाजार का विकल्प उपलब्ध करा रही है। ट्रंप टैरिफ के बाद तात्कालिक परेशानियों से इंकार तो नहीं किया जा सकता। वर्षों से स्थापित सिस्टम जब एक बार बिगड़ता है तो काफी परेशानी होती है किन्तु भारत में देखा गया है कि व्यवसायी वर्ग अत्याधिक राष्ट्र भक्त और स्वाभिमानी हो चुका है। वह देख रहा है कि उसके निर्यात के लिए सरकार दूसरे देशों में बाजार की व्यवस्था कर रही है तभी वह अपनी सरकार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों, उनके भोंपुओं और ढिढोरचियों के भड़काने के बावजूद वुछ बोलने के बजाए ट्रंप के खिलाफ प्रादर्शन कर रहे हैं। हमारे देश के निर्यातकों ने भारत सरकार से अनुरोध किया कि वह उनकी मदद करें ताकि उन्हें अमेरिका को निर्यात करने की जरूरत ही न पड़े। भारत सरकार ने निर्यातकों को इस आशय का आश्वासन भी दिया है।

अमेरिकी अर्थशास्त्री प्रोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ ने चूहे और हाथी की तुलना करके कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 50 प्रातिशत टैरिफ उस चूहे की तरह है जो भारत की हाथी जैसी अर्थव्यवस्था को मुक्का मार रही है तो इसे उतना महत्व नहीं दिया गया जितना दिया जाना चाहिए था। प्रोपेसर रिचर्ड डेविड वूल्फ एक अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं जो आर्थिक पद्धति और वर्ग विश्लेषण पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वह मेसाचुसेट्स एमहस्ट विश्वविद्यालय में प्रोपेसर एमिरेट्स हैं। प्रोपेसर वूल्फ ने इस आधार पर यह उपमा दी थी कि अमेरिका विश्व आर्थिकी में अमेरिका की अगुवाईं वाले ब्लाक जी-7 का योगदान 28 प्रातिशत रह गया है जबकि ब्रिक्स जिसमें भारत और चीन हैं उसका योगदान 35 प्रातिशत हो गया है।

देश दुनिया से

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी- लेकिन भरोसा बड़ी चीज है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से त्रस्त दुनिया के कई देशों की नजरें इस बार चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की बैठक पर लगी हुई थी। क्योंकि इस बैठक के दौरान दुनिया के 3 ताकतवर देशों- भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी होनी थी और साथ ही अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी तय थी। खासतौर से दुनियाभर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थी कि भारत और चीन के आपसी संबंधों में क्या बदलाव आने वाला है। चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की। पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, ₹दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दोनों दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत ज़रूरी है।₹ जिनपिंग की ये तमाम बातें सुनने में भले ही बहुत अच्छी लगती हो लेकिन कड़वी हकीकत तो यही है कि दोनों देशों के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति ने जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाने का ऐलान नहीं किया। जबकि पिछले महीने ही भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में दोनों देशों के आपसी रिश्तों को सुधारने के लिए 10 सूत्रीय एजेंडे पर सहमति बनी थी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस 10 सूत्रीय एजेंडे के तहत चीन के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, चीनी सेना को बॉर्डर से पीछे हटाने और विश्वास बहाली के तहत कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भारत के अभिन्न अंग लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। सीमा पर पूरी तैयारी और साजो-सामान के साथ चीन ने 50 हजार से ज्यादा की फौज को तैनात कर रखा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण करके भी अपने नापाक इरादों को जाहिर कर दिया है। इतना ही नहीं, आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की पीठ पर भी चीन का हाथ बना हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी चीन पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा नजर आया। तियानजिन शहर में जिनपिंग ने भारत के साथ संबंधों को लेकर शब्दों से एक माहौल बनाने की कोशिश तो की लेकिन यह सभी जानते हैं कि जब तक वह भारत की चिंताओं पर ठोस काम नहीं करेंगे तब तक शायद ही कोई भारतीय उन पर भरोसा कर पाएगा। अमेरिका के टैरिफ आतंकवाद से त्रस्त भारत को चीन के साथ जाने से पहले पाकिस्तान के आतंकवाद और उसे चीन द्वारा दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी ध्यान रखना होगा। इस मौके का फायदा उठाकर चीन, न केवल भारत में निवेश और व्यापार करने की खुली छूट चाहेगा बल्कि टिकटॉक सहित 50 से ज्यादा चीनी एप्स पर भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी हटवाने की कोशिश करेगा। भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन चीन का रास्ता भी पूरी तरह से साफ नहीं है। चीन ने वर्ष 2013 में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को धमाकेदार अंदाज में शुरू किया था लेकिन यह कई तरह के संकटों में घिर गया है। तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे का मामला हो या तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का मामला हो या फिर ताइवान को लगातार धमकाने का मामला हो, वास्तविकता तो यही है कि इन सभी मुद्दों का स्थायी और अंतिम समाधान भारत के बिना चीन हासिल नहीं कर सकता है। ऐसे में मोदी सरकार को हर मौके और हर मंच पर चीन को यह बताना होगा कि हाथी और ड्रैगन तभी डांस कर सकते हैं जब ड्रैगन के हाथ में किसी भी तरह का कोई खंजर नहीं होगा। क्योंकि भरोसा बड़ी चीज है, जिसे चीन ने हर बार तोड़ने का काम किया है और पाकिस्तान के रवैए से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है।

आप का नजरिया

वन भूमि के लिए अर्जी

आपदा से हिमाचल के रिसते जख्मों का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि संपर्क, सडक़ और रिहाइश को अगर फिर से सामान्य बनाना है, तो हमारे हिस्से की असमर्थता सामने आ रही है। सदी की भयंकर त्रासदी ने साबित कर दिया कि कहां-कहां हमारे कदम गलत थे या अपने बचाव में कम थे। आपदा ने सैकड़ों लोगों को विस्थापित कर दिया है। अब विस्थापन की लकीरें इतनी फैल चुकी हैं कि अस्तित्व की जमीन खोजने के लिए वन भूमि का आश्रय जरूरी है। यूं तो हमने इन्हीं कालमों में हिमाचल के अस्तित्व के लिए बार-बार जंगल की मिलकीयत में प्रदेश की हस्ती खोजी है, लेकिन नकली पर्यावरण संरक्षण के नारों ने हकीकत की कब्र खोद दी। पर्यावरण संरक्षण को हमने वन भूमि के आवरण में इतना फैला दिया कि प्रदेश की कुल जमीन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा हमारे अस्तित्व से छिटक कर जंगलों की बाड़बंदी के सख्त पहरे में चला गया। जो सराज में हुआ या जो प्रदेश के हर भाग में हो रहा है, उसके पुनर्वास के लिए प्रति परिवार एक बीघा जमीन भी दें, तो हम असमर्थ धरती पर खड़े ऐसे अनूठे पहरेदार हैं, जो अपने अस्तित्व के छिन्न-भिन्न परिदृश्य में वंचित हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अब एफसीए में संशोधन की जरूरत की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में लगाई जा रही है। यह अहम मोड़ है जब जंगल में फंसी बंजर एवं वेस्ट लैंड की परिभाषा को दुरुस्त करवा कर हिमाचल अपने हित की पैरवी करेगा। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर बने अधिनियम ने हमारी सांसें इस कद्र रोक रखी हैं कि राज्य की इच्छाशक्ति भी अनुमतियों के जंगल में भटक जाती है। राज्य के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी आपदा के भीषण पन्नों को मिटाने और पुनर्वास का मुकम्मल खाका बनाने के लिए एफसीए एक्ट की गांठों को ढीला कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में जाने की योजना को सांझा कर रहे हैं। कांगड़ा-चंबा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी इसी विषय की अहमियत का दायरा बड़ा करते हुए मामले को केंद्र सरकार के पास ले जाने का पक्ष रखते हैं। अब कहीं मालूम हुआ कि जहां दरियाई घोड़े दौड़ रहे थे, वहां सूखा पड़ा था यानी जिस जंगल को हमने तकदीर माना, वही हमारी मुसीबतों के आड़े आ गया। यहां पुनर्वास के लिए चंद बीघा जमीन की जरूरत नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन, प्रदेश के भविष्य और आपदा चुनौतियों का रेखांकन बता रहा है कि आने वाले समय में प्रभावित लोगों, व्यापार, जीने के ढांचे और राहत की जरूरतों के लिए ऐसी नीति और रियायतों की बाट जोहनी पड़ेगी, जो वन भूमि की वर्तमान कुंडलियों को सरल व सहज बनाए। अब मालूम हुआ कि हमने विभिन्न कारणों से प्रदेश की भूमि को जाया किया। जंगल-जंगल करते हमने वेस्ट लैंड और बंजर भूमि भी पर्यावरण संरक्षण के नाम पर कुर्बान कर दी। हमारे पड़ोसी पंजाब व हरियाणा ने पांच प्रतिशत से भी कम भूमि को वनों की अमानत होने दिया, जबकि हमने तकरीबन 70 प्रतिशत जमीन का परचा जंगल के नाम लिख दिया। यही नहीं नौतोड़ भूमि के आबंटन तथा लैंड सीलिंग के परिदृश्य ने खेत, खेती और खेतिहर समाज के दर्पण में सुराख कर दिए। नतीजतन आधुनिक विकास, जीवन शैली में आए परिवर्तन, निर्माण में आई आधुनिक मशीनरी तथा बदलती परिवहन सेवाओं ने भूमि की उपयोगिता बढ़ा दी। जंगल तो कई समतल घाटियों को रोक चुके थे, जबकि सामुदायिक भूमि गायब हो गई। ऐसे में लैंड सीलिंग कानून ने जमीन और जमींदार को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां आपस में बंटे भूभाग की तलाश में ढलानें, चट्टानें और नदी-नालों के मुहाने नवनिर्माण में टूटने लगे। अगर सारी सुरक्षित जमीन या जमीन की सुरक्षा में वन ही पैदा करने थे, तो यह भी सोचना चाहिए था कि आम जनता के हिस्से में रहेगा क्या। हम एक तो यह सुझाव देंगे कि वन और शेष प्रदेश के बीच लैंड की पूलिंग करके इसे पचास : पचास प्रतिशत की दर में बांटा जाए। असुरक्षित जमीन जंगल में जाए, जबकि जंगलों के तहत मैदानी इलाके वापस मिल जाएं।

सदी की भयंकर त्रासदी ने साबित कर दिया कि कहां-कहां हमारे कदम गलत थे या अपने बचाव में कम थे। आपदा ने सैकड़ों लोगों को विस्थापित कर दिया है। अब विस्थापन की लकीरें इतनी फैल चुकी हैं कि अस्तित्व की जमीन खोजने के लिए वन भूमि का आश्रय जरूरी है। यूं तो हमने इन्हीं कालमों में हिमाचल के अस्तित्व के लिए बार-बार जंगल की मिलकीयत में प्रदेश की हस्ती खोजी है, लेकिन नकली पर्यावरण संरक्षण के नारों ने हकीकत की कब्र खोद दी। पर्यावरण संरक्षण को हमने वन भूमि के आवरण में इतना फैला दिया कि प्रदेश की कुल जमीन का लगभग 70 फीसदी हिस्सा हमारे अस्तित्व से छिटक कर जंगलों की बाड़बंदी के सख्त पहरे में चला गया। जो सराज में हुआ या जो प्रदेश के हर भाग में हो रहा है, उसके पुनर्वास के लिए प्रति परिवार एक बीघा जमीन भी दें, तो हम असमर्थ धरती पर खड़े ऐसे अनूठे पहरेदार हैं, जो अपने अस्तित्व के छिन्न-भिन्न परिदृश्य में वंचित हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में अब एफसीए में संशोधन की जरूरत की अर्जी सुप्रीम कोर्ट में लगाई जा रही है। यह अहम मोड़ है जब जंगल में फंसी बंजर एवं वेस्ट लैंड की परिभाषा को दुरुस्त करवा कर हिमाचल अपने हित की पैरवी करेगा।

दृष्टि कोण

भारत को स्वदेशी के साथ आगे बढ़ना चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्पष्ट शब्दों में कहा : स्वदेशी को अपनाने का समय आ गया है। जो 'मेक इन इंडिया' से शुरू हुआ, आत्मनिर्भर भारत के आह्वान में विकसित हुआ, अब स्वदेशी के गहन और समग्र विचार की ओर बढ़ रहा है। यह केवल एक नारा नहीं है। यह एक सभ्यतागत अनिवार्यता है। यह सही है कि भारत चीन की उपेक्षा नहीं कर सकता, लेकिन उस पर भरोसा भी नहीं कर सकता। बीजिंग के साथ हमारा व्यापार घाटा हर साल 100 अरब डॉलर को पार कर जाता है। वर्तमान में, हमारे दो-तिहाई से ज्यादा सौर मॉड्यूल, हमारी 70 फीसदी से ज्यादा दवा सामग्री और अरबों डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सीमा पार से आते हैं। ये सिर्फ संख्याएं नहीं हैं, ये कमजोरियां हैं। चीनी बंदरगाहों से आने वाला हर कंटेनर जहाज चीन पर हमारी निर्भरता की याद दिलाता है। इसी संदर्भ में, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आगामी चीन यात्रा को देखा जाना चाहिए। उनकी वहां उपस्थिति कोई रियायत नहीं, एक बयान है। भारत बातचीत करेगा, लेकिन स्पष्टता और विश्वास की स्थिति से। बातचीत का मतलब निर्भरता नहीं है। बातचीत का मतलब राष्ट्रीय हितों को कमजोर करना नहीं है। संदेश सीधा है : भारत जहां तक संभव हो, सहयोग चाहता है, लेकिन अपनी आर्थिक संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेगा। हाल के अध्ययन, जिनमें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक समझ परिषद (सीआईयू) द्वारा तैयार भारत के भू-आर्थिक ढांचे में चीन अध्ययन के लिए रणनीतिक अनिवार्यता भी शामिल है, इस खतरे को रेखांकित करते हैं। ये अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कैसे चीन का राज्य-प्रधान मॉडल- औद्योगिक अति-क्षमता, डंपिंग, सबसिडी और वित्तीय इंजीनियरिंग- बाजारों को विकृत करता है और भारत के विनिर्माण आधार के लिए खतरा पैदा करता है। ये अध्ययन फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा में चीनी इनपुट पर हमारी खतरनाक निर्भरता की ओर भी इशारा करते हैं, और चेतावनी देते हैं कि संकट के समय ऐसी महत्वपूर्ण वस्तुओं तक पहुंच को आसानी से हथियार बनाया जा सकता है। ये जानकारियां एक बात बिल्कुल स्पष्ट करती हैं : भारत प्रतिक्रियात्मक रुख

नहीं अपना सकता, उसे स्वदेशी पर आधारित एक सक्रिय सिद्धांत अपनाना होगा। चीन के दृष्टिकोण के विपरीत, स्वदेशी साम्राज्यवादी नहीं है। यह ॠण या जबरदस्ती के माध्यम से दूसरों पर हावी होने की कोशिश नहीं करता। हमारा स्वदेशी 'वसुधैव कुटुम्बकम' (दुनिया एक परिवार है) के सिद्धांत पर आधारित है। हमारा दृष्टिकोण देश में आत्मनिर्भरता और विदेश में निष्पक्ष, सहयोगात्मक साझेदारी का है। यह भारत में न केवल अपने लिए बल्कि विश्व के लिए भी उत्पादन करने के बारे में है, जो लचीलेपन और सम्मान को मजबूत करता है। वैश्विक स्तर पर, स्थिति बदल रही है। टैरिफ का हथियारीकरण, जो ट्रम्प की पहली पारी में स्पष्ट हुआ और अब वैश्विक व्यापार का एक अभिन्न अंग बन गया है, ने सरकारों और व्यवसायों को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। विभिन्न क्षेत्रों में, कंपनियां चीन के विकल्प तलाश रही हैं। जहां कई लोग इसे 'चीन प्लस वन' कहते हैं, वहीं भारत को एक बड़े विचार को आगे बढ़ाना होगा : भारत प्लस अनेक। भारत के पास विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सेवाओं का एक विश्वसनीय केंद्र बनने के लिए पर्याप्त पैमाना, प्रतिभा और सभ्यतागत लोकाचार है। इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, हमें घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। सरकार ने पहले ही महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, हाल ही में शुरू किया गया राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन, और व्यापार धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियमों में संशोधन। ये उपाय, आसियान मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के भीतर भारत की पुनर्वार्ता और यूरोपीय संघ के साथ नए जुड़ाव के साथ, व्यापार नीति को राष्ट्रीय हित के अनुरूप बनाने की इच्छा को दर्शाते हैं। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जी–वनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी–छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुँचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी–से–जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनकी सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का बोझ आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है

आज का पंचांग

दिनांक : 03 सितंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 04:23 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा रात्रि 11:09 तक
योग : आयुष्मान सायं 04:17 तक
करण : वणिज सायं 04:14 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 05:22 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पद्मा जलझूलनी एकादशी व्रत , भद्रा सायं 04:13 से रात्रि 04:22 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में सिंचाई व्यवस्था होगी सुदृढ़: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं कारगर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की एक अहम बैठक में राज्य में माइनर्स के व्यापक रीमॉडलिंग (पुनर्निर्माण एवं सुधार) कार्य योजना को मंज़ूरी प्रदान की गई है। इसके तहत लगभग 54 अलग - अलग परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा और इस पूरी परियोजना पर लगभग 315 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत नहरों की गहराई, चौड़ाई एवं ढांचे को आधुनिक तकनीक से सुदृढ़ किया जाएगा, ताकि सिंचाई जल की आपूर्ति समय पर और पर्याप्त रूप से किसानों तक पहुँच सके। इस पूरी परियोजना के तहत विभिन्न नहरी सर्कलों के तहत 30 कैनाल का पुनर्वास तथा 24 कैनाल की रिमॉडलिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की फसलों को पर्याप्त सिंचाई जल मिलेगा, भूमिगत जल स्तर पर दबाव कम होगा और प्रदेश में कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या पर भी काबू पाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और माइनरों के लेवल में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि यमुना वाटर सर्विस सर्कल, भिवानी के तहत 41 परियोजनाओं, यमुना वाटर सर्विस सर्कल, करनाल के तहत 1 तथा यमुना वाटर सर्विस सर्कल, रोहतक के तहत 2 परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार लोहारू वाटर सर्विस सर्कल भिवानी के अंतर्गत 7 परियोजनाओं और जवाहर लाल नेहरू सर्कल रेवाड़ी के तहत 3 परियोजनाओं को शामिल किया गया है। इन कार्यों को नाबार्ड की सहायता से क्रियान्वित किया जाएगा।

इन परियोजनाओं के तहत माइनरों के किनारों को मज़बूत और ऊँचा करना, लाइनिंग की मरम्मत व पुनर्वास, पाइपलाइन बिछाना, हेड रेगुलेटर, साइफन, पुलिया और आउटलेट की मरम्मत इत्यादि कार्यों को किया जाएगा, जिससे लीकेज खत्म होगी और पानी की बचत भी होगी तथा संभावित क्षेत्रों तक पानी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इनसे भिवानी, रोहतक, जींद, चरखी दादरी, रेवाड़ी, सोनीपत और करनाल जिलों को लाभ मिलेगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव सी.जी. रजीनीकांथन, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ सतबीर कादियान सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद जलभराव

स्कूलों में ऑनलाइन क्लास और दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम लागू

गुरुग्राम, 02 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर सिटी गुरुग्राम में सोमवार को हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार को जलभराव की समस्या देखने को मिली। भारी बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया, जिस कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

गुरुग्राम के सेक्टर-10 इलाके की सड़कों पर मंगलवार सुबह जलभराव हो गया, जिसके कारण लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हो गए। इतना ही नहीं, जलभराव के कारण सड़क से गुजर रही गाड़ियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। जिला प्रशासन ने गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद की स्थिति के मद्देनजर स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेज आयोजित करने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही, कॉरपोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सड़कों पर यातायात की भीड़ से बचा जा सके।

बताया जा रहा है कि शहर में जलभराव के कारण कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की टीमें जल निकासी के लिए कार्य कर रही हैं, लेकिन अपर्याप्त ड्रेनेज सिस्टम और नालों की समय पर सफाई न होने के कारण समस्या बनी हुई है। इस बीच, स्थानीय नागरिक सोशल मीडिया पर जलभराव की तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं। बता दें कि सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई, जिससे तापमान में तेजी से गिरावट आई। गुरुग्राम में बारिश के चलते कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सोमवार को गुरुग्राम में जलभराव और नाले की समस्याओं को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधा। उन्होंने जाम का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 2 घंटे की बारिश- 20 किमी का गुरुग्राम जाम। मुख्यमंत्री नायब सैनी केवल 'राज्य हेलीकॉप्टर' में उड़ते हैं और सड़कों पर नहीं चलते, यह गुरुग्राम के हाइवे का 'हेलीकॉप्टर शॉट' है। बारिश की तैयारी और नालों, सीवेज और ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए खर्च किए गए करोड़ों रुपए का यही हाल है। यह भाजपा का 'ट्रिपल इंजन मॉडल' है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद करे सरकार, तुरंत राहत कार्य करे शुरू : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा के आधे से ज्यादा जिले बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। आने वाले दिनों में बारिश के चलते हालात और बिगड़ने की आशंका है। इसलिए सरकार को हाथ पर हाथ रखकर बैठने की बजाय सक्रिय होकर राहत कार्य शुरू कर देना चाहिए। जल निकासी और बाढ़ प्रभावित इलाकों में सहायता पहुंचाने के लिए सरकारी अमले को मुस्तैद करने की सख्त आवश्यकता है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मानसून से पहले ही कांग्रेस ने सरकार को बार-बार चेताया था और ऐसे हालात के लिए पहले से ही तैयार रहने की नसीहत दी थी। लेकिन सत्ता के नशे में मदमस्त बीजेपी ने सुनवाई नहीं की, जिसका खामियाजा आज आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्हें खेती और जान माल का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सरकार ने 2 साल पहले आई बाढ़ से भी कोई सबक नहीं लिया। कांग्रेस ने बार-बार सरकार से वक्त रहते नालियां, नहरें और सीवरेज की सफाई की मांग करी थी। लेकिन ऐसा नहीं होने के चलते अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, रोहतक, सोनीपत, सिरसा से लेकर पलवल, फरीदाबाद तक के तमाम क्षेत्रों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। मैंने खुद पूरे हरियाणा का दौरा किया और सरकार से मुआवजे की मांग की थी। लेकिन सरकार ने ना पूरी तरह लोगों के नुकसान का मुआयना किया, ना ही गिरदावरी करवाई और ना ही मुआवजा दिया। इतना ही नहीं, सरकार ने बाढ़ से सबक लेकर किसी तरह के मुस्तैदी कदम भी नहीं उठाए। लगातार सरकार द्वारा अमृत योजना, साफ-,सफाई और सीवरेज व्यवस्था के मामलों में घोटाले किए जाते रहे। यही वजह है कि अब तमाम गांव से लेकर शहर तक, जल भराव व बाढ़ का सामना कर रहे हैं। गुरुग्राम जैसे शहर की सड़कें भी तालाब बन चुकी हैं। लोगों को कई-कई घंटों लंबे जाम का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने जिस गुरुग्राम को मिलिनियम सिटी बनाया था, उसे बीजेपी ने समंद्र बनाकर रख दिया है।

कांग्रेस मांग करती है कि सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहुंचाएं, जल निकासी के लिए वाटर पंप, मोटर और जनरेटर की व्यवस्था करे, लोगों के लिए खाने व पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित करे और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए तमाम इंतजाम किए जाएं।

इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स ऐक्ट लागू होने से देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी: डॉ. प्रेम चंद बैरवा

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। देश में भारत में इमीग्रेशन एंड फॉरेनर्स ऐक्ट, 2025 1 सितंबर से लागू हो गया है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने सरकार के इस फैसले को स्वागत योग्य बताया, उन्होंने कहा कि अब देश में अवैध घुसपैठियों पर शिकंजा कसने में आसानी होगी।

बैरवा ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि पहले हमारे राज्य में कई लोग अवैध रूप से रहते थे। हाल के दिनों में ऐसे कई लोगों को हटाया गया, लेकिन इसके लिए हमें अनुमति लेनी पड़ती थी। हालांकि, अब जब यह अधिनियम पारित हो गया है, तो हमारे लिए यह बहुत आसान हो जाएगा।

राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने धर्मांतरण कानून को लेकर कहा कि राजस्थान में धर्मांतरण कानून की सख्त आवश्यकता थी, जिस तरह से राजस्थान में धर्मांतरण के केस बढ़े और धर्मांतरण करने वालों की संख्या बढ़ी, उसके बाद इस कानून को लाना जरूरी था। यह कानू सख्त है और इस कानून में सख्त दंडात्मक प्रक्रियाएं हैं। एसआईआर की आपत्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा बढ़ाने को लेकर विपक्ष को मना किया है। उसको लेकर डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने कहा जब सुप्रीम कोर्ट ने ही आपत्तियां की समय सीमा बढ़ाने से मना कर दिया तो सुप्रीम कोर्ट से बड़ा तो कोई हो ही नहीं सकता। विपक्ष के लोगों को देश के विकास में भागीदारी को लेकर बात करनी चाहिए। जबकि वह जनता के बीच भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं।

प्रेम चंद बैरवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर होने वाले सेवा पखवाड़े वाले कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन सेवा कार्यों में गिना जाता है। इसीलिए हम अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ आमजन के साथ मिलकर अलग-अलग कार्यों को करते हैं और इस बार भी हमने इसकी प्लानिंग कर ली है।

औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने की समीक्षा बैठक

कोटपूतली-बहरोड़, 02 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सोतानाला, केशवाना और बहरोड़ औद्योगिक एवं आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक प्रदूषण से संबंधित समस्याओं के निवारण के उद्देश्य से केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक विशेष समीक्षा बैठक बुलाई। इस बैठक में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, जिला प्रशासन और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सोतानाला, केशवाना और बहरोड़ औद्योगिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि एवं निकटवर्ती गाँवों के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित रहे। अपशिष्ट एवं जल प्रदूषण से संबंधित स्थानीय समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अधिकारियों को एक विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह भी उल्लेख किया कि विस्तृत योजना भविष्य में होने वाले औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाए, जिसमें उन्नत तकनीकों के माध्यम से ठोस अपशिष्ट एवं उद्योगों के प्रदूषित जल को कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट आदि के माध्यम से उपचारित कर अधिकतम पुनः उपयोग में लाया जाए। औद्योगिक इकाइयों को नियमों और प्रावधानों के सख्ती से अनुपालन पर जोर देते हुए, मंत्री जी ने नियामक एजेंसियों को निर्देश दिया कि उल्लंघन करने वाली इकाइयों पर सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से औद्योगिक क्षेत्रों के त्वरित मूल्यांकन के आधार पर समस्याओं एवं उनके तकनीकी समाधान पर उपाय सुझाए गए।

18 सितम्बर से गांव चलो अभियान, लंबित राजस्व प्रकरणों का होगा निस्तारण: भजनलाल

जयपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गुड गवर्नेन्स के मानकों पर खरा उतरते हुए आमजन के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारी उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही, संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि आवंटन, डीपीआर, टेंडर प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए, जिससे विकास कार्यों का लाभ लोगों को समय पर मिल सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में किसानों को स्वयं फसल गिरदा-वरी की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एग्रीस्टेक मोबाईल ऐप विकसित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने के लिए इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 18 सितम्बर से प्रदेशभर में सप्ताह में तीन दिन 'गांव चलो अभियान' संचालित किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों तक सरकारी सेवाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों के सीमाज्ञान, सहमति विभाजन, नामांतरण आदि लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति अभियान के लाभों से वंचित ना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी गत दो वर्ष के बजट में घोषित भवन निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में पूरा करें। साथ ही नियमित निगरानी कर इनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुराने भवनों का भी आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की जाए, ताकि सरकारी संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो सके।

शर्मा ने कहा कि जैसलमेर जिले के सामान्य आवंटन के लंबित आवेदनपत्रों के निस्तारण के लिए योजना बनाई जाए, साथ ही 15 दिन का अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों को निस्तारित किया जाए। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन कर नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना के माध्यम से किसानों के आधार नम्बर को राजस्व रिकॉर्ड के साथ मेपिंग का कार्य समस्त जिलों में प्रारम्भ कर दिया गया है। अब तक 87 प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य के 48 हजार 463 गांवों की जिओ रेफरेंस शीट फाइल भू-नक्शा पोर्टल पर अपलोड कर 4.49 करोड़ यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नम्बर जारी किए जा चुके हैं। बैठक में राजस्व न्यायालयों के लिए रेवेन्यू कोर्ट मॉर्डनाइजेशन सिस्टम, राजस्व इकाइयों का पुर्नगठन, पूर्णकालिक सरकारी अधिवक्ताओं को रिटेनर शुल्क, उपनिवेशन क्षेत्र में भूमि आवंटन की दर में परिवर्तन, ग्राम दान एवं भूदान अधिनियम सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का गठन मंजूर

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। बैठक में कुल 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में आउटसोर्सिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में मंगलवार को कुल 15 प्रस्तावों को स्वीकृति दी, जिसमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी दे दी गई। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नॉन-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा।

इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा। आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है। इस निर्णय के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और उसका भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय न केवल लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार और सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिल रहा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

वित्त मंत्री ने बताया कि नई व्यवस्था में संवैधानिक प्रावधानों के तहत एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक और महिलाओं को नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। महिलाओं को मैटरनिटी लीव का भी अधिकार दिया जाएगा। कर्मचारियों की कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर 15 हजार रुपए अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे। मंत्री एके शर्मा के प्रस्ताव नगरीय परिवहन की सुविधा के लिए प्राइवेट ऑपरेटर को ई-चार्जिंग सहित नेट कॉस्ट बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी गई है। कानपुर और लखनऊ के 10 दस रूटों पर ई-बसें चलेंगी। एक बस की कीमत 10 करोड़ होगी। ये बसें 12 वर्ष के लिए कॉन्ट्रैक्ट के साथ आएंगी। किराया तय करने का अधिकार सरकार के पास रहेगा। लखनऊ और कानपुर के सभी रूट फाइनल हो गए हैं। हर रूट पर अभी एक बस दी जाएगी। टेंडर से ऑपरेटर का चयन किया जाएगा। सरकार उसे लाइसेंस देगी। चार्जिंग की व्यवस्था भी करेगी।

लखनऊ और कानपुर में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर होगा ई-बसों का संचालन

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आज अपनी कैबिनेट बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जनपद लखनऊ और जनपद कानपुर नगर के साथ-साथ उनके समीपवर्ती महत्वपूर्ण कस्बों में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक बसों (ई-बस) के संचालन को मंजूरी प्रदान की है। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य नगरीय परिवहन को पर्यावरण-अनुकूल, व्यवस्थित, और उपभोक्ता-केंद्रित बनाना है, साथ ही सरकारी वित्तीय बोझ को कम करते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने इस निर्णय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल नागरिकों के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करते हुए निजी ऑपरेटरों को अधिक व्यावसायिक स्वतंत्रता और प्रोत्साहन प्रदान करके परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएगा। यह योजना पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी नवाचार, और उपभोक्ता संतुष्टि को बढ़ावा देगी, जिससे नगरीय परिवहन और अधिक सुलभ और टिकाऊ बनेगा। नगरीय परिवहन निदेशालय इस परियोजना को लागू करेगा। वर्तमान में निदेशालय द्वारा प्रदेश के 15 नगर निगमों में 743 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 700 बसें ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल के तहत संचालित हो रही हैं। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर जनपद लखनऊ तथा जनपद कानपुर नगर एवं उसके समीपवर्ती महत्वपूर्ण कस्बों में ई-बसों को संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत, जनपद लखनऊ और जनपद कानपुर नगर में 10-10 मार्गों (कुल 20 मार्ग) पर 9 मीटर की वातानुकूलित (एसी) इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। प्रत्येक मार्ग पर न्यूनतम 10 बसें होंगी, जिसका अर्थ है कि दोनों जनपदों में कुल 200 ई-बसें संचालित की जाएंगी। कॉन्ट्रैक्ट की अवधि वाणिज्यिक संचालन तिथि से 12 वर्ष की होगी। साथ ही सरकार द्वारा चयनित मार्गों पर किसी अन्य निजी ऑपरेटर को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिससे ऑपरेटरों को व्यावसायिक स्थिरता और एकाधिकार प्राप्त होगा। प्रत्येक मार्ग पर 10 ई-बसों के संचालन के लिए अनुमानित लागत लगभग 10.30 करोड़ है, जिसमें से 9.50 करोड़ बसों की खरीद और 0.80 करोड़ चार्जर व अन्य उपकरणों पर खर्च होंगे। वित्तीय की व्यवस्था निजी ऑपरेटर द्वारा व्यवस्था को इक्विटी, वाणिज्यिक उधारी, या लीजिंग के माध्यम से की जाएगी।

प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा, ई-बसों का संचालन न केवल वायु प्रदूषण को कम करेगा, बल्कि यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक, और समयबद्ध परिवहन सेवाएं प्रदान करेगा। निजी ऑपरेटरों की प्रतिस्पर्धा से नवीनतम तकनीकों का उपयोग और सेवा में निरंतर सुधार होगा, जिसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा।निजी ऑपरेटरों को दक्षता, समयबद्धता, और उपभोक्ता संतुष्टि पर ध्यान देना होगा, जिससे परिवहन सेवाएं और अधिक विश्वसनीय बनेंगी। ऑपरेटरों का चयन पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिससे प्रतिस्पर्धा और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

गोरखा सैनिकों की वीरगाथा संजोएगी योगी सरकार

सीएम योगी और सीडीएस जनरल अनिल चौहान चार को करेंगे शिलान्यास

गोरखपुर में होगा गोरखा युद्ध स्मारक का सौंदर्यीकरण, संग्रहालय भी बनेगा

गोरखपुर, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मां भारती की आन, बान व शान में सर्वस्व न्योछावर करने का जज्बा रखने वाले गोरखा सैनिकों की वीरगाथा को संजोने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। इसके तहत प्रदेश का संस्कृति विभाग गोरखा रेजिमेंट के गोरखा भर्ती डिपो (जीआरडी) गोरखपुर में स्थित गोरखा युद्ध स्मारक का सौंदर्यीकरण कराने के साथ यहां एक भव्य संग्रहालय (म्यूजियम) बनवाने जा रहा है।

इसका शिलान्यास 4 सितंबर (गुरुवार) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के हाथों होने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि आम जनता के अवलोकनार्थ बनने वाला यह गोरखा रेजिमेंट का पहला संग्रहालय होगा। इस तरह देश विदेश में अपने शौर्य से खास पहचान बनाने वाले गोरखा रणबाकुरों की कहानी से आम लोग पहली बार रूबरू हो सकेंगे। उस तरह का यह देश का पहला संग्रहालय होगा। गोरखा युद्ध स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश जलनिगम नगरीय की सीएंडडीएस यूनिट 42 का चयन किया गया है। स्मारक के सौंदर्यीकरण और संग्रहालय के निर्माण पर 44 करोड़ 73 लाख 37 हजार रुपए की लागत आएगी। इसके तहत संग्रहालय, टॉयलेट ब्लॉक, टिकट काउंटर, वर्तमान भवन का जीर्णोद्धार, वाटर बॉडी, चहारदीवारी, लिफ्ट आदि का निर्माण कराया जाएगा।

इसके अलावा लाइट एंड साउंड शो, सेवन डी थिएटर, म्यूरल पेंटिंग आदि की व्यवस्थाएं भी रहेंगी।

गोरखा सैनिक भारतीय सेना में अपने विशेष युद्ध कौशल के लिए विख्यात हैं। ब्रिटिश काल से लेकर अब तक भारतीय सेना में गोरखा जवानों ने 2700 से अधिक वीरता पुरस्कार प्राप्त किए हैं। गोरखा जवानों ने प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। देश के आजाद होने के बाद गोरखा सैनिकों ने युद्ध के साथ ही शांति अभियानों में अतुलनीय भूमिका का निर्वहन किया है। वर्तमान समय में करीब 40000 गोरखा सैनिक भारतीय सेना के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

1866 में स्थापित गोरखा भर्ती डिपो गोरखपुर, सबसे पुराना भर्ती डिपो है। यहां अभी जो युद्ध स्मारक है उसकी स्थापना प्रथम विश्वयुद्ध में गोरखा जवानों के योगदान की स्मृति में 1925 में हुई थी। इस स्मारक में अब तक आठ ऐसे रणबांकुरों की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है जिन्होंने युद्धकाल में अपूर्व शौर्य का परिचय दिया और उल्लेखनीय पुरस्कार प्राप्त किए। इनमें पहले फील्ड मार्शल मानेकशॉ, परमवीर चक्र विजेता कैप्टन जीएस सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल धन सिंह थापा, कैप्टन मनोज पांडेय, अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जेआर चिटनिस, लेफ्टिनेंट पुनीत नाथ दत्त, मेजर मान बहादुर राय और नायक नर बहादुर की प्रतिमा स्थापित है।

सबसे अधिक राजस्व मामलों के निस्तारण में लखनऊ अव्वल

जनपदीय न्यायालयों में जौनपुर ने मारी बाजी

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग का असर साफ नजर आ रहा है। सीएम योगी खुद हर माह जिलावार मामलों की समीक्षा भी करते रहते हैं। योगी सरकार की विशेष पहल के तहत तेजी से मामलों के निपटारे की रणनीति को अपनाया गया, जिससे राजस्व विवादों के मामलों में बड़ा सुधार देखने को मिला है। इसी का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश भर में राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी देखी गयी है। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा अगस्त माह की जारी रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक राजधानी में मामलों को निस्तारित किया गया है जबकि जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले निपटाने में एक बार फिर जौनपुर ने बाजी मारी है। बता दें कि जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले दस माह से जौनपुर टॉप फाइल जिलों में बना हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि राजस्व विवादों के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए। उनकी इस पहल का उद्देश्य न केवल जनता को त्वरित न्याय दिलाना है, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देना है। इसी के तहत प्रदेश के जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी पूरी तत्परता से मामलों का निस्तारण कर रहे हैं। राजस्व परिषद की आरसीसीएमएस की अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में पूरे प्रदेश में कुल 3,69,293 राजस्व मामलों का निस्तारण किया गया। लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि सबसे अधिक राजधानी लखनऊ में 19,178 मामले निस्तारित किए गए, जो पूरे प्रदेश में सबसे अधिक हैं। इसके बाद प्रयागराज में कुल 10,693 मामलों को निस्तारित कर पूरे प्रदेश में दूसरे, गोरखपुर 9,560 मामलों को निस्तारित कर तीसरे स्थान पर है। इसी तरह जौनपुर ने 8,779 मामले निस्तारित कर चौथा और बाराबंकी ने 8,615 मामलों का निस्तारण कर पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

जौनपुर के डीएम डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की अगस्त माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है। जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 612 मामलों का निस्तारण किया है। इसका रेश्यो 244.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि मानक 300 के सापेक्ष 379 मामलों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर लखीमपुर खीरी और मानक 350 के सापेक्ष 400 मामले निस्तारित कर तीसरे स्थान पर आजमगढ़ है। इसी तरह अगस्त में मऊ के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 91 मामलों का निस्तारण कर 303.33 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और मऊ प्रदेश भर में पहले स्थान पर है। वहीं बुलंदशहर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 79 मामले निस्तारित किये गये। वहीं जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा 68 मामले निस्तारित किए गए। इसी तरह जिलाधिकारी न्यायालय द्वारा निस्तारित किये गये मामलों में बुलंदशहर दूसरे और जौनपुर तीसरे स्थान पर है।

इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व जौनपुर निर्धारित मानक 50 के सापेक्ष कुल 208 वादों का निस्तारण कर प्रदेश में प्रथम स्थान पर हैं। वहीं अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व गाजीपुर कुल 30 वादों का निस्तारण कर दूसरे स्थान पर हैं तथा अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व मिर्जापुर कुल 24 वादों का निस्तारण कर तीसरे स्थान पर हैं। इसके साथ ही अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने 50 के मानक के मुकाबले 211 मामलों का निस्तारण कर 422 प्रतिशत हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि 105 मामले निस्तारित कर आजमगढ़ दूसरे और 80 मामले निस्तारित कर झांसी तीसरे स्थान पर है।

योगी सरकार ने दी मंजूरी

इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का बनेगा ग्लोबल-हब

लखनऊ, 02 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने की दिशा में ऐतिहासिक फैसला लिया गया। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 (यूपी ईसीएमपी-2025) को मंजूरी दी, जो अगले 6 वर्षों तक प्रदेश में डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा देगी। योगी सरकार की इस नीति से 5,000 करोड़ रुपए के निवेश और लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

योगी कैबिनेट ने केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पोनेन्ट मैनुफैक्चरिंग स्कीम के अनुरूप यूपी ईसीएमपी-2025 को लागू करने का फैसला किया, जो 6 वर्षों तक प्रभावी रहेगी। इस नीति के तहत उद्यमियों को केंद्र की योजना के समतुल्य अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे यूपी का मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा। नीति का क्रियान्वयन शासन स्तर पर गठित नीति कार्यान्वयन इकाई और सशक्त समिति की देखरेख में नोडल संस्था द्वारा किया जाएगा। इसके तहत डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि पिछले 8 वर्षों में देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। 2015 में जहां केवल 2 यूनिट मोबाइल बनाती थीं, आज 300 यूनिट्स कार्यरत हैं। इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का उत्पादन 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। मोबाइल फोन का निर्यात 1,500 करोड़ से 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा है।

यूपी इस क्रांति का केंद्र बन चुका है, जहां देश के आधे से ज्यादा मोबाइल फोन का उत्पादन होता है। यह नीति यूपी को आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी, साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी। यह नीति न केवल यूपी को ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब बनाएगी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर यूपी की आत्मनिर्भरता को भी मजबूत करेगी। नीति के तहत 5,000 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय होगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे। यह कदम यूपी को निवेश का पसंदीदा गंतव्य बनाने और औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

कैबिनेट ने पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे के लिए विभाजन विलेख पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस को अधिकतम 5,000 रुपए तक सीमित करने का ऐतिहासिक फैसला लिया। वर्तमान में विभाजन विलेख पर 4 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क और 1 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस लागू है, जो संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। इसकी वजह से लोग बंटवारा विलेख रजिस्टर कराने से हिचकते हैं, जिससे दीवानी और राजस्व न्यायालयों में मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। नई व्यवस्था से पारिवारिक विवाद कम होंगे और संपत्ति का सौहार्दपूर्ण बंटवारा संभव होगा। इससे राजस्व विभाग के खतौनी/अधिकार अभिलेख अद्यतन होंगे और सम्पत्ति बाजार में आसानी से उपलब्ध होगी। हालांकि, इस छूट से अनुमानित 5.58 करोड़ रुपए का स्टाम्प शुल्क और 80.67 लाख रुपए का रजिस्ट्रेशन शुल्क राजस्व नुकसान हो सकता है, लेकिन रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ने से दीर्घकाल में राजस्व में वृद्धि होगी। तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

फसल नुकसान का होगा मुआवजा, सरकार उठाएगी कदम : गद्दम विवेकानंद

चेन्नूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, खान एवं भूविज्ञान राज्य मंत्री गद्दम विवेकानंद ने हाल ही में हुई भारी बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। मंगलवार को, उन्होंने जिला कलेक्टर कुमार दीपक और डी.सी.पी. ए. भास्कर के साथ चेन्नूर मंडल के सुंदर शाला गाँव का दौरा किया, जहाँ उन्होंने कालेश्वरम परियोजना के बैकवाटर से क्षतिग्रस्त हुई फसलों का निरीक्षण किया।

मंत्री ने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें उचित मुआवजा देने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँगे। उन्होंने बताया कि कालेश्वरम परियोजना के बैकवाटर से पिछले पाँच वर्षों से फसलें बर्बाद हो रही हैं और पिछले साल भी प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया गया था। उन्होंने कहा कि इस साल चेन्नूर क्षेत्र में सामान्य से 70 प्रतिशत अधिक फसल हुई थी, इसलिए फसल खोने वाले प्रत्येक किसान को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

जब किसानों ने मंत्री को बताया कि लगभग 200 एकड़ फसल का नुकसान हुआ है, तो उन्होंने जिला कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया ताकि

इसे सरकार के पास भेजा जा सके और मुआवजा दिलाया जा सके।

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने दुध्नेपल्ली ग्राम पंचायत के पेद्दागुडेम और नारायणपुर गाँवों का भी दौरा किया और वहाँ लोगों को मिल रही सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनता सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और दूरदराज के गाँवों में भी विकास कार्य और कल्याणकारी योजनाएँ लागू कर रही है।

उन्होंने गाँव में पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बोरवेल और अन्य सुविधाएँ प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता प्रबंधन को सख्ती से लागू किया जाएगा ताकि मौसमी बीमारियों को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाएँगी और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए जागरूकता फैलाई जाएगी।

इसके बाद, मंत्री ने कोटापल्ली मंडल के अन्नाराम गाँव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर के नेतृत्व में प्रशासन लोगों की मदद के लिए उपलब्ध है और आपातकालीन सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है और उनका पुनर्वास किया गया है।

मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता सुनिश्चित की जाए और बारिश का पानी जमा न होने पाए। उन्होंने जन सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

इससे पहले, मंत्री ने चेन्नूर नगर स्थित विधायक शिविर कार्यालय में भगवान श्री गणेश की विशेष पूजा-अर्चना की और राज्य की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

कांग्रेस-भाजपा के कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल

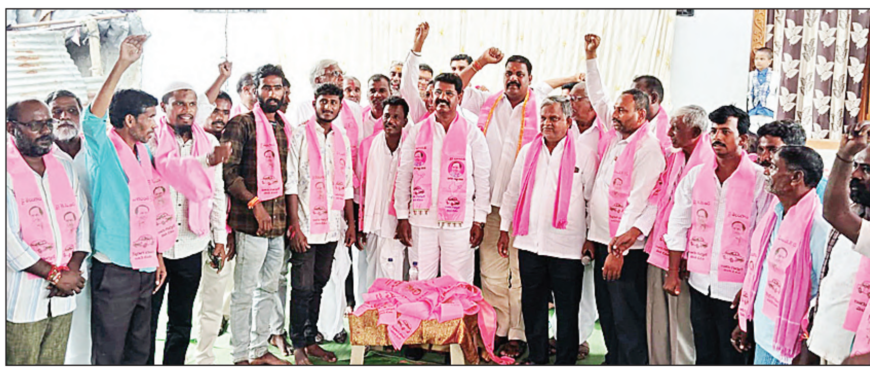

डोंगली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । डोंगली मंडल, मोगा गांव के कांग्रेस और भाजपा के कई प्रमुख कार्यकर्ताओं ने आज बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) पार्टी का दामन थाम लिया। यह राजनीतिक जुड़ाव जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हनमंत शिंदे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान हनमंत शिंदे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जल्द ही स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं, और इस चुनाव में बीआरएस पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

शिंदे ने कहा, कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता धमकियां दे रहे हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। आने वाले दिनों में हम उनका मुंहतोड़ जवाब देंगे।

उन्होंने आगे दावा किया कि अगले तीन वर्ष बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस पार्टी को जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवार नहीं मिलेगा। वर्तमान विधायक भी उस क्षेत्र में फिर से चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। शिंदे ने जोर देकर कहा, यहां पर आप और हम रहने वाले हैं। जब हमारी सरकार बनेगी, तो हम चुन-चुनकर बदला लेंगे।

कार्यक्रम में बीआरएस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पार्टी के झंडे के साथ नए समर्थकों ने जोश और उत्साह के साथ बीआरएस की सदस्यता ग्रहण की।इस घटनाक्रम से स्पष्ट है कि जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव हो रहा है, और बीआरएस पार्टी नए समर्थकों के साथ मजबूती से कदम रख रही है।

उप-जिलाधिकारी ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण

डोंगली, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश के कारण लेडी नदी और मंजीरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगीं, जिसका असर तटीय क्षेत्रों जैसे गोजेगांव, सोनाला, थडी हिपरगा, लिम्बुर, हसन टाकली और बड़ा टाकली में देखने को मिला।

इस दौरान, लिम्बुर से सिरपुर जाने वाली मुख्य सड़क का एक बड़ा हिस्सा बाढ़ के तेज बहाव से कटकर बह गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। इसके अलावा, एक अन्य स्थान पर भी सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। इस समस्या को लेकर 'शुभ लाभ समाचार पत्र' में खबर प्रकाशित होने के बाद, सरकार ने तुरंत इस पर ध्यान दिया।

स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए सिरपुर गांव से पोथंगल गांव तक सड़क और पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। मंगलवार को उप-जिलाधिकारी किरणमयी ने खुद डोंगली मंडल में इस सड़क और पुल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने काम की गुणवत्ता और गति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों की फसलों का भी जायजा लिया।

इस पहल से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह सड़क उनके लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है।

कालेश्वरम परियोजना की सीबीआई जांच के खिलाफ बीआरएस का धरना

कांग्रेस सरकार पर जनता का ध्यान भटकाने की राजनीति का आरोप

मदनूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी ने मंगलवार को कालेश्वरम परियोजना की जांच सीबीआई को सौंपने के कांग्रेस सरकार के फैसले के विरोध में मदनूर मंडल केंद्र में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। यह आंदोलन पार्टी के आदेश पर जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय पुराने बस स्टैंड से निकलकर सांगारेड्डी-अंकोला 161 मार्ग पर धरना दिया। इस दौरान बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सत्ता में आए 21 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार चुनावों के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं कर पाई है।

पूर्व विधायक हणमंत शिंदे ने कहा कि कांग्रेस सरकार लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कालेश्वरम परियोजना पर षड्यंत्र की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी सरकार ने जनहित के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया। भारी बारिश से फसलें तबाह हो गई हैं, सड़कें क्षतिग्रस्त हैं, लेकिन विधानसभा में इन मुद्दों पर चर्चा तक नहीं हुई। बजाय इसके, सरकार कालेश्वरम परियोजना को लेकर सीबीआई जांच की मांग कर रही है, जो राजनीतिक षड्यंत्र मात्र है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने केसीआर के खिलाफ एक षड्यंत्रकारी बैठक आयोजित की और अब उन्हें बदनाम करने के लिए सीबीआई जांच का रास्ता अपनाया जा रहा है। शिंदे ने स्पष्ट किया कि बीआरएस पार्टी इस जांच के फैसले का विरोध करती है और इसे राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा मानती है।

शिंदे ने जोर देकर कहा कि राज्य में भारी बारिश के कारण हजारों एकड़ में फसलें तबाह हो गई हैं, संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है और जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित है। फिर भी सरकार ने इन मुद्दों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इन समस्याओं के बजाय सरकार राजनीति में उलझी हुई है, उन्होंने कहा।

इस धरने में बीआरएस पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें - मदनूर ब्लॉक बीआरएस अध्यक्ष बंसी पटेल, डोंगली ब्लॉक अध्यक्ष विजय पटेल, पार्टी संयुक्त मंडल महासचिव गोविंद पटेल, मदनूर सिंगल विंडो के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार, युवा नेता मारुति, संयुक्त मंडल के पूर्व सरपंच, एमपीटीसी सहित कई पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

बीआरएस नेताओं ने सरकार से मांग की कि वह केसीआर पर षड्यंत्र की राजनीति बंद करे, कालेश्वरम परियोजना की सीबीआई जांच के प्रस्ताव को वापस ले और जनहित के मुद्दों पर तुरंत ध्यान दे।

प्रदर्शन के बाद धरनास्थल से एक ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया, जिसमें सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया।

मंडल अधिकारियों ने बारिश से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का किया निरीक्षण

गोजेगांव में जांची क्षतिग्रस्त सड़कें व फसलें

मदनूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल में हाल ही में हुई भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए स्थानीय प्रशासन और कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने संयुक्त रूप से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस संबंध में मदनूर तहसीलदार एम. डी. मुजीब ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मंडल के विभिन्न गांवों में भारी वर्षा के कारण फसलों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। इसके बाद मंडल पदाधिकारियों और कांग्रेस नेताओं की एक संयुक्त टीम ने क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया।

टीम ने विशेष रूप से गोजेगांव गांव में बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और खेतों में डूबी फसलों का निरीक्षण किया। तहसीलदार ने बताया कि आकलन के आधार पर प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जाएगी तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए तत्काल कार्यवाही शुरू की जाएगी।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अधिकारी व नेता शामिल थे। जिनमें- तहसीलदार: एम. डी. मुजीब

एमपीडीओ: रानी, पुलिस उपनिरीक्षक: विजय कोंडा, कृषि अधिकारी: राजू, कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष: दरासवार सायलू, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता: हनमंडलू स्वामी, पूर्व मंडल अध्यक्ष: वटनालवार रमेश ईरवत देशमुख शामिल थे।कांग्रेस नेताओं ने प्रभावित लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रशासन पर दबाव बनाने का आह्वान किया ताकि राहत कार्य त्वरित गति से शुरू हो सके।तहसीलदार ने कहा कि नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है और राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी ताकि राहत कोष से धन उपलब्ध कराया जा सके।

पुलिस उप निरीक्षक ने गणेश मंडप का निरीक्षण किया

महाप्रसाद कार्यक्रम में भाग लिया

मदनूर, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) विजय कोंडा ने आज बड़ा एकलरा गांव में आयोजित गणेश महोत्सव के महाप्रसाद कार्यक्रम में भाग लिया और गणेश मंडप का निरीक्षण किया।

महादेव गणेश मंडली के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में एसआई विजय कोंडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मूर्ति के समक्ष पूजा-अर्चना की और गांव के विभिन्न विनायक मंडलों का भी दौरा किया।इस अवसर पर उन्होंने आयोजकों और भक्तों से अपील की कि गणेश विसर्जन कार्यक्रम को सौहार्दपूर्ण, शांतिपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि उत्सव के दौरान सामाजिक एकता और सुरक्षा दोनों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम में सहकार सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष पंडित राव पटेल, पूर्व एमपीटीसी शंकर पटेल, युवा नेता प्रदीप पटेल, सोमनाथ अप्पा, प्रभाकर, सोमावर मल्लेश और महादेव गणेश मंडली के सभी आयोजकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पुलिस उपनिरीक्षक ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत ड्राई डे दिवस मनाया गया

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तिरयानी मंडल परिषद विकास अधिकारी ने एक बयान में बताया कि जन कल्याण के तहत ड्राई डे दिवस का आयोजन किया गया। मंगलवार को तिरयानी मंडल की पंगिडी मधारा ग्राम पंचायत में मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु ग्राम पंचायत की बस्तियों में स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत सूखा दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं के समन्वय से चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि बरसात का मौसम होने के कारण ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि लोग अपने आवासीय क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखें और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि वर्षा जल को समय-समय पर बिना जमा किए निकाला जाना चाहिए और मच्छरों की वृद्धि को रोका जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि मंडल के गिन्नेदारी गाँव के साथ-साथ अन्य सभी ग्राम पंचायतों में भी सूखा दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, आँगनवाड़ी और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों ने भाग लिया।

महिलाओं और बच्चों के लिए कानूनों पर शी टीम द्वारा जिले में जागरूकता संगोष्ठियों का आयोजन

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शी टीम द्वारा जिले भर के 83 हॉटस्पॉट्स में 25 जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन, 11 शिकायतें प्राप्त हुईं।यदि महिलाएं रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा की शिकार हैं, तो जिला शी टीम से संपर्क करे।जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने आज एक बयान में कहा कि यदि जिले में कोई भी महिला या युवतियां हिंसा का शिकार हैं, तो वे बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि शी टीम, महिला तस्करी विरोधी टीम और भरोसा केंद्र महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। छात्राओं, महिलाओं को अन्याय का सामना करने पर डरना नहीं चाहिए, यदि वे साहस के साथ आगे आकर शिकायत करें तो

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि रैगिंग, ईवी टीजिंग, फॉक्सो, शी टीम, एंटी वूमेन ट्रैफिकिंग टीम, भरोसा टीम और संबंधित पुलिस स्टेशन के अधिकारियों द्वारा कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों को जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यदि महिलाओं को उनके कार्यस्थलों में किसी भी तरह की हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो उन्हें टीम से संपर्क करना चाहिए। अगस्त माह में, टीम द्वारा जिले में 83 हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं, 25 जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों को जागरूक किया गया है और 08 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया है, 11 मामलों में 03 एफआईआर दर्ज की गई हैं, 08 मामलों में काउंसलिंग की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग छोटे बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएगा। महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करते समय बहुत सावधान रहें और फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में सभी प्रकार के सुरक्षा उपाय करें एसपी गारू ने बताया कि जिले में दो एसएच टीमें कार्यरत हैं, *आसिफाबाद डिवीजन एसएच टीम नंबर 8712670564*, *कागजनगर डिवीजन एसएच टीम नंबर 8712670565* या सूचना देने के लिए 100 डायल करें।

अवैध शराब ले जाते तीन लोग गिरफ्तार

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम, आसिफाबाद ज़िला टास्क फ़ोर्स पुलिस ने आज दोपहर अवैध शराब (देशी दारू) ले जा रहे दो लोगों और इसमें शामिल एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

ज़िला एसपी कांतिलाल पाटील ने यह जानकारी दी। एसपी के अनुसार महाराष्ट्र से कागजनगर अवैध शराब ले जाए जाने की विश्वसनीय सूचना मिलने पर टास्क फ़ोर्स टीम ने तुरंत कार्रवाई की और कार (MH34--1706) की जाँच के दौरान प्लास्टिक की थैलियों में पैक 1,050 बोतलें (प्रत्येक बोतल 90 मिली) देशी शराब बरामद की गई। उन्होंने बताया कि ज़ब्त की गई शराब की कीमत लगभग 63,000 रुपये होगी।आरोपी:

1. विशाल, निवास: चंद्रपुर, महाराष्ट्र 2. दिनेश मित्रा, निवास: महाराष्ट्र प्रारंभिक जाँच में, कागजनगर निवासी जे. श्रीकांत नामक व्यक्ति को शराब की आपूर्ति किए जाने की बात सामने आई है।

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे : वित्त मंत्री

चेन्नई,02 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार पूरी तरह अर्थव्यवस्था को खुला और पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन का बोझ और कम होगा और छोटे व्यवसायों को लाभ होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। सीतारमण ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, 56 करोड़ से ज्यादा जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि इनमें से 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिसमें 56 फीसदी खाते महिलाओं के पास हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक खाता सिर्फ एक पासबुक नहीं है, बल्कि ये अवसरों का पासपोर्ट है, जो ऋण, बचत, बीमा और सम्मान तक पहुंच को सक्षम बनाता है। सीतारमण ने कहा कि भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में भारी सुधार दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप एनपीए में कमी आई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना एवं स्टार्टअप्स, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और उद्यमियों के लिए एक अधिक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि कल और परसों होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की योजनाबद्ध शुरुआत आने वाले महीनों में एक पूरी तरह से खुली और पारदर्शी अर्थव्यवस्था स्थापित करेगी और अनुपालन बोझ में और कमी लाएगी, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए फलने-फूलना आसान हो जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पाकिस्तान में...

बोल्टन ने ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है। पश्चिम ने दशकों से भारत को रूस से दूर करने की कोशिश की है और चीन द्वारा उत्पन्न खतरे के प्रति भारत को आगाह किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। बोल्टन ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कूटनीतिक कदमों को व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखने की अनिच्छा ने शी जिनपिंग को फिर से स्थापित होने का अवसर दे दिया है। जॉन बोल्टन एक पूर्व अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (2018-19) के रूप में कार्य किया। बाद में उन्होंने विदेश नीति पर ट्रंप के साथ मतभेदों को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

बोल्टन की टिप्पणी चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के बाद आई है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। पुतिन के साथ अपनी बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और रूस के बीच मज़बूत संबंधों पर जोर दिया और कहा कि दोनों देश हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए नई दिल्ली और मॉस्को के बीच सहयोग बेहद जरूरी है।

मेरी मां को गाली...

इस बार कहानी के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को दी गई गाली पर दिए बयान ने विपक्ष को हिला कर रख दिया है। बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी के आंसुओं ने बिहार की जनता के दिलों को छू लिया।

पीएम मोदी ने बिहार चुनाव को भावनात्मक मोड़ दे दिया है। 29 मिनट के भाषण में, उन्होंने बिहार के विकास की बात की और अचानक अपनी स्वर्गीया मां हीराबेन का जिक्र छेड़ दिया। उन्होंने कहा, मैं भी इस माटी का बेटा हूं, मेरी मां ने मुझे मेहनत और ईमानदारी सिखाई। आज बिहार की मां-बहनों के लिए मैं जो कर रहा हूं, वो मेरी मां की सीख है। लेकिन मुझे गाली दी गई। पीएम मोदी ने कहा, मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मेरी मां को गाली दी जाएगी। इस बात की जितनी पीड़ा मुझे है, उससे कहीं ज्यादा बिहार की जनता को है। यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो गईं। यह पल कैमरों में कैद हुआ और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बिहार की भावुक जनता इस पल को भूल नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने अपने भाषण में बिहार के लिए कई सौगातों का ऐलान भी किया। खासकर महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक घोषणा कर विपक्ष को न केवल धरती पर ला दिया बल्कि, अब पीएम मोदी की गाली वाला मुद्दा बिहार में सबसे बड़ा मुद्दा बन जाए तो हैरानी नहीं होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बिहार में जीविका निधि साख सहकारी संघ का शुभारंभ किया और महिला स्वयं सहायता समूहों को 105 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और डिजिटल व्यवस्था के जरिए उन्हें आसान ऋण सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपनी मां पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर हमला बोला और भावुक होकर अपनी पीड़ा जनता से साझा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने 105 करोड़ रुपए की राशि को जीविका निधि में ट्रांसफर किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मंगलवार के दिन बहुत मंगल कार्य की शुरुआत हो रही है। बिहार की माताओं-बहनों को आज एक नई सुविधा मिलने जा रही है जीविका निधि साख सहकारी संघ। इससे गांव-गांव में आजीविका से जुड़ी बहनों को अब और आसानी से पैसा मिलेगा। उन्हें आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे ये देखकर खुशी हो रही है कि जीविका निधि की व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल है। मैं बिहार की माताओं-बहनों को बहुत बधाई देता हूं और इस अद्भुत पहल के लिए मैं नीतीश कुमार और बिहार की एनडीए सरकार का भी अभिनंदन करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है, भारत की सशक्त महिलाएं। महिलाओं को सशक्त करने के लिए बहुत जरूरी है कि उनकी जिंदगी से हर प्रकार की मुश्किलें कम हों। इसलिए हम माताओं-बहनों-बेटियों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए अनेक काम कर रहे हैं। हमने महिलाओं के लिए करोड़ों शौचालय बनवाए, ताकि उन्हें खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति मिले। हमने पीएम आवास योजना के अंतर्गत पक्के घर बनवाए और इसमें ये भी ध्यान रखा कि वो घर हो सके तो महिलाओं के नाम पर हो। महिला जब घर की मालकिन होती है, तो उसकी आवाज का भी वजन बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार आज मुफ्त राशन की योजना भी चला रही है। इस योजना ने हर मां को, इस चिंता से मुक्ति दिलाई है कि आज घर में बच्चों का पेट कैसे भरेगा। महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए हम उन्हें लखपति दीदी, ड्रोन दीदी और बैंक सखी भी बना रहे हैं। ये सारी योजनाएं माताओं-बहनों की सेवा का एक बहुत बड़ा महायज्ञ है। आज इस कार्यक्रम में मैं आपको ये भरोसा देता हूं कि आने वाले महीनों में बिहार की एनडीए सरकार इस अभियान को और तेज करने जा रही है।

कुछ दिनों बाद नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। पूरे देश में नवदुर्गा की पूजा होगी, यानी मां के नौ रूपों की पूजा होगी। लेकिन, बिहार और पुरबिया इलाके में नवदुर्गा के साथ सतबहिनी पूजा की परंपरा भी पीढ़ियों से है। मां के रूप में सात बहनों की पूजा की परंपरा, मां के प्रति श्रद्धा और विश्वास, ये बिहार की पहचान है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार के लिए मां की गरिमा, उसका सम्मान, उसका स्वाभिमान बहुत बड़ी प्राथमिकता है। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है। उन्होंने कहा, बिहार में कुछ दिनों पहले जो हुआ, उसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। बिहार में राजद-कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं है। ये देश की मां-बहन-बेटी का अपमान है।

पीएम मोदी ने कहा, मुझे पता है कि आप सबको भी ये देखकर और सुनकर कितना बुरा लगा है। मैं जानता हूं कि इसकी जितनी पीड़ा मेरे दिल में है, उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों को भी है। इसलिए, आज जब इतनी बड़ी तादाद में बिहार की लाखों माताओं-बहनों के दर्शन मैं कर रहा हूं, तो आज मेरा मन और मैं अपना दुख आपसे साझा कर रहा हूं। ताकि आप माताओं-बहनों के आशीर्वाद से मैं इसे झेल पाऊं। पीएम मोदी ने कहा, मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है। मुझे मां भारती की सेवा करनी थी। इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए, मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देशसेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी। उस मां के लिए अपशब्द असहनीय हैं।

मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके, वो हम सबको छोड़कर चली गई। मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है। मेरी उस मां को राजद-कांग्रेस के मंच से भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह बहुत ही दुख, कष्ट और पीड़ा देने वाला है। उस मां का क्या गुनाह है कि उसे भद्दी गालियां सुना दी गईं। यह कहते-कहते पीएम मोदी अत्यंत भावुक हो गए, उनकी आंखें नम हो गईं। पीएम मोदी ने कहा, मेरी मां ने काफी गरीबी में मुझे पाला और कई बलिदान दिए। मां ही तो हमारा संसार होती है, मां ही हमारा स्वाभिमान होती है।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की अधिकार यात्रा के दरम्यान दरभंगा के सिमरी थाना क्षेत्र के बिठौली चौक पर कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी और उनकी माता जी के खिलाफ गाली-गलौज की गई। आयोजनकर्ता मोहम्मद नौशाद ने विवाद के बाद सफाई दी थी कि अभद्र टिप्पणी एक बाहरी शख्स ने की थी। आज प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद एनडीए के सभी सहयोगियों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार बंद की घोषणा की। बिहार बंद के दौरान अस्पताल, एंबुलेंस जैसी इमरजेंसी सेवाएं चालू रहेंगी। एनडीए का कहना है कि यह विरोध लोकतंत्र की गरिमा बचाने के लिए है।

तेल है काला...

पीएम मोदी ने अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा, कल रात ही मैं जापान और चीन की यात्रा से वापस लौटा हूं। इस पर सभागार में मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। इस पर पीएम मोदी ने हास के अंदाज में कहा, मैं गया था, इसलिए तालियां बजा रहे हैं या वापस लौटा हूं इसलिए तालियां बजा रहे हैं। प्रधानमंत्री के इतना कहते ही सभागार में मौजूद सभी लोग ठहाका मारकर हंस पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां दुनिया भर के सेमीकंडक्टर विशेषज्ञ मौजूद हैं। 40-50 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि हैं और भारत की युवा शक्ति भी यहां नजर आ रही है। यह जो संयोजन बना है, इसका संदेश है कि दुनिया भारत पर विश्वास करती है। दुनिया अब भारत के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जितनी तेजी से विकास हो रहा है, उससे हम सभी, उद्योगों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। विकास की गति यही रही तो भारत का दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना तय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था ने सभी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया और 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। तेल काला सोना था, लेकिन अब चिप्स (सेमीकंडक्टर) डिजिटल हीरे हैं। हमारी पिछ्ली शताब्दी को तेल ने आकार दिया। दुनिया का भाग्य तेल के कुओं से तय होता था। लेकिन, 21वीं शताब्दी की शक्ति छोटी से चिप में सिमट कर रह गई है। यह चिप भले ही छोटी सी है, लेकिन इसमें दुनिया की प्रगति को बड़ी गति देने की ताकत हैं।

सेमीकॉन इंडिया 2025 के आयोजन का उद्देश्य भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बेहतर बनाना है। 2 से 4 सितंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय सम्मेलन भारत में एक मज़बूत, लचीला और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम में डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के तहत पहलों, स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर प्रकाश डाला जाएगा। इसमें 20750 से ज्यादा लोग हिस्सा लेंगे। इनमें 48 से ज्यादा देशों के 2500 से ज्यादा प्रतिनिधि, 50 से ज्यादा वैश्विक नेताओं सहित 150 से ज्यादा वक्ता और 350 से ज्यादा प्रदर्शक शामिल होंगे।

यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, कुछ साल पहले ही, हम एक नई शुरुआत करने के लिए पहली बार मिले थे और भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का शुभारंभ किया था। हमने क्रियान्वयन पर बेहद सटीक ध्यान केंद्रित करते हुए इस नई यात्रा की शुरुआत की। 3.5 साल की छोटी सी अवधि में, दुनिया भारत की ओर विश्वास से देख रही है। आज पांच सेमीकंडक्टर यूनिट का निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन और पीएम नरेंद्र मोदी के इस इवेंट में शिरकत करने के बाद सेमीकंडक्टर चिप को लेकर हलचल तेज हो गई है। पीएम मोदी का कहना है कि सरकार भारत सेमीकंडक्टर मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, हम भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण पर काम कर रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। सरकार नई डीएलआई (डिजाइन-लिंक्ड इंसेंटिव) योजना को आकार देने जा रही है। लेकिन बहुत सारे लोगों के मन में यह सवाल है कि सेमीकंडक्टर चिप क्या होती है? दुनिया में क्यों सेमीकंडक्टर चिप को लेकर लड़ाई छिड़ी है और भारत अब इस रेस में शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है।2 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन पर भारत ने इस दिशा में एक प्रतीकात्मक लेकिन बड़ी छलांग लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश में बनी पहली चिप/प्रोसेसर को तोहफे में दिया गया। कार्यक्रम में विक्रम नाम का 32-बिट देसी (इंडिजेनस) माइक्रोप्रोसेसर भी प्रदर्शित किया गया जिसे खुद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री को दिखाया।

आसान भाषा में समझें तो चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का जाल है। यही कम्प्यूट करती है, मेमोरी मैनेज करती है, सिग्नल प्रोसेस करती है और डिवाइस को स्मार्ट बनाती है। अलग-अलग कामों के लिए अलग-अलग तरह की चिप्स जैसे सीपीयू/जीपीयू (प्रोसेसिंग), एमसीयू (कंट्रोल), मेमोरी (डीरैम/नंद), आरएफ/एनालॉग (नेटवर्किंग/सेंसर) वगैरह इस्तेमाल होती हैं। सेमीकॉन इंडिया 2025 के मंच से सरकार ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर सफर निर्णायक मोड़ पर है। बड़े-बड़े कारोबारियों की मौजूदगी में पीएम को देश में बने चिप/टेस्ट-चिप्स का प्रदर्शन किया गया। इसमें इसरो की सेमी-कंडक्टर लैबोरेट्री द्वारा विकसित विक्रम 32-बिट प्रोसेसर प्रमुख था। इसे स्पेस लॉन्च व्हीकल जैसे हाई-रिलायबिलिटी इस्तेमाल के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि देश में अभी पांच सेमीकंडक्टर यूनिट्स का निर्माण तेजी से चल रहा है और सरकार का लक्ष्य स्वदेशी चिप्स को बाजार में 2025 के आखिर तक लाना है। विक्रम भारत का पूरी तरह स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर बताया जा रहा है। इसकी डिजाइन से लेकर वेरिफिकेशन तक सब कुछ देश में ही हुआ है। यह हाई-रिलायबिलिटी/स्पेस-ग्रेड इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। जहां कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स की तुलना में गलती न होना और लॉन्ग-लाइफ सबसे जरूरी होती है।

भारत नहीं आ पाएंगे...

नए इमिग्रेशन और फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत हर राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश को डिटेंशन कैंप बनाना होगा। इन कैंपों में पकड़े गए अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और उनकी आवाजाही सीमित रहेगी, जब तक कि उन्हें वापस उनके देश नहीं भेज दिया जाता। अब हर विदेशी नागरिक को किसी भी श्रेणी का वीजा लेने या ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड के लिए आवेदन करते समय अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देना जरूरी होगा। यही जानकारी केंद्रीय सरकार के पोर्टल पर सुरक्षित रखी जाएगी। इसके साथ ही सीमा सुरक्षा बल और कोस्ट गार्ड को आदेश दिया गया है कि भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करने वालों को पकड़कर उनकी बायोमेट्रिक व डेमोग्राफिक जानकारी दर्ज करें और फिर उन्हें वापस भेज दें।

गृह मंत्रालय ने साफ कहा है कि विदेशी नागरिक को भारत में आने या रुकने की अनुमति नहीं दी जाएगी अगर वह राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, आतंकवाद या जासूसी में शामिल हो, दुष्कर्म, हत्या, बाल शोषण जैसे अपराधों में दोषी हो या नशीली दवाओं की तस्करी, मानव तस्करी, नकली दस्तावेज या मुद्रा (क्रिप्टो करेंसी समेत) की तस्करी करता हो और साइबर अपराध या मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में शामिल हो। भारत में वैध वीजा पर आने वाला कोई भी विदेशी नागरिक बिजली, पानी या पेट्रोलियम क्षेत्र की निजी कंपनियों में काम नहीं कर सकेगा, जब तक कि उसे सिविल अथॉरिटी से खास अनुमति न मिले। विदेशी नागरिक अगर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, टीवी सीरियल, वेब सीरीज या रियलिटी शो बनाना चाहते हैं तो इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार से लिखित अनुमति लेनी होगी।

विदेशी नागरिक बिना अनुमति के भारत के किसी भी पहाड़ पर चढ़ाई नहीं कर पाएंगे। उन्हें रूट बताना होगा, सरकार द्वारा तय किए गए संपर्क अधिकारी को साथ रखना होगा और कैमरा व वायरलेस उपकरण के इस्तेमाल की जानकारी देनी होगी। साथ ही, भारत के संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश के लिए अलग से परमिट लेना अनिवार्य होगा। वहीं अफगानिस्तान, चीन और पाकिस्तान मूल के विदेशी नागरिकों को ऐसे क्षेत्रों में जाने की अनुमति बिल्कुल नहीं मिलेगी। प्रतिबंधित क्षेत्रों में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल हैं।इसके साथ ही समुद्री जहाज के नाविक या विमान चालक दल के विदेशी सदस्यों को भारत में उतरने के लिए लैंडिंग परमिट या शोर लीव पास लेना होगा, अगर उनके पास वैध भारतीय वीजा नहीं है। गृह मंत्रालय ने यह भी कहा है कि किसी व्यक्ति को भारत छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी अगर उसकी मौजूदगी किसी अदालत के मामले के लिए जरूरी है या वह ऐसी बीमारी से पीड़ित है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। इसके साथ ही उसके जाने से भारत के किसी देश के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं या फिर उस पर केंद्रीय सरकार या किसी जांच एजेंसी का प्रतिबंध लागू है। इस पूरी व्यवस्था पर नजर रखने और रिकॉर्ड बनाए रखने का जिम्मा ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन को सौंपा गया है।

अल्पसंख्यक संस्थाओं पर...

तय करें कि क्या प्रमाती वाले फैसले पर बड़ी बेंच द्वारा दोबारा विचार होना चाहिए? जस्टिस दत्ता ने कहा, हमारी राय में आरटीई एक्ट सभी अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू होना चाहिए, चाहे वे सहायता प्राप्त हों या न हों। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कानून के लागू होने से अनुच्छेद 30 (1) के तहत सुरक्षित अल्पसंख्यक चरित्र पर कोई आंच नहीं आती। उल्टा, आरटीई एक्ट लागू करना अनुच्छेद 30 (1) की सार्थक व्याख्या के अनुरूप है। अनुच्छेद 21 ए (शिक्षा का अधिकार) और अनुच्छेद 30 (1) के बीच कोई टकराव नहीं है; दोनों एक साथ और सामंजस्य के साथ चल सकते हैं।

बेंच ने कहा कि एक्ट की धारा 12 (1) (सी) जिसमें प्रवेश स्तर पर वंचित वर्गों और कमजोर तबकों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है, का उद्देश्य सामाजिक समावेश और प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह सच है कि इस तरह का प्रावधान कुछ हद तक संस्थानों की स्वायत्तता को प्रभावित करता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या इससे ऐसे संस्थानों के अल्पसंख्यक चरित्र का पूरी तरह नाश हो जाता है। इस पर खुली छूट देने के बजाय हर मामले में अलग-अलग स्थिति देखकर फैसला करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धारा 12 (1) (सी) से स्कूल की जनसांख्यिकी में ऐसा बदलाव नहीं होता जिससे अल्पसंख्यक स्कूलों की पहचान पर असर पड़े। अल्पसंख्यक संस्थान पहले से ही अपनी समुदाय से बाहर के छात्रों को प्रवेश देते हैं; अगर यह काम एक पारदर्शी और राज्य द्वारा तय ढांचे के तहत किया जाए तो इससे उनके किसी अधिकार पर असर नहीं पड़ता। इसके अलावा, धारा 12 (1) (सी) के साथ प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) की व्यवस्था भी है, जिससे वित्तीय बोझ नहीं पड़ता।

एमएलसी के कविता...

पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने कविता को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कविता के करीबियों का कहना है कि अनुशासनिक कार्रवाई के बाद वह पार्टी की सदस्यता और एमएलसी पद से इस्तीफा दे सकती हैं। यह नोटिस अनुशासन समिति के नेताओं ने हस्ताक्षर कर जारी किया है, न कि केसीआर या बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने। बीआरएस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, जब से कविता ने पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बयान दिया है, तब से बीआरएस यह सोच रही थी कि आगे क्या किया जाए। सोमवार और मंगलवार को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने चर्चा की और पार्टी अध्यक्ष केसीआर की सहमति से फैसला लिया।

बीआरएस का यह बड़ा ड्रामा उस वक्त सामने आया है जब ठीक एक दिन पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना विधानसभा में ऐलान किया कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की जांच अब सीबीआई को सौंपी जाएगी। कविता ने दावा किया कि हरीश राव ही केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच के जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा, यह कैसे हो सकता है कि वही लोग अब भी पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं? हरीश राव, जो पांच साल तक सिंचाई मंत्री रहे, क्या उनकी इसमें कोई भूमिका नहीं है? आज केसीआर पर जो आरोप लग रहे हैं, उसके जिम्मेदार वही हैं।कविता ने आरोप लगाया, ऐसा ही एक और व्यक्ति है मेधा कृष्णा राव (बिल्डर और उद्योगपति) और पूर्व राज्यसभा सांसद संतोष कुमार। जब केसीआर तेलंगाना के लोगों के लिए काम कर रहे थे, तब ये लोग सिर्फ अपने फायदे और धन इकट्ठा करने में लगे हुए थे। बीआरएस सूत्रों ने बताया कि जैसे ही कविता के बयान न्यूज चैनलों पर दिखाए गए, बीआरएस का शीर्ष नेतृत्व हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित केसीआर के घर पर इकट्ठा हो गया।

पृष्ठ तीन का शेष...

रूस से ...

हाल ही में यूक्रेन ने रूसी रिफाइनरियों पर हमला किया, जिससे देश की रिफाइनिंग क्षमता का 17 प्रतिशत हिस्सा बंद हो गया है। इसके बावजूद रूस के पास अगले महीने निर्यात करने के लिए पर्याप्त तेल हैं। भारत की दो सबसे बड़ी रिफाइनरियां, रिलायंस और नायरा एनर्जी ने संकेत दिया है कि वे तेल खरीदना जारी रखेंगी। ये कंपनियां मुख्य रूप से रूसी तेल पर निर्भर हैं।

वैश्विक बाजार पर इसका असर भी महत्वपूर्ण है। अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया होता, तो वैश्विक आपूर्ति में लगभग दस लाख बैरल प्रतिदिन की कमी होती और कीमतें अल्पकालिक रूप से लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती थीं। इसके अलावा, भारत रूस का सबसे बड़ा खरीदार बनकर वैश्विक तेल बाजार में संतुलन बनाए रखने में भी योगदान दे रहा है। अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंधों के बावजूद भारत की मांग रूस को अपनी आपूर्ति बनाए रखने में मदद कर रही है।

हाल के वर्षों में भारत द्वारा रूसी तेल की बढ़ती खरीद ने देश को सस्ते कच्चे तेल का लाभ दिया है। 2024 में ओपेक का हिस्सा बढ़ा और पेट्रोलियम निर्यातक देशों से महंगी आपूर्ति के कारण भारत की रणनीति और महत्वपूर्ण हो गई। सितंबर में रूस ने यूराल क्रूड को ब्रेंट के मुकाबले 2-3 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर बेचा, जो अगस्त के 1.50 डॉलर से सस्ता था। इसका मतलब है कि भारत आर्थिक रूप से लाभ उठा रहा है और अमेरिकी टैरिफ के बावजूद अपने तेल मिश्रण में रूसी तेल को प्रमुख बनाए रखेगा। अगले कुछ महीनों में भारत का रूसी तेल आयात बढ़ते रह सकता है, क्योंकि न केवल यह सस्ता है, बल्कि वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता बनाए रखने में भी मदद करता है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तेल पर प्रतिबंध नहीं होने तक वह जहां से सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, वहां से तेल खरीदेगा। अमेरिकी टैरिफ और दबाव के बावजूद, देश ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखी है और रूसी तेल की खरीद को प्राथमिकता दी है। इस वजह से भारतीय रिफाइनरियों को आर्थिक लाभ मिला है और वैश्विक तेल बाजार में भारत का प्रभाव भी मजबूत हुआ है।

शिक्षकों के ...

पीठ ने यह भी कहा कि अधिनियम लागू होने से पूर्व भर्ती सेवारत शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्ति में 5 वर्ष से अधिक का समय बचा है, उन्हें दो वर्षों में टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

विफल रहने पर सेवा छोड़नी होगी या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होना होगा व सेवांत लाभ का भुगतान करना होगा।

सेवानिवृत्ति लाभ के मकसद से अर्हता हासिल करने के लिए ऐसे शिक्षकों को नियमानुसार अर्हक (क्वालीफाइंग) सेवा पूरी करनी होगी। यदि किसी शिक्षक ने अर्हक सेवा पूरी नहीं की या उसमें कोई कमी है, तो इस मामले पर संबंधित विभाग विचार कर सकता है। बता दें कि एनसीटीई ने 2010 में कक्षा 1 से 8 तक की शिक्षक नियुक्ति के लिए कुछ न्यूनतम योग्यताएं निर्धारित की थीं। इसके बाद एनसीटीई ने टीईटी की शुरुआत की थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 03 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज काउंसलिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

पारिवारिक विवादों के समाधान पर जोर

विवाह संबंधी विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान

हर सोमवार को रहेगी समिति उपलब्ध

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज काउंसलिंग कमेटी की बैठक मंगलवार को अबिड्स स्थित समाज कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल ने की।

बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर कपूरचंद गुप्ता, सुनील अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद बंसल सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल ने बताया कि हाल ही में कमेटी ने एक विवाह संबंधी विवाद का सफलतापूर्वक समाधान किया है। दोनों पक्षों के बीच समझौता कराकर उन्हें फिर से जोड़ने में समिति को सफलता मिली। इस कार्य में पुरुषोत्तम गुप्ता का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग और सलाह से मामले का शांतिपूर्ण निपटारा हुआ।

श्री बंसल ने समाज की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों से अपील की कि वे मैरिज काउंसलिंग कमेटी से सक्रिय रूप से जुड़ें और परिवारों को समाज की इस सेवा के बारे में जागरूक करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समिति द्वारा किसी भी मामले में शामिल पक्षों के नाम या विवरण को पूर्ण गोपनीय रखा जाएगा तथा कहीं भी प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

कमेटी अब हर सोमवार को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक अबिड्स स्थित अग्रवाल समाज कार्यालय में उपलब्ध रहेगी। कोई भी अग्रवंशी भाई या बहन समिति के किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकता है ताकि विवाह संबंधी किसी भी तनाव या विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान किया जा सके।

समाज के पदाधिकारियों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसी सेवाएं पारिवारिक एकता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती हैं।

फिलखाना स्थित नेतराम कॉम्प्लेक्स में स्थापित भव्य गणेश प्रतिमा की पूजा-अर्चना उपाध्याय परिवार द्वारा की गई।इस अवसर पर, परिवार के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा के साथ भगवान गणेश का पूजन किया और उनका आशीर्वाद लिया। पूजा में कमल नारायण उपाध्याय, नारायण उपाध्याय, भगवान उपाध्याय, आशीष उपाध्याय, विजय उपाध्याय और इल्लू उपाध्याय उपस्थित थे। पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

घांसी बाजार, हाई कोर्ट के पास स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन के लिए ओरिएंटल इंश्योरेंस के उप महाप्रबंधक सी.एल. गिरिधर पहुँचे।गणेश उत्सव समिति द्वारा उनका पुष्पमाला और शाल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदीप चांगभले, आदित्य, साईं किरण और पी. रमेश सहित अन्य भक्तगण भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर गणेश जी का आशीर्वाद लिया।

धोर बस्ती में नंबर 1 गणेश महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर, स्थानीय भक्तों और निवासियों ने मिलकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। पूरे इलाके में गणेश उत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है।

राजीव गांधी नगर, रोड नंबर 6 में स्थित वारासिद्धि विनायक वास्तु कमेटी द्वारा स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं।गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित इस विशेष पूजा में, भक्तगण भगवान गणेश का आशीर्वाद ले रहे हैं और उनसे सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

एनकेएस यूथ एसोसिएशन द्वारा गणेशोत्सव का भव्य आयोजन

महाप्रसाद में 2000 भक्तों को भोग वितरित

मुख्य अतिथि एमएलए प्रत्याशी राम मोहन गौड़, विशेष अतिथि वी.एन. एसीपी काशी रेड्डी

कार्यक्रम में शामिल हुए विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक नेता

हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एनकेएस यूथ एसोसिएशन द्वारा गणेशोत्सव का भव्य आयोजन मंगलवार को महापूजा, आर्चना एवं महाप्रसाद के साथ किया गया।

मंगलवार को दोपहर में हुई विशेष पूजा-अर्चना के बाद गणेश मंडप परिसर में महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 2000 भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। प्रसाद में मोदक, पूरन पोली, खीर, सब्जियां एवं अन्य पारंपरिक व्यंजन शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एम. राम मोहन गौड़, एलबी नगर से कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व एमएल, तथा श्रीमती एम. लक्ष्मी प्रसाद, पूर्व कॉर्पोरेटर उपस्थित हुईं। विशेष अतिथि के रूप में पी. काशी रेड्डी, वानस्थलीपुरम एसीपी, ने भी उपस्थिति दी।

इस अवसर पर सभी अतिथियों का एनकेएस यूथ एसोसिएशन की ओर से फूलमाला और शाल से स्वागत एवं सम्मान किया गया।इस मौके पर एनकेएस यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, कांग्रेस नेता एनके सिंह,

डी. श्रवण कुमार, बीआरएस नेता, भरत लाल मांसिंह, गजानंद चौधरी, साई राम यादव, नंद किशोर सिंह, पंडित सुखेंद्र महाराज शास्त्री, उज्ज्वल केसरी, शशिकांत रॉय, सुधाकर रेड्डी, एम. श्रीनिवास, भर्गव, सीएच विनोद सिंह, करण सिंह, चीराज कुमार, मोहन कुमार, शहनावाज, आदित्य सिंह, नंद किशोर मंडल, निखिल, कपिल, ऋषु कुमार सिंह, अरुण सिंह, प्रशांत, वीके तिवारी, रंजीत सिंह एवं अन्य शामिल हुए।

सभी अतिथियों ने गणेश जी की पूजा-अर्चना में सक्रिय रूप से भाग लिया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

एनकेएस यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने सभी स्वयंसेवकों, सदस्यों और समर्थकों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि ऐसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और आस्था को मजबूत करते हैं।

एफटीसीसीआई तेलंगाना पर्यटन फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2025 के विजेताओं को दिए गए पुरस्कार

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) की पर्यटन समिति ने विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित एफटीसीसीआई तेलंगाना पर्यटन फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2025 के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। मुचर्ला श्रीनिवास, पुतला अशोकडू यादव, और शालिनी जैन ने शीर्ष सम्मान हासिल किए।

सोमवार शाम को एफटीसीसीआई, रेड हिल्स, हैदराबाद में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में, मुख्य अतिथि सुश्री एन. मानवी जगन, महाप्रबंधक, तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम (टीजीटीडीसी) और सम्मानित अतिथि महेश कुमार बेंदका, उप महाप्रबंधक, टीडीटीडीसी ने विजेताओं को पुरस्कार दिए।

यह पुरस्कार वितरण समारोह एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के.के. माहेश्वरी, पर्यटन समिति के अध्यक्ष प्रकाश अम्मानाबोलू, सह-अध्यक्ष डी. रामचंद्रम, निर्णायक मंडल के सदस्य सत्यप्रसाद और सतीश, एफटीसीसीआई की निदेशक सुश्री पी. संगीता और वरिष्ठ अधिकारी सुश्री विशाला की उपस्थिति में हुआ।

प्रथम पुरस्कार: मुचर्ला श्रीनिवास, फोटो जर्नलिस्ट, हंस इंडिया, नालगोंडा को मिला। उन्होंने नागार्जुन सागर की हिल कॉलोनी में स्थित श्री एलेशवारा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर (जिसे दक्षिणा काशी भी कहते हैं) की एक मनमोहक तस्वीर खींची। यह मंदिर साल में केवल एक बार महाशिवरात्रि पर भक्तों के लिए खुलता है।द्वितीय पुरस्कार: पुतला अशोकडू यादव, फोटो जर्नलिस्ट, आंध्र ज्योति को हैदराबाद के छिपे हुए रत्न, दुर्गम चेरुवु झील की खूबसूरत तस्वीर के लिए मिला।तृतीय पुरस्कार: शालिनी जैन, तेलंगाना फोटोग्राफिक सोसाइटी की सदस्य और वन्यजीव एवं यात्रा फोटोग्राफर को, तेलंगाना के नियाग्रा कहे जाने वाले बोगथा झरने की शानदार तस्वीर के लिए मिला।इन तीनों विजेताओं को क्रमशः 10,000, 7,500, और 5,000 नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, सात प्रतिभागियों को 1,000 का सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सभी विजेत-ाओं को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और बैकपैक दिए गए। बैकपैक सुपसैक् कंपनी द्वारा प्रायोजित थे।

इस अवसर पर सुश्री एन. मानवी जगन ने कहा कि तेलंगाना राज्य में कई छिपे हुए खजाने हैं और सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि राज्य गठन के बाद से पर्यटन के बुनियादी ढांचे का विकास इसकी क्षमता के अनुरूप नहीं था और 2014 से राज्य में कोई समर्पित पर्यटन नीति नहीं थी।

अब यह नीति लागू हो गई है, जिसका लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में पर्यटन में 15,000 करोड़ का नया निवेश आकर्षित करना और तीन लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने तेलंगाना को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन के मामले में शीर्ष 5 राज्यों में लाने की प्रतिबद्धता भी जताई।एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा कि एफटीसीसीआई की पर्यटन समिति को तेलंगाना के शीर्ष दस पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है।

श्री के.के. माहेश्वरी ने कहा कि समिति को तेलंगाना राज्य की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने पर काम करने के लिए कहा गया था।

प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत की गई 700 से अधिक तस्वीरों का मूल्यांकन अनुभवी फोटो जर्नलिस्ट श्री एच. सतीश और लैंडस्केप फोटोग्राफर श्री सत्यप्रसाद की दो सदस्यीय विशेषज्ञ जूरी ने किया।

यह चयन तेलंगाना पर्यटन की भावना का अन्वेषण, अनुभव और प्रदर्शन विषय पर आधारित था, जिसमें रचनात्मकता, संरचना, विषय की प्रासंगिकता और दृश्य प्रभाव जैसे मापदंडों को शामिल किया गया था। जूरी ने 144 शॉर्टलिस्ट की गई प्रविष्टियों की समीक्षा के लिए पाँच घंटे से अधिक समय समर्पित किया।

जुमेरात बाजार में परशुराम सेवा मंडल के अध्यक्ष का सम्मान

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुमेरात बाजार स्थित देवी नगर के उपल्लमा टेंपल गणेश समिति द्वारा श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया का सम्मान किया गया।

समिति ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके सामाजिक कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कमेटी के सदस्य सतीश कुमार, नर्सिंग कुमार, साईं कुमार और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने इंदौरिया जी का स्वागत किया।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में एलबीएमटी हाईस्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जिला स्कूल गेम्स में कबड्डी व खो-खो में बटोरे पुरस्कार, कई छात्र-छात्राएं जिला टीम में चयनित

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एल. बी. एम. टी हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने हैदराबाद जिला स्कूल गेम्स फेडरेशन द्वारा आयोजित 69वीं खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल एवं समिति का नाम रोशन किया।प्रतियोगिताएं 29 व 30 अगस्त, 2025 को सेंट मार्कस बॉयज टाउन स्कूल, जहांनुमा में आयोजित की गईं, जिसमें हैदराबाद जिले के लगभग 28 स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। यह प्रतियोगिताएं दो आयु वर्ग : अंडर-14 और अंडर-17 के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की गई थीं। एल. बी. एम. टी हाई स्कूल की 8 टीमों के लगभग 17 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। उल्लेखनीय रूप से, सभी टीमें क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रहीं, जो उनकी तैयारी और खेल भावना का स्पष्ट प्रमाण है।

अंडर-17 छात्राओं की कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए टीम को बधाई दी गई।

अंडर-14 बॉयज कबड्डी टीम में पी. कृतिक और शुभांकर मैती का चयन जिला स्तरीय टीम में हुआ।

अंडर-14 गर्ल्स खो-खो टीम में चहक अग्रवाल, तृप्ति शर्मा और समृद्धि मिश्रा का चयन हुआ।

अंडर-14 गर्ल्स कबड्डी टीम में अक्षिता मैती और माउ गौरी का चयन जिला टीम में हुआ।

अंडर-17 गर्ल्स कबड्डी टीम में शर्मिष्ठा पाल, त्रिशा छातिक, सुहाना खातून और तनिशा घंटा का चयन हुआ।

छात्रों की उपलब्धियों पर अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद केडिया, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, विद्यालय के कॉरस्पॉन्डेंट राजेश कुमार अग्रवाल और को-ऑर्डिनेटर ी प्रदीप अग्रवाल ने छात्रों की सराहना की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत बल्कि संस्था के समग्र विकास का प्रतीक है।इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला, पी. ई. टी. सुनील शर्मा, हाई स्कूल इंचार्ज निधि कौशिक, उषा अग्रवाल, मेधा कुलकर्णी, डी. गीता यादव और ऑफिस असिस्टेंट पीकॉन बोग भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।विद्यालय प्रशासन ने खेल प्रशिक्षकों और शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की, जिनके मार्गदर्शन में छात्रों ने इस उच्च स्तर का प्रदर्शन किया।

विवेक वर्धिनी संगीत महाविद्यालय में गान महर्षि दिगंबर पलुस्कर जयंती समारोह का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सौ वर्ष से भी अधिक पुरानी और प्रतिष्ठित विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था के अंतर्गत आने वाले विवेक वर्धिनी संगीत महाविद्यालय ने इस साल एक पुरानी और महत्वपूर्ण परंपरा को फिर से शुरू किया है। इस महाविद्यालय की स्थापना 1951 में श्री स. भ. देशपांडे ने की थी।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री प्रणव घाराप-ुरीकर ने बताया कि महाविद्यालय की दो शाखाओं-सुल्तान बाजार और नल्लाकुंटा- में लगभग 220 छात्र-छात्राएं शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह संस्थान अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल से मान्यता प्राप्त है।

पहले, गान महर्षि पं. दिगंबर पलुस्कर जी की जयंती तीन दिवसीय संगीत समारोह के रूप में मनाई जाती थी। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, विवेक वर्धिनी संगीत महाविद्यालय ने छत्रखढ संस्था और कलाभिषेक परिवार के सहयोग से धचखड सुल्तान बाजार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. प्रियांका लाठकर के कुशल संचालन से हुई। तीन छात्राओं ने पं. पलुस्कर द्वारा रचित प्रार्थना जय जगदीश का गायन किया। इसके बाद वंदे मातरम की एक अभिनव प्रस्तुति दी गई, जिसमें सितार, तबला, स्वर और नृत्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। वीडियो और दृश्य-श्रव्य तकनीकों के सुंदर उपयोग ने दर्शकों को बहुत प्रभावित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ शास्त्रीय गायक श्री सतीश काशीकर और प्रख्यात सितार वादक श्री बशीर अहमद खान साहब ने दीप प्रज्वलन करके किया। इसी अवसर पर, संगीत महाविद्यालय के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में अमृत स्वर-ोत्सव नामक एक पोस्टर का भी अनावरण किया गया।सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती हेमांगी भगत नेने ने राग बिहागड़ा और जैत कल्याण की भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तबले पर श्री ठाकुर हरजीत सिंह और हारमोनियम पर श्री उपकार गोडबोले ने संगत दी।

इसके बाद, हैदराबाद के वरिष्ठ बांसुरी वादक डॉ. रामकांत कट्टी और श्री रामचंद्र मूर्ति ने अपनी बांसुरी वादन की जुगलबंदी से सभी श्रोताओं को आनंदित कर दिया।

महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री प्रणव घारापुरीकर ने अमृत स्वरोत्सव के तहत आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की। पहला कार्यक्रम रविवार, 2 नवंबर 2025 को रवींद्र भारती, हैदराबाद में आयोजित होगा। इसकी शुरुआत सुबह 9:30 बजे सुप्रसिद्ध गायिका मुग्धा वैशंपायन और प्रथमेश लघाटे के गायन सत्र से होगी। इसी दौरान इस कार्यक्रम के टिकटों की बिक्री भी शुरू की गई।

श्री घारापुरीकर ने यह भी घोषणा की कि अब नवंबर 2026 तक हर महीने एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह सभी कार्यक्रम विवेक वर्धिनी संगीत महाविद्यालय द्वारा संगीत प्रेमियों के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

समारोह में संगीत जगत के कई विशेषज्ञ, विद्वान, और प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे। महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी भी इस आयोजन का हिस्सा बने। कार्यक्रम का समापन श्रोताओं की सराहना, कलाकारों के प्रति आभार और भविष्य में ऐसे ही आयोजनों की आशा के साथ हुआ।

चाकनावाडी के राधाकुंज में गणेश पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चाकनावाडी स्थित राधाकुंज में मंगलवार को गणेश जी की पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस दौरान, श्री और श्रीमती महेंद्र राधा व्यास ने सपरिवार भगवान गणेश की विधिवत पूजा की और उनका आशीर्वाद लिया।

इस धार्मिक आयोजन में वेणुगोपाल लोया, प्रीति तिवारी, मीनाक्षी बाहेती सहित कई अन्य भक्तजन भी उपस्थित थे, जिन्होंने गणेश जी की भक्ति में लीन होकर प्रार्थना की।

अशोक बाजार में गणेश उत्सव समिति ने किया अन्नप्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अशोक बाजार गणेश उत्सव समिति ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर एक अन्नप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल, ग्रेटर हैदराबाद के महासचिव पवन शिंदे और आनंद माने विशेष रूप से उपस्थित थे। उनके साथ, समिति के पदाधिकारी शक्ति सिंह, अरुण सिंह, सतीश वंजरी, आशीष व्यास और पुरुषोत्तम जी भी मौजूद रहे।

सभी भक्तों ने मिलकर प्रसाद ग्रहण किया और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा अन्नदानमआयोजित

मेडचल, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा गणेश महोत्सव के अवसर पर एक भव्य अन्नदानम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेडचल बस डिपो के सामने संपन्न हुआ, जिसमें हजारों भक्तों और राहगीरों ने अन्न प्रसाद का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में मेडचल सर्किल इंस्पेक्टर श्री सत्यनारायण जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल के अध्यक्ष श्री मोहनलाल चौधरी और कार्यकारिणी सदस्यों ने उनका स्वागत राजस्थानी पगड़ी और शॉल भेंटकर किया। श्री सत्यनारायण ने मंच के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी, सचिव सोहनलाल सीरवी, उपाध्यक्ष जयेश सीरवी और हेमाराम पटेल, सह-सचिव कमलेश सीरवी, कैलाश प्रजापति, पन्नालाल सीरवी, मनो-हरलाल, सुरेश देवड़ा, कैलाश शंकला, सुरेश सेन, नेमीचंद सीरवी, ताराराम पंवार, कुणाल सीरवी, सूरज शंकला, डायाराम सीरवी, वीरेंद्र चौधरी, कानाराम गुर्जर, रमेश मेवाड़, चंपालाल, सुरेश सीरवी, सीताराम सांखला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल ने इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक सेवा और समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से प्रदर्शित किया।

चप्पल बाजार स्थित क्वालिटी गार्डेनिया अपार्टमेंट में इस वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। अपार्टमेंट की महिला मंडल ने मिलकर भगवान गणेश की एक सुंदर प्रतिमा स्थापित की। इस दौरान, महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की और पूरे अपार्टमेंट में उत्सव का माहौल बना रहा।

अग्रवाल समाज बहादुरपुरा शाखा की सदस्यता अभियान बैठक सम्पन्न

मेंबरशिप ड्राइव में उत्साह के साथ जुड़े अग्रबंधु

हैदराबाद, 02 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की बहादुरपुरा शाखा ने रविवार, 31 अगस्त 2025 को एक उत्साहपूर्ण मेंबरशिप ड्राइव का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम समाज के संगठनात्मक विकास और आपसी एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों अग्रबंधुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। नए सदस्यों के पंजीकरण के साथ-साथ पुराने सदस्यों का पुनर्संपर्क किया गया। इस ड्राइव के माध्यम से समाज के सदस्यों ने मिलजुलकर एकता, सहयोग और सामाजिक बंधन को नई मजबूती दी।

अग्रवाल समाज बहादुरपुरा शाखा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम समाज के संगठनात्मक उत्थान और आपसी भाईचारे का उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ।

कार्यक्रम की सफलता में सभी सदस्यों के योगदान को सलाह देते हुए, शाखा के पदाधिकारियों ने उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष: अनिल केडिया, उपाध्यक्ष: गौरव संघी, मानद सचिव: मुकेश कुमार गनेड़ीवाल, उपसचिव: राकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष: अनिल अग्रवाल और केएस सदस्य राकेश गनेड़ीवाल उपस्थित थे।

शाखाध्यक्ष ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को और अधिक संगठित, जुड़ा हुआ और सक्षम बनाते हैं। भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अग्रवंशी समुदाय की एकता और सामाजिक सेवा की परंपरा निरंतर बनी रहे।

अत्तापुर और कटल मंडी में गणेश प्रतिमाओं के साथ राजस्थानी जागृति समिति के सदस्य

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गणेश उत्सव के पावन अवसर पर, राजस्थानी जागृति समिति के सदस्यों ने शहर के दो अलग-अलग स्थानों पर स्थापित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन किए।

अत्तापुर में स्थापित गणेश प्रतिमा के साथ समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी, आशा देवी सोमानी और अन्य सदस्य उपस्थित थे।वहीं, कटल मंडी में नवप्रभात ट्रांसलेशन द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन के दौरान, समिति के सह-कोषाध्यक्ष मनीष सोमानी, सदस्य दामोदर सोमानी और यूट्यूबर वीणा सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।इन मुलाकातों के दौरान सभी ने भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया और एक-दूसरे को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ दीं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नप्रसाद सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ ली ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा मंगलवार को दो स्थानों पर नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली और बेगम बाजार (गौशाला के पास, पुल की माता) में सुबह 7:01 बजे से शुरू हुई।

यह आयोजन भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि के शुभ अवसर पर और बाबा रामदेवजी जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। यह सेवा स्व. श्री कन्हैयालालजी अग्रवाल की मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर भी समर्पित थी।यह अन्नप्रसाद सेवा मेसर्स जगदंबा सेल्स, मलकापेट परिवार और राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद के सौजन्य से आयोजित की गई थी। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, ई-जगदीश चंपापेट, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दहिमा, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, रितेश गुप्ता, अनिल भाई, गोविंद राम जी, सुनील भाई, मनोज शर्मा, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, आशीष, किशन पाल और अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्यों ने मिलकर सेवा में योगदान दिया।

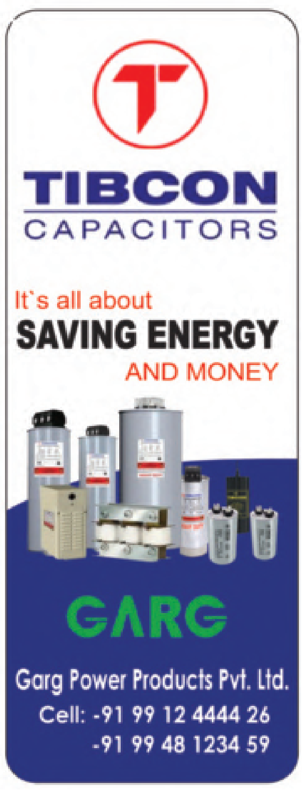

फतहनगर में गजानन यूथ सेवा समिति ने मनाया गणेश उत्सव

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पाइपलाइन रोड, फतहनगर स्थित गजानन यूथ सेवा समिति ने इस वर्ष गणेश उत्सव का धूमधाम से आयोजन किया है।

मंगजपरी करे समिति के पंडाल में विशेष पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें डीएसपी (डीआईजी) कार्यालय से श्री वामसी मोहन रेड्डी और बेगमपेट ट्रैफिक इंस्पेक्टर श्री एस. नवीन ने भाग लिया।

इस अवसर पर समिति के चेयरमैन खुश अग्रवाल, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के बोर्ड सदस्य सुनील अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जुगू भाई (सुनील), मयंक अग्रवाल, आदित्य यादव, राम रित्विक और राहुल अग्रवाल सहित कई अन्य सदस्य और श्रद्धालु भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर गणेश जी की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया।

अग्र महिला मंच ने हिमायत नगर में मनाया गणेश चतुर्थी पर्व

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिमायत नगर के स्ट्रीट नंबर 10 स्थित एस.एम.आर. रेसीडेंसी में, अग्र महिला मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग के परिवार और अन्य भक्तों ने मिलकर गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया।इस अवसर पर, भगवान गणेश का विधि-विधान से पूजन किया गया और उनकी आरती उतारी गई। पूजा के बाद, सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।इस धार्मिक आयोजन में अनिल गर्ग, अंकित-पायल गर्ग, सुमित-सृष्टि गर्ग सहित कई अन्य सदस्य भक्ति भाव से शामिल हुए और गणेश चतुर्थी पर्व को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0
न्यूनतम : 23^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,08,410/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,26,315/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,157.88
-206.61 -0.26% ↓
एनएसई :24,579.60
-45.45 (-0.18%) ↓

आईआईआईटीएच के 28वें स्थापना दिवस पर साइबर सुरक्षा को दिया बड़ा बढ़ावा

डीजीपी ने मंथन सेंटर और व्यूह लैब्स का उद्घाटन किया

साइबर अपराध में तेलंगाना में 11% कमी, राष्ट्रीय स्तर पर 36% वृद्धि

आईआईआईटीएच और टीजीसीएसबी के बीच हुआ समझौता

हैदराबाद, 2 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी हैदराबाद (आईआईआईटीएच) ने मंगलवार को अपना 28वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर संस्थान के शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नेतृत्व के साथ-साथ साइबर सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. जितेंदर तथा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजी-सीएसबी) की निदेशक श्रीमती शिखा गोयल (आईपीएस) उपस्थित थीं। इस अवसर पर उन्होंने आईआईआईटीएच के नए साइबर मंथन सेंटर (साइबर सुरक्षा प्रबंधन एवं अगली पीढ़ी की तकनीकी उन्नति नेटवर्क) तथा टीजीसीएसबी के व्यूह लैब्स - एक साइबर इनोवेशन लैब का औपचारिक उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद बोलते हुए डॉ. जितेंदर ने कहा कि आज साइबर अपराध पारंपरिक अपराधों से अधिक हैं और तेलंगाना पुलिस के मामलों में इनका बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आईआईआईटीएच भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है - यह उज्ज्वल छात्रों के लिए सपनों का संस्थान है। कम समय में ही यहां के शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। मैं इस संस्थान के भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में साइबर अपराधों में 11% की कमी आई है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 36% बढ़ी है। साथ ही, साइबर धोखाधड़ी के कारण आर्थिक नुकसान में 20% की कमी आई है, जबकि देश भर में यह बढ़ रहा है।आज उद्घाटित नए अनुसंधान केंद्र न केवल शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के लिए, बल्कि तेलंगाना और बाहर की पुलिस बलों के लिए भी महत्व-पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे, उन्होंने कहा। श्रीमती शिखा गोयल ने कहा कि साइबर अपराध दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता अपराध है। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर साइबर धोखाधड़ी से 11.9 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है, जो अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।

-2024 में भारत को साइबर धोखाधड़ी से 24,000 करोड़ का नुकसान।

-तेलंगाना का हिस्सा: 1,900 करोड़

-तेलंगाना में औसतन प्रतिदिन 250 नए मामले

-प्रतिदिन लगभग 5 करोड़ का आर्थिक नुकसान

फिर भी, तेलंगाना ने 11% कमी दर्ज कराकर यह साबित किया कि नवाचार और समन्वय से साइबर अपराधों पर काबू पाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना का टी4सी (तेलंगाना साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर) राष्ट्रीय स्तर पर मॉडल बन चुका है और गृह मंत्रालय के 14सी (इंडियन साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर) के लिए प्रेरणा बना है।

ये नए सुविधाएं अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स को व्यावहारिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाएंगी, जो पुलिस बलों के लिए अमूल्य साबित होंगी, उन्होंने जोर दिया।

इस अवसर पर आईआईआईटीएच और तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजी-सीएसबी) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो भविष्य में साइबर सुरक्षा अनुसंधान, प्रशिक्षण और सामूहिक नवाचार को बढ़ावा देगा।संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर सालाना एलम्नाई अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया, जो आईआईआईटीएच की रजत जयंती के दौरान शुरू किए गए थे।

आईआईआईटीएच के निदेशक प्रो. संदीप कुमार शुक्ल ने संस्थान की अंतर्विषयी अनुसंधान और तकनीकी नेतृत्व की दृष्टि को रेखांकित किया और कहा कि ये नए केंद्र नवाचार को बढ़ावा देंगे और भविष्य के नेत-ाओं को तैयार करेंगे।

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को प्रभावित न होने देने के लिए कदम उठाए जाए : वेंकटेश

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बाधित न होने देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित कसाब वाड़ी वार्ड में नगर निगम के अधिकारियों के साथ आंतरिक सड़कों और नालियों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण सड़कों पर बने गड्ढों की तुरंत मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों और वाहन चालकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, नालियों की नियमित सफाई की जाए, तेल के गोले और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जाए और मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए प्रतिदिन कचरा एकत्र किया जाए। इसके बाद, उन्होंने गोदे-वेली स्थित पेद्दावागु में भगवान विनायक के विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कस्बे के विनायकों को विसर्जन के लिए यहाँ लाया जाएगा, श्रद्धालुओं और विनायक जुलूस के वाहनों के लिए मार्ग प्रशस्त किया जाए और विसर्जन स्थल पर वाहनों के आवागमन की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइटें लगाई जाएँ और भगवान गणेश की मूर्तियों के विसर्जन के लिए क्रेन लगाई जाएँ। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दिन श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए नगर निगम विभाग के निर्देशन में आवश्यक व्यवस्था की जाए। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद नगर आयुक्त गजानन, संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ मेनू के अनुसार भोजन भी उपलब्ध कराया जाए : धोत्रे

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकारी स्कूलों और कल्याण छात्रावासों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। मंगलवार को जिले के वानकीडी मंडल केंद्र स्थित आदिवासी कल्याण बालिका आश्रम विद्यालय का निरीक्षण किया गया और रसोई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, भोजन सामग्री, सब्जियां, कक्षा-कक्ष, उपस्थिति तालिकाओं का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा और मेनू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रतिशत की जानकारी लेने के बाद, प्रधानाध्यापिका ने कहा कि विद्यार्थी स्कूल से अनुपस्थित न रहें और उन छात्राओं पर विशेष ध्यान दिया जाए जो लंबे समय से स्कूल नहीं आई हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को छात्रों की समझ के अनुसार पढ़ाना चाहिए, उन्हें गणित, अंग्रेजी और विज्ञान विषयों की पूरी समझ प्रदान करनी चाहिए और कक्षा में पिछड़े छात्रों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा के छात्रों को अभी से वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी करानी चाहिए। स्कूल के आसपास के क्षेत्र, शौचालय, मूत्रालय आदि को साफ-सुथरा रखना चाहिए और छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में समझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता चौबीसों घंटे उपलब्ध रहें और समय-समय पर छात्रों के स्वास्थ्य की समीक्षा करें। कक्षाओं में छात्रों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर उनकी सीखने की क्षमता का परीक्षण किया जाता है।इस कार्यक्रम में जिला आदिम जाति कल्याण विभाग अधिकारी रमादेवी, विद्यालय के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने भाग लिया।

अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

आसिफाबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीआई बालाजी वरप्रसाद ने मंगलवार को आसिफाबाद कस्बे के पाइकजी नगर स्थित श्री विद्या साईं शिवप्रवती गणेश मंडली के तत्वावधान में विनयकुडी मंडपम में आयोजित अन्नदान कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, सीआई ने लोगों से एकजुटता के साथ शांतिपूर्वक त्योहार मनाने का आह्वान किया।

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, मल्लापुर शाखा, आरबीओ गोदावरीखानी के लिए वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु लगभग 185.87 वर्ग मीटर (2000 वर्ग फुट) के कारपेट एरिया वाले परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से पट्टा किराये के आधार पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त बिजली का भार, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर रखने की जगह, ई-लॉबी और वी-सैट जैसी सभी सुविधाएँ होनी चाहिए, और इसका अग्रभाग अच्छा हो। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर हो, अधिमानतः भूतल पर। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक खाली प्लॉट होना चाहिए। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों तथा मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली के लिए फ़ॉर्मेट एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज़** लिंक से 03/09/2025 **से** 23/09/2025 **तक** डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरा हुआ जमा किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी तरह से पूर्ण प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215 पर** 23/09/2025 **को दोपहर** 3:00 **बजे** से पहले जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का मनोरंजन नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय
थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी - 505215

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

भारतीय स्टेट बैंक, एसबीआई की ओर से, इब्राहिमपटनम शाखा, आरबीओ गोदावरीखानी के लिए वाणिज्यिक/कार्यालय उपयोग हेतु लगभग 185.87 वर्ग मीटर (2000 वर्ग फुट) के कारपेट एरिया वाले परिसर के लिए मालिकों/मुख्तारनामा धारकों से पट्टा किराये के आधार पर प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त बिजली का भार, पानी की आपूर्ति, पार्किंग की जगह, जनरेटर रखने की जगह, ई-लॉबी और वी-सैट जैसी सभी सुविधाएँ होनी चाहिए, और इसका अग्रभाग अच्छा हो। पूरा स्थान एक ही मंजिल पर हो, अधिमानतः भूतल पर। परिसर कब्जे/उपयोग के लिए तैयार होना चाहिए या एक खाली प्लॉट होना चाहिए। विस्तृत मापदंडों, नियमों और शर्तों तथा मूल्य बोली वाले तकनीकी बोली के लिए फ़ॉर्मेट एसबीआई की वेबसाइट www.sbi.co.in या www.bank.sbi पर **https://sbi.co.in/web/sbi-in-the-news** के तहत **प्रोक्योरमेंट न्यूज़ लिंक से** 03/09/2025 **से** 23/09/2025 तक डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरा हुआ जमा किया जाना है। सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों/बैंकों के स्वामित्व वाले परिसरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सभी तरह से पूर्ण प्रस्ताव एक सीलबंद लिफाफे में **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, आरबीओ-II गोदावरीखानी, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली - 505215 पर** 23/09/2025 **को दोपहर** 3:00 **बजे** से पहले जमा किया जाना चाहिए। एसबीआई बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। दलालों का मनोरंजन नहीं किया जाएगा।

हस्ता/- क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय-II, गोदावरीखानी, मकान नंबर 5-6-174, पहली मंजिल, थिरुमाला कॉम्प्लेक्स, एनटीपीसी, कृष्णा नगर, गोदावरीखानी, जिला: पेद्दापल्ली-505215
ईमेल: agmr2.aoniz@sbi.co.in फ़ोन +91 9951784387.

केबीआर में गणेश पूजा का आयोजन यजमानों ने लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर में आयोजित गणेश पूजा के दौरान, कई प्रमुख यजमानों ने पूजा में भाग लिया और भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

इस धार्मिक आयोजन में यजमान के रूप में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, माया अग्रवाल, भोजरेड्डी, प्रताप रेड्डी, प्रकाश गौड़, रामलू गौड़, श्रीनिवास यादव, पांडे नायक, वेंकटेश गौड़, विश्वनाथ यादव, मल्लप्पा, कृष्ण मूर्ति और श्री निवास चौधरी उपस्थित थे।

सभी ने मिलकर भगवान गणेश की आराधना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ में भागवताचार्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर का सम्मान

हैदराबाद, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व विख्यात भागवताचार्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर ने आज बेगम बाजार स्थित जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर महंत अमृत दास खाकी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. पाराशर का स्वागत किया।इस धार्मिक आयोजन में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, आचार्य सत्यप्रकाश तिवारी, नीरज तिवारी, विजय कुमार तोतला, गोपाल राठी, महंत बिरजू दास, शिवनारायण त्रिपाठी, पुष्पेंद्र शुक्ला, आदित्य नारायण, रूपेश पांडे और कमलेश द्विवेदी सहित कई भक्तगण मौजूद रहे। सभी ने मिलकर पूजा में भाग लिया और संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंचेरियाल में 20,000 एकड़ से अधिक भूमि पर खड़ी फसलें क्षतिग्रस्त

मंचेरियाल, 02 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले सप्ताह हुई लगातार बारिश से मंचेरियल और निर्मल जिलों में 20,000 एकड़ से अधिक भूमि पर खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं जिससे इस मौसम में दूसरी बार हजारों किसान संकट में है कृषि अधिकारियों ने बताया कि मंचेरियाल जिले में 13,126 एकड़ में कपास धान और मिर्च जैसी फसलें जलमग्न हो गई जिससे भीमिनी ,कन्नेपल्ली, वेमनपल्ली, कोटापल्ली, बेल्लमपल्ली, कासिपेट, चेन्नूर, जयपुर और जन्नाराम मंडलों के 7,781 किसान प्रभावित हुए नुकसान का अनुमान 17 करोड़ रुपए है जिसमें सबसे ज़्यादा नुकसान अकेले कपास का है 8,107 एकड़ में उगाई गई कपास की फसल को 12.16 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जबकि 4.96 करोड़ रुपए मूल्य की 4,964 एकड़ फसल भी नष्ट हो गई।कुछ ही दिन पहले 7,868 एकड़ की फसलें बर्बाद हो गई जिससे 5,306 किसान प्रभावित हुए जिनमें से ज़्यादातर कन्नेपल्ली और भीमिनी मंडल के थे मार्च-मई के दौरान बेमौसम बारिश ने 3,505 एकड़ की फसलों को नुकसान पहुँचाया, जिससे 2,310 किसान प्रभावित हुए किसानों ने कहा कि उन्होंने खेती में भारी निवेश किया था और सरकार से कम से कम 50,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवज़ा देने की माँग की इस बीच निर्मल ज़िले में लगभग 10,000 एकड़ फसलें बर्बाद हो गईं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, JIGYASHA VERMAN as per Service Documents D/o. SANJEEV KUMAR VERMAN, R/o. Piprithan, Churli, District Kishanganj, Bihar-855116 have changed my name from JIGYASHA VERMAN as per Serice Documents to JIGYASA VERMAN, vide Affidavit no. 34AA 487850, dated 28-08-2025 before Narsapur Court, Medak.

CHANGE OF NAME
I, VIJAYAMMA S as per Service documents w/o. Mohan, dependent of RAJU. M R/o. Kottakkattu, Chirayil, Kumarapuram, Po. Pothapplly, Haripad, Allappey, Kerala have chenged my name from VIJAYAMMA S as per Service documents to VIJAYAMMA vide Affidavit no. 34AA 487754, dated 28-08-2025 before Narsapur Court, Medak.

CHANGE OF NAME
I, MANTI DEVI Mother of Army No.15739377Y Nk CHANDAN KUMAR SINGH, Resident of Vill:Bhawpokhar, PO:Pachapokhari, Dist:Rohtas, Bihar-802217 have changed my name from MANATI DEVI to MANTI DEVI vide affidavit dt:01-09-2025 before G.Shoba, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, SUDHA RANI Spouse of Service No.2614005N Hav SRIDHAR PASUPULETI, Resident of H.No. 10-132, Vill and PO:Gurunadhanagar, Teh:Nizampatnam, Dist:Bapatla, Andhra Pradesh-522262 have changed my name and DOB from SUDHA RANI, DOB:24-6-1991 to PASUPULETI SUDHA RANI, DOB: 01-01-1990 vide affidavit dt:2-9-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet,

CHANGE OF NAME & DOB
I, PASUPULETI NAGESWARAMMA Mother Service No.2614005N Hav SRIDHAR PASUPULETI, Resident of H.No.10-132, Vill and PO:Gurunadhanagar, Teh:Nizampatnam, Dist:Bapatla, Andhra Pradesh-522262 have changed my name and DOB from NAGESWARI, DOB:19-01-1969 to PASUPULETI NAGESWARAMMA, DOB:19-01-1956 vide affidavit dt:2-9-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PASUPULETI SIDDAIAH Father of Service No.2614005N Hav SRIDHAR PASUPULETI, Resident of H.No. 10-132, Vill and PO:Gurunadhanagar, Teh:Nizampatnam, Dist:Bapatla, Andhra Pradesh-522262 have changed my name and DOB from SIDDAIAH, DOB:13-08-1964 to PASUPULETI SIDDAIAH, DOB: 13-08-1952 vide affidavit dt:2-9-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PEDDADA SURI MANI Mother of Service No. 16127480W L/Nk PEDDADA JAGADEESH, Resident of H.No.4-18, Vill and PO:Marturu, Teh:Anakapalli, Dist:Anakapalli, Andhra Pradesh-531032 have changed my name and DOB from SURYA MANI, DOB:10-02-1977 to PEDDADA SURI MANI, DOB: 01-01-1979 vide affidavit dt:02-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PEDDADA SURYARAO Father of Service No. 16127480W L/Nk PEDDADA JAGADEESH, Resident of H.No.4-18, Vill and PO:Marturu, Teh:Anakapalli, Dist:Anakapalli, Andhra Pradesh-531032 have changed my name and DOB from SURYA RAO, DOB:04-05-1976 to PEDDADA SURYARAO, DOB: 01-01-1976 vide affidavit dt:02-09-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15829741N Sep ASHOK KUMAR of AOC Records, C/o.56 APO Secunderabad that my father name and DOB is changed from CHINNA USHANNA, DOB: 05-03-1975 to KUMMARI USHANNA, DOB:21-07-1975 and mother name and DOB is changed from SATYAMMA, DOB:09-04-1981 to KUMMARI SATYAMMA, DOB:07-05-1981.

श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव : गौ सेवा के प्रति समर्पित श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन

हवन एवं महाप्रसाद के साथ पूर्णाहुति, भक्तों ने ली आध्यात्मिक गंगा स्नान की अनुभूति

-स्वामीजी और यजमानों ने दिए आशीर्वाद

-समाज में गौ सेवा के महत्व का संदेश

हैदराबाद, 2 सितंबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो) शमशाबाद के एस.एस. कन्वेंशन सेंटर में आयोजित श्री गिरधरलाल जी कृपा उत्सव के तहत गौ सेवा के प्रति समर्पित श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन आज मंगलवार को हवन, पूर्णाहुति और महाप्रसाद के साथ किया गया। यह आयोजन शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज एवं ओम शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कथा वाचक पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने अंतिम दिवस की कथा में श्रीमद् भागवत के गहन आध्यात्मिक, नैतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन की पूर्णता का मार्गदर्शक है। यह भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और कर्म का समन्वय करता है। भागवत कथा सुनने और सुनाने से मनुष्य के अंदर के तमोगुण और रजोगुण का नाश होता है, सतोगुण का विकास होता है। यह न केवल व्यक्ति को पवित्र करता है, बल्कि पूरे वातावरण को शुद्ध कर देता है।

उन्होंने बताया कि भागवत कथा का वास्तविक उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र के माध्यम से मानवता को आध्यात्मिक जागृति प्रदान करना है। कृष्ण जीवन के प्रत्येक पहलू में गुरु हैं – प्रेम, युद्ध, नीति, राजनीति, ब्रह्मचर्य, गृहस्थ जीवन और मोक्ष तक। भागवत कथा इन सभी को इतने सरल और मनमोहक ढंग से प्रस्तुत करती है कि श्रोता स्वतः ही भक्ति में डूब जाता है।

इस कथा की विशेषता यह थी कि यह पूर्णतः गौ माता की सेवा और संरक्षण के लिए समर्पित थी। पंडित जी ने कहा, गौ सेवा देव सेवा है। गौमाता केवल एक पशु नहीं, बल्कि एक जीवित देवी हैं। उनका दूध, गोबर, गोमूत्र – ये सभी प्राकृतिक उपचार हैं। गौ सेवा करना वास्तविक धर्म है। भागवत कथा के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि गौ संरक्षण सिर्फ धार्मिक भावना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारी है।

मंगलवार को प्रातः 9:00 बजे से विशाल हवन का आयोजन किया गया, जिसमें वैदिक मंत्रों के जाप के साथ आहुतियां दी गईं। इसके बाद पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने कथा का अंतिम प्रवचन किया, जिसमें भागवत के दशम स्कंध के कृष्ण लीला प्रसंगों पर विस्तृत व्याख्या की गई।

कथा के अंत में पूर्णाहुति के साथ महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर चिन्ना जिया स्वामी, श्री जगन्नाथ मठ के मठाधीश अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी सहित अन्य संतों ने भी भाग लिया और भक्तों को आशीर्वाद दिया।

आयोजन की सफलता में यजमानों और सहयोगियों का अहम योगदान रहा। प्रमुख यजमानों में शामिल थे:

इस अवसर पर आयोजन की भव्यता में यजमानों और सहयोगियों की उपस्थिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रमुख यजमानों में रोशनलाल राजेश कुमार अग्रवाल, श्याम सुंदर रामेश्वर डालिया, माणकचंद नरेश कुमार नालपुरिया, घीसाराम जगदीश प्रसाद अग्रवाल, ताराचंद शैलेश सोनी, भंडारा सहयोगी प्रभुदयाल पंच परिवार (टीबा बसई वाले), मोहनलाल सुशील कुमार अग्रवाल, भरत भूषण राहुल अग्रवाल, गुलाबचंद बैजनाथ सिग्नोड़िया, गजानंद सुरेश कुमार नालपुरिया, गुलाबचंद वासुदेव पोद्दार, जयनारायण शीतल पांडेय, रमेशचंद अग्रवाल, मिल्लुराम रमेशचंद पोद्दार, राजेश अग्रवाल, बनवारीलाल विजय कुमार, परसराम सिंघानिया, हनुमान प्रसाद बाबूलाल सिंघानिया, शिवप्रकाश बंसल, जतिन बंसल, नितिन बंसल, श्री भवानी ज्वेलर्स, पुरुषोत्तम भगेरिया, विकास अग्रवाल, संतोष नरेड़ी, रतन केड़िया, रोहित केड़िया, मनोहरलाल राकेश अग्रवाल नालपुरिया, विष्णु दयाल हितेश गुप्ता, रितेश संघी, गोपाल अग्रवाल, बद्रीप्रसाद ज्योति प्रसाद, नाथूलाल सत्यनारायण, रविन्द्र कुमार अग्रवाल, जय जैन, बृजमोहन संतोष कुमार चौखानी, महेश अग्रवाल, मातादीन सुरेश कुमार गोयल, प्रभातीलाल मुसद्दीलाल, मुन्नालाल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, घीसालाल गोवर्धनदास तापड़िया, डालचंद लक्ष्मीप्रसाद सूरज प्रसाद डोकानिया, नागनाथ राजेश माशेट्टे, चन्द्रमोहन पंकज अग्रवाल, और महावीर प्रसाद सतीश अग्रवाल शामिल थे। इन सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। जिससे कथा का प्रभाव और भी गहरा हुआ।

यह श्रीमद् भागवत कथा पूर्णतः गौ सेवार्थ समर्पित थी, जो इस आयोजन की विशेषता रही। शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज और ओम शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कथा ने गौ माता की सेवा और संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया। कथा के माध्यम से भक्तों को गौ सेवा के प्रति जागरूक किया गया और सामाजिक कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी गई। कथा समापन के बाद पंडित इंद्रेश जी उपाध्याय ने शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल का आगमन किया और गौशाला के व्यवस्थापकों की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने कहा कि गौशालाओं का निर्माण और संचालन एक अत्यंत पुण्य कार्य है, जो भारतीय संस्कृति की जीवंत मूर्ति है। आयोजकों ने कहा कि इस कथा का उद्देश्य केवल आध्यात्मिक जागृति नहीं, बल्कि गौ संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करना था। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक घर गौ सेवा में योगदान दे – चाहे दान हो, स्वयंसेवा हो या जागरूकता फैलाना हो। जहां गौ की सेवा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। यह कथा न केवल आत्मा के लिए, बल्कि समाज के कल्याण के लिए समर्पित थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.